

Gifted By

RAJA RANVISHA

BLOCK - DD 34

CALCI

ज्ञान

विद्य

10677

26-4-97

राखे

रात्म

शिवराज द्वांगाणी

८. शिवराज च्हांगानी

प्रकाशक : भारत ग्रंथ निकेतन, दाऊजी रोड, बीकानेर
संस्करण : प्रथम १९८८/ मोल : पैंतीस रूपया मात्र
आवरण : शान्ति स्वरूप/ मुद्रक : जवाहर प्रेस, बीकानेर

Jin Vidh Rakhe Ram (Rajasthani Stories Collect.ed)
by Shiveraj Chhangani @ Rs 35/-

जिण विध राखै राम

भारत ग्रंथ निकेतन
बी का ने र

क्रम

भाग की धनियाली	११
भगती से ब्याव	२१
जिण विष राग नाम	२६
दही मा	२६
दुर परमादी	४५

टूकें में

कहाणी साहित्य की मोकळी पोध्यां राजस्थानी साहित्य भंडार नें भरें । वीनमी कहाण्या नुवी वणगन रें सार्गें सार्में घावें । पण साप्रनेक सामाजिक समस्यावा की गै'राईं माय उतगणो अर उद्विधोडी गाठा नें मुळभावणो वीत ओखो वाम है ।

म्हारी कहाण्या घापरे सार्में समाज माय वीतणवाळी घटनावां मू' जुटाव रावें । इये की भरोसो तो पडणिया की पसंद मारु ई सार्में घामो । घोळभो-सवासी भोळें माय दिगसो ।

नत्पूरमर गेट,
बीबानेर ।

घापरो
शिवराज धंगणी

राजस्थानी रा
घणा मानीता
रावत सारस्वत जी
ने
घर्षे मान
सू

जिण विध राखै राम

राग री धणियाणी

मोवनकी बानपणे मूं ई सुरीनी राग री धणियाणी ही । आभे माय काळा बादनिया मडरावता अर रिम-भिंग रिम-भिम फुवार छोडना बी बखत मोवनकी काजळिये री मीठी गीत मधर-मधर सुर माय उगेरती । सोवनकी री मायड अर बापू मन माय हरखी-जता । गाव मांय ठाला वट्ट्या मिझ्या पडो रा गीत सुगन मारू मोवन की ने राजी करता । कदेई घाघरियो अर कदेई नवी कुग्नी ल्यावण रो लोभ दिरावता जद मनेई वा गीत उगेरणा मरू करती । राग कुवै जितरी गैरी । बोनी माय मिमरी निरखो मिठाम ।

जद मोवनकी वेल वधे ज्यू बघणां मरू हुयी बी रं बापू गाव री इस्कृत माय भरती करवायदी । इम्बल री महेत्या मागे वारखडी री ग्यान हुवण लाग्यो । मईने-दो मईना पळ्ळ आखर भणना मरू । दोनारं री सुट्टी माय गुड्डी-गुड्डे रा खेन खेले अर मागे-मागे मधरं सुर माय गीत गावती रेंवे ।

इम्बल री वैनज्या इतरी मीठी अवाज ने सुण'र मोवनकी रा लाड-बोड करे । बीने उरमव-परव मारू सभा माय बोनावे । सभा-माय बी री मीठी अवाज १ सुण'र सगीतवाळी वैन जी बी ने आपरं नजी'क रावै । गीता री पोधी माय मूं दूद्रे-नीज धेक-धेक गीत

घाद करावै ।

हैड बँनजी इस्कूल री सालाना जुलमो मनावै । गाव रा प्रती-
जता लोग-लुगायां ने न्यूतो दिरावै । उत्सव माय भान-भान रा
कार्यक्रम हुवै । चित्रकला, वाद-विवाद, घूमर-निरतः नाटक पर नोक
गीत मारू छोरी-छोर्या भाग लिरावै । पण आसो ममात्र बो देडा
मस्ती माय मूम उटै जद सोवनकी कुरजां री गीत उगेरे ।

खन बँठी लोग-लुगाया खुमर-गुमर मरू करण ताग जां ।
“आ छोरी किरण री हे ?” अक दूजी ने पूछै ।

पैलडी लुगायी कँवे-“वाई ! आ तो जाणी-पिछाणी है, पण
बैरो कोनी किरण री बेटी है ?”

दूजी उघळावै “जे नई चुकूँ तो गिरधारी री टीगरी हुगो
घाईजे ।”

की हुवो पण छोरी युथकारो घानण जोग । वारे परमेसर ।
काई मिठी भिमरी री डळी घोळ दी हैं दये रं कठ माय ।

इनर माय मोवनकी री गीत गनम हुवै कँ भोड मान मू
घवाजा घारै-अकर घोर । अकर घोर ॥

प्रोग्राम री बटेरचागे करणवाती बँन जी ऊभी हुवै पर भीड वं
पाथी गायती दिगवे । पण भोड तिमो मान जावै ? बेबन होरं
बँन जी मोवनकी ने मध मावै ऊभी करण मारू हेवो मारं । मोरडी
मध मावै पाथी घारै पर घारो गीत उगेरे-“घम्मा म्हारो नेपण
दो-----हु गू घम्मा घारो गाया री बाछइरी-नेपण दो रि
धवार-----।”

गीत रं मिटान घर दरद नागे बोग गो मुगायां री घाणा दट-

गल्लो हूय जावै । केई लुगायां मुघन्यां भरणी गरु कर देवे ।

भीड गीत रें मुगुन पाग मूनी हूयगी ज्यूं लागै । गगळा रें चें रे माथें भेक अजीब मी उदाभी छायगी ।

हेड बैनजी इस्कूल री तरफ मू बडे आदमी रें हाथा इनाम बंट-
यावै । मोवनकी री नाव बार-बार बोलीजे । गाव वाळा री तरफ मू
ई मोवनकी री रमभरी बोनी अर भोळी-भाळी मूरत मार ईनाम
दिराइजे ।

मोवनकी रें गीना री चरचा आलै गाव भांय चालू रैवे । मोवनकी
रें लारले गीत री भोळ्या याद करना हाकेई लुगाया रें नैणा मू
धामू डा दुलकै ।

मोवनकी रें घरवाळा नै घणी खुशी । बं आपरी लाहेसर कवरी
नै घणी प्रीत मू पाळै ।

मगीत वाळी बैन जी री उछाव बधयो । इस्कूल माय मोवनकी
नै घणै नेहू मू गीत मोन्नावणा गरु करे । मोवनकी पेटोबाजै (हार-
भोनियम) माथें गीत गावै अर बीनै बजावणै-री अभ्यास करे । दो-
भेक भाग माय मोवनकी पेटोबाजो खुद ई बजावै अर गीत गावणो
सीख जावै ।

जद कदे गाव रें मिनदर माथें भजन कीर्तन हुवै, बठै गिरधारी
मोवनकी नै मागै लै जावै । मोवनकी भजन गावै जद सुणन वाळा
माथे जादू फिरावै । गाव रा मानीजता लोग मोवनकी नै कईन कई
माल-भत्तो देवे-दिरावै ।

ज्यूं ज्यूं मोवनकी बघनी जावै, किलामां पाम करती जावै ।
छेवट गाव री इस्कूल मू दमवी ताई पास कर लेवै ।

मा-वाप नै चिन्ता लागणी सुरू हुवै । सोवनकी रो ग्यांव मांडण री तयारी करै ।

गाव री छोरो रामनो । घरागै-ठिकाणै री । दसवी पास । सभाव री सीधो-माधो, मिन्दर री पूजा, ठाकुर जी रा पाठ अर बोदो परम्परावा रो हिमायती ।

सोवनकी रै वापू आप री जात विरादरी मांय इयै छोर नै ई ठीक-ठाक समझयो । वा रै घरवाळा मू सगाई सारू बात-चीत हुयो । रिस्ती पक्को हुयग्यो ।

अठीनै सोवनकी री सौरम आखै गाव माय फैलगी । गाव रै मिन्दर रै उत्सव सारू तयारी हुवै । भलै लोगा नै ई गाववाला न्युतो दिरायो । भजन, कीर्तन अर उत्सव सारू आकाशवाणी वाळा ई भेला हुया । सोवनकी बठै परसिध । मिन्दर रै प्रोग्राम सारू रिकार्डिंग वासत आकाशवाणी रै लोगा सोवनकी रा भजन मुणिया । पतली अर सुरीली अवाज मायै सगळा लट्टू हुयग्या ।

सोवनकी रै वापू गिरधारी नै आकाशवाणी वाळां केयो कँ इयै छोरी री गळो वोट मधरो-भँडो है । इयै ने सँर रै आकाशवाणी केन्द्र खानी अवस लावो । इयै री अवाज परखावा ।

गिरधारी हामळ भर लेवै । आकाशवाणी रा पारखी कलाकार वहीर हुवै । रास्ते भर आप री मोटर-कार माय बैठ्या सोवनकी रै गीत अर मीठे कठ री परसंसा करता रैवे । अे'क जणो कँवे-"भई ! प्रतिभायां तो गावां मांय मिळ सकै ।"

दूजो- "जे आपां गाव नई जावता तो आपा नै काई पतो चलतो कँ सोवनकी रै मांय अेक कलाकार छुप्योडो हैं ।" पैलो-गची

एक ही वृत्त में मन्दीरां गीतों का गीत था। दूजो-वैर मन्दा,
 जे मोहनकी आकाशवाणी के आवाँसी तो मन भरोमो है वी की
 आवाज मगला नै पगद आय मरनी ।

मोहनकी गीतों में प्रेम व्यक्तो जाईयो । गाव-गुवाह माय मोहन-
 की गीत नित हमेग पगवा हूँ । वार्त धीमान नई वागल । गाव रै
 कुवै मू दाणी भरनी पणहार्या रै मू हँ माय मोहनकी गीत नित
 मुणोई रै ।

मोहनकी रै बापू गिरधारी गीतों की नै आकाशवाणी मानी
 नेजावण गी हूँ । एकद घेन दिन बटे पूग जावै । आकाशवाणी रा
 कलाकार, मोहनकी मायक वी गी आवाणी मुण'र भेला हूय जावै ।
 वी की आवाज गी पगद माऊ भान-भान गी गीत मुणै । केरु निरगै
 माय पूग वी हूँ हूँ गी नै आकाशवाणी माऊ नौकरी गग नैवणी
 चोप्री रैगी । वा रै बटे अफार गिरधारी नै आवरै दपार माय
 बुनायो अर मोहनकी नै नौकरी रावण माऊ मन्दा विचारी । गिर-
 धारी मोहनकी रा घोऊ पीला हाथ बोनी बर्या । बो दो घडी मूण
 धारै । अफार वी की मूण सोचना वी नै समझावै । वी रै आगै
 आकाशवाणी मूँ हूवण वाळा पायदा दरमावै । गिरधारी मोहनकी
 नेकी अर पूछ-गूछ'र । वी हँकारो भरनियो ।

मोहनकी आकाशवाणी माऊ नौकरी लाग जावै । वी रा गीत
 रिकार्डिंग हूवै । वी की आकाशवाणी मूँ प्रमारण हूवण लागै । मोहन
 की रै गाव रा जद-जद गीत मुणै वी मन माय हरखीजे । मोहनकी
 रै कळों नै मरावै । मोहनकी अय कमाऊ हूयगी । हपिया-ठकका मोकळा
 मिळै । वी की पोमाक निरवाळी । रैवण रै तरीके माय फरक आय
 जावै । मँ'र की भणी-मुणै सुगायां ज्यूं वा रैवे । बोनण-चालण माय

चट अर हुसियार हुय जावै । छेकड मंगत री असर तो आवै ई ।

गिरधारी अर सोवनकी री मा री आंत्यां री नीद उडै । सोवन की रा पीळा हाथ करणा जरूरी हुवै । बीद ई भणियो-गुणियो हुवै । सोवनकी रै सुभाव सागै रळ-मिळ सकै । अेरु ई छोरो गाव माय निजर आवै । अर बो ई रामियो । रिस्तो पैला सू ई पक्को हुयगयोहो ।

गिरधारी थोडा दिनां पाछै सोवनकी रा ब्याव रामियै सागै कर देवै । रामियै अर सोवनकी रे ब्याव मायै घणखरा मेहमान भेळा हुवै । सोवनकी री वैनज्या ई आवै । सै'र सू आकाशवाणी रा कला-कार आवे । ब्या'व री उछव धूमधाम सू मनाइजे । सरघा साह सै लोग कई न कई भेंट सारू देव-दिरावै अर पाछा धानै मकानै बहीर हुय जावे ।

रामियै रै घर मांय सगळो घर-बिखरी सारू माल-भत्तो, दत्त-दायजो भेलो हुय जावै । सोवनकी अर रामियो सुख सू जीवण विजावै अर मजा करै ।

छेवट सोवनकी नै तो नौकरी सारू सै'र खानी जावणो पडै । रामियो गाव मांय नित्त-नेम, पाठ-पूजा अर मिन्दर-मिन्दर दरसण करतो रैवे अर खुद रै काम-काज माय मस्त हुयोडो सो रैवे ।

बो मन ई मन च वै कै सोवनकी गाव माय रैवे । ढकी-डू बी । हाथ अेरु री घू'घटो राखै । मिनखा सागै कम रैवे । वै मुण राखी कै लुगायी अर लुकायी । पण सोवनकी माय अै गुण कोनी आय सकै । बो जमानो लदग्यो । जद लुगायी अर लुकायी वाळी कैवत चालती ही । थोयो अंध विस्वास बी रै नजीक ई कोनी फटकतो ।

अठानै रामियै रै गांव रा भायणः ई आ चावता हा कै गोवनकी

रौ खुरडो घर मांय टिके । भायला मगळा अणुठ अर गंवार । वाने सोवनकी रं कलाकार मरुय री जाबक ई ध्यान बोनी रैवनी । बे रामिये ने सोवनकी रं विमं म धूंघा—गूंघा भडनावता रैवता । बी रं विमं मोरुळी वात्या वनगडन वणाय'र बी ने कैवता । वाना री कच्चो रामियो भटकीजतो रैवतो । पण इत्तीवान सोवनकी रं भालम बोनी ही ।

छुट्टिया माय जद वा गाव पूमी तो रामिये री बे'वार न्यारो-निरवाळो लखायो । सोवनकी जाण्यो के वाई डोन खराब हुवला । वा रामिये ने बतलावनी जद बो झाडी—तेढी वात्या करतो ।

रामियो घर म.य अणुजियोडो रैवतो । जद रामिये रा भायला घरें घावता तो वा घादर—भत्कार करती । वा ने चाय—नास्तो करावनी । पण घू घट बोनी राखती । रामिये ने श्री बात री मेवणा बम हुवनी । जद भायला जावता तो वो सोवनकी रं माघे दाता—गिमी करतो । बी री मिन्नी छिडकियोडी रैवनी । सोफळिये जपू घूंढो वणायो राखतो । बोली म नीव घुळ्योडो रैवतो ।

सोवनकी रं शता गूम नी घावनी ।

सोवनकी री दफतर री छुट्टिया बघायो । वा रामिये ने राजी करण री सुपाव मोचें ।

शान री बेळा । गाव माय अणुखावतो सरगाःटो । त.रा घामें मांय घास्या निकालता मा लागें ।

सोवनकी रामिये ने पूछे—थं म्हारें मू नाराज किया रेंबो ?

रामियो त्वे—थं निसरमी है, नमेनण है ।

“किया ?”

“मनै मिनखां रागै बैठतां लाज बोनी आवैमिनखेडी ।

“म्हारी नौकरी भ्रिती है, मनै सगळा मागै बैठणो पड़ बोल-
वतलदण रासणी पडे ।

“पण मनै अै मै वात्या पमंद बोनी ।”

“तो काई म्है नौकरी छोड दूँ ।”

“यू जाणै, धारो राम जाणै, मनै मनी पूछ ।”

“म्हारा राम तो नै ई हो ?

“छोड दे अै वात्या, यू किसी सीता सनवंती हैं.....”

“था म्हारै मांय कांई दोष देख्यो ?”

“यूं तो बापडी गुणा री खाणु है, मिनखेडी..... ।”

“यै मनै मिनखेडी केवो आ थारै मूडै शोभा बोनी देवे ?”

“हू थारो मू डो बोनी देखणो चावूँ—कुनछणी ।”

लडतो भगडतो रामियो अतायदे पासो सोवण री बोसीस करै । सोवनकी री आख्या मूँ चौसारा फूटै । अणचायो कनक धी रै माथे भाडणो धी नै कदेई बदशिन बोनी हवै ।

छुट्टिया खतम हुवणै रै पण्डे सोवनकी नौकरी भायै जावे । वा दफतर माय अण-मणी सी रैवे । विचारा रो भनूळियो बी रै माथै माय उठतो रैवे ।

आकाशवाणी माय हरचद तबलवादक । धी नै तबला, ढोलक अर मिरदग बोल आछी बजावणी आवै । सभाव रौ धीरो अर मस्त । चैरे माथै मुळक बघ्योडी ई रैवे । सोवनकी नै ओमण-दूमण देख'र वो पूछै—काई सोवनकी अठै थारो मन बोनी लागे ?

सोवनकी उथळो देवे—भ्रिती बात बोनी । म्है तो रोज सनै माथै पूणूँ ।

"पग धारो चै'रो अणमगो श्री सागै ?"

"नई नो ।"

"कोई हूय दरद ?"

"को कोनो, हरगवद बाबू ।"

स्टूडिये म गोवनकी गीत उगेरे घर हरकण्ट तदला बजावणा मर करे ।

गिभया रा गोवनकी धारै ब्याटैर पूगै नो घेव अजबो गो ल मे । डार मू घेव निट्टो रागपेती हूवै । बी नै उठाप'र पडण भी चेस्टा करै । वागद रागि । नो हो । बी रै बनील दिरायोडो हो । रामियो भी नै तलाव दिरायण रो नोटिज भिज्यायो ।

गोवनकी रै पजा मू उभीण गिमकी हूवै ज्यू बी नै लखावै । वा नकीक रै पलग म'रै घ डी हूय जावे । घवना मर । गोवी रैवै.....मोचनो रैवै । वा मन माय दिच रे कै घो विण भान रो मितर । वेमलठर रो वेम दिम्बल ' मने मितवेटी, कुलदरणी, सनधर मिन्नी.....पनो नई काई काई केवे..... जद कै म्है घेवनुर हू । विण गोवे रामभे तलाव.... .. । अरुनो सबध सोडगो । कर मला ।

गोवनकी रो कलाकार अन्तस मू जागै । वा हरडाट भर तलाव रो नोटिज लिपोटी बधीन मू मिलै । अडीरै रामियो राजी अर वटीनै सोवनकी वेदम हूयोटी वचेटी माय तल.कनामो मन्जूर करे ।

गोवनकी अरै मुनत्र हूय जावै । ना चिन्ता ना फिरर । वा दपवर जावै । स्टूडिये माय गीत रिवाडै करावै । हरचद नित हमेम

ताडंतवला वजावै । फेरु मुळक बघै । काम-काज पूरो हुवगु पात्रे
घर खानी वहीर ।

छेवट सोवनकी अर हरचंद री रिकार्डिंग हुयोडा गीत सोगा
रै हिरद माय नवो उचड़ाव पैदा करै । बड़े-बड़े प्रोग्रामा मांय
सोवनकी अर हरचंद सामै-सामै रैवे । मोकडा रुबिया-टवका अर
निद्धरावळ मिलणी सह हुय जावै ।

अेक दिन सोवनकी रै सारै हरचंद व्याव री बात-चीत सह
करै । पैला तो सोवनकी रो माथो ठणकै । फेरु आगो-पीछो सोवे ।
अेक लोकगीत गायिका अर अेक तवलावादक । दोनू री मिल-जुलौ
जोडी दोनू कला-पारखी ।

छेवट सोवनकी हरचंद बाबू रै सामै रैवण री हुंकारो भर
लेवे । कचेडी माय कागद जिल्जिजे । दोनू रा सबध मरान रै पत्रे
पट्टे ज्यूं हुय जावै । सोवनकी हरचंद बाबू रै काळजिये री बोर
बण जावै ।

कमली रो ब्याव

भाभंती जमानो । ठाकुरा, उमरावां अर जमीदारा रो बोल-
वानो । बी-बख्त गरीब-गुग्घा रो देली कुण ? लूठ रो डोको अर
हागनै फाड़तो । डरतो ह्रम करे शुभ राग । गरीबा रो नूण जृभनी
रेषनी । बदेई टाकरा रा नाल होळा तो बदेई जमीदारा रो घोस ।

गौब माय वामण पडिनाई. बाणियो विणज, रजपूत रणसेती
अर बभ्योही जात्या मजदूरी रो काम-काज साहू बगी रेवतो ।
घडीने ठाकुरा रो मूछां बट्ट चडावनी, बढीने राजम्हेला माय रगे-
रेळियां हूवनी । फिरंगी-गोरां रो गज । गोरां रो बधतो परभाव
रजवाहां रो छातो माथे मू ग दळतो जारेयो हो । मरुचल माय
उदल पुषल माच रैय ही । मगगे मूतो । बदेई दुवाल अर बदेई
महामारी ।

चारु मे'र घोरा ई घोरा । जंगली घान आखे जगल ने
पेग्योहो । जगल माय हाकृषा रो डेरो । धाडेती घाटो मारता ।
बदेई हूवेन्या लू'टीजती तो बदेई गौब मू गौब ताई जाचण वाळी
घरानी ।

हाकू मूरजभान रो उबरो जोर । मूनवाह मांय बांरो बमेरो ।
धोपारी, बाणिया अर पद्मेवाळा मंटा रो बी मू हू हू बापतो ।

डाकू सूरजभान आप रे मागे दस-बारे धाडेत्यां रो मुंड राखतो । वो गांव रो ठाकर हो । पण बी रो गांव दुकाळ रो मार सूं फड-फडी जतो रेवतो ।

जद कदे डाकू सूरजभान धाडो मारण सारू निसरतो । बी बखत कमू'बो गळतो । सगळा डाकू गाळवो लंबता । फेरूं सुगन मनावता । मा भवानी जगदम्बा री जोत जळती । आरती उतरती । सुगनी देखता के डावी विप जीवणी आयरंयो है- वै फतं करण सारू निकळता । आद्यो सामेळो लंब'र निवळणूं सूं नेडा-नजीक गाव री हवेत्या सूं घन लूट-खसोट'र जगळा माय रमता-राम हुय जावता । डाकू सूरजभान रें डर सूं लोग घरा सूं बारै कोनी निकलता । जद वो डाको डाल'र वहीर हुवतो जद थाणै-कचेडी रपट लिखावता । पण सूरजभान सूं सामी भिडत री हिम्मत कई री कोनी हुवती ।

डाकू सूरजभान सिंह रो सै'र माय भेक सेठ सूं धरमेलो हो । आधी रात री देळा सेठा सूं वो मिलण सारू वदेई-वदेई आवतो । बी बखत ठाकुर वण्योडो जाणे खरो सामंत सरदार सखावतो । खुद रें सज्योडे ऊट माथे बैठयो कमर माय तलघार भर पीठ माथे डाल लटकायोडो सीधो आय'र सेठ री हवेली खनें ऊंट जेकावतो । सेठ रें पिरोळ रो कडी हवलै-हवलै खडकोघतो । चौकीदार घाडो खोलतो । वा नै माथे बिठावलो फेरूं सेठा ने जगावतो । घटे-रोय घटे ताई सेठा सूं गप्प शप लगावतो । सेठा री छोटी छीरी वमली नीद सूं जागती भर बटे आ पूगती । कमली कदेई सेठा सूं तो वदेई डाकू सूरजभान सूं बतळ करती रेवती । डाकू सूरजभान बी नै कंबली, कदेई कंबली वाई कंबता लाड सडावता । कमली वा ने

बाबा..... दादा बैय'र बनलावनी । मेठा मूं मेण-रेण कर'र जद
 टाक मूरजभान वहीर हूवनी बी बनन कमनी नै गोदी उठावनी ।
 माई नै लय फेरनी छर फेर जेव मय मू चर्दी रो मिहरो निराळ'र
 देवनी । जद बी ऊँट माई बँटनी-कमनी, अय म्है जावू । कमनी
 लपळी दिगलनी-बाबा । पाद' बेगा अया । आबोना नी ? डाक
 मूरजभान हुंवारो भरनी घर ऊँट रँ टोकर लगय'र टुर'र वहीर
 हूवनी ।

इया दो-व्यार दफे मिलगं मूं कमनी घर बाबा रँ बीच
 मोह माया रो जाल बधनी रँयो ।

भोवळा वरम रँ श्या । डाक मूरजभान सिंह मेठां मू मिलण
 मारु बोनी आयो । कमनी धंनडी बई जू बधनी । बी री सगाई
 पनाई री बातया मरु हूयगी ।

मै'र मूं चालि म बोम छँडे छेक गाँव । गाँव रो मेठ व्यापारी ।
 बी रँ छोरे माई कमनी रा व्या'व धरनीज्या । व्या'वरी चेळा
 आयो । फेरुं री ह्यारी । पण मेठा रँ भायने डाक मूरजभान सिंह
 रो अतो-नतो बोनी मिन्यो । बा नै पीळा चोवन भेजणा चवै, पण
 सेठ कुणनी जगै भिजवावे ? कया रा हाथ पीळा करणा जरूरी हा ।

मै'र माय मेठा री ह्वेली रगीजी-पोनीजी । मजावट हूयी ।
 आगूंच गीत उगेरीजणा सरु हूया । मू ड-मू डालै रा गीत बँठ
 गीतार्या गावण लागी ।

वठोने गाँव मू घारात मै'र कानी वहीर हूयी । बरात्या रो
 नखरी तो सगळा जाणीई । ढोल-डमारा घर ढोल्या रँ मगल गीता
 गावनी घारात मै'र पूगी । ऊँट, घोडा घर बैल भाडयी सागै रमक-
 भमक करता ज्यानी बीद रँ सागै-सागै मेठा री ह्वेली, पूग्या-।

देता है मरुत दादी से कहें । दादीजी मरुत की । धिक्कारी
 दादी धिक्कारी । मरुत दादी काका की बहन । बीन-बीनमी का
 केरा हुआ । केरा मरुत की मातादादी । दादी मुसाद का सोन
 भेदा हुआ था माता से मरुत । कदाही से बीन से देव-दिगार पर
 कदाही से भाग मरुत ।

दो-तीन दिन दादी काका खाना हूरे । कदाही से दोनी
 मरुत का मु भागुर खाने । दादीजी काका ने माता-दादी देकर
 धिक्कारी ।

जगल माव हाकु मूरजभान सिंह ने पनी मादी के बागिचे से
 काका कावन बाड़ी है । बीन काक ने मरुत का भावना ने काशी मारन
 ताक रानी है । कदाक मादी है । मादीको कमु बी दादुका है
 बीन मनवदि माता मादी है । केरा म-मरुत की जगलमादी काकी
 उगारी है । मुग से मुगन विचार है । मुगन काका सिने । मादी-मदीक
 रीट परदार है मादी हाकु मूरजभान सिंह सोमी है नदीक भापर
 उभायो । बीन भवदने गिच उरु सोमी धारै मरुतयो । दोनी म-म
 मु मुगाया हवडे-हवडे धारै कावन मा गरीयो । बिच मुगायी से
 टाकः घूरन मागरीयो ही कड मूरन मागरीयो हो । काकी
 गळगळी । धांगू टाक देवा हा ।

इतो मे कमली हिम्नगी । बा धारै भायी घर सोधी डाकू
 मूरजभान धारै पूगी ।

कमली सोनी - "बाबा" ? धीं भायी रति रा घडीने बाबर
 भाया ? या से इतो मुस्तो बदेई सोनी देखो ?

डाकू मूरजभान सिंह "बाबा" सबद-मुण'र धंघभै मे पछयो ।

बिग बमली रो चै'रो देग्यो घर पिछाणग्यो । वो बोत्यो-कमनी"....)

धू कमनी है बी.....,

"हा — बाबा ।"

"भा बारात थारो है ?"

"हा बाबा ।"

"धारा ध्या'व हुयग्या ?"

हाँ — बाबा । कैयर कमली लजरवाणी हुयगी ।

डाकू मूरजभान सिंह धापरें मंगळिया नै धेक दकाल सागै लूटणो बंद करण रो धादेश दिरावे ।

सगळा डाकू धचभै मे पहग्या । जद वां भेक छोगी नै वो डाकू मूरजभान सिंह सनै ऊभी देखी । लूटणो बंद हुयग्यो । सगळा डाकू मूरजभान सिंह रं सने भाय'र खडा हुयग्या । डाकू मूरजभान सिंह सगळा नै धाग्या दीवी कै भो भाल भरतो पाछो बारात्या नै दिरावो ।

पाछो कयूं दिरावो ? भेक डाकू बोन्वो ।

"भा बारात म्हारी बेटी कमली रो है ।" गूरजभान उयळायो घर कमली रें भापे ऊपर हाथ फेरण लाग्या ।

डाकू मूरजभान दोय घहो वास्ते खुद इतरो गळगळो हुयग्यो जागुं बी री लाडेसर बेटी खपली धारिया मामै भाय'र उभगी हुवं । खपली नै छुटियां नै बरस बीतग्या । खपली रें रूप भाय कवली रें भापे हाथ फेरना - फेरना धारिया भाय मूं जामू टपकावणा सरू कर्या ।

"बाबा ! थारो धारिया भाय धामू ?"

"हाँ बेटी ।" "धू म्हारी लाडेसर कवळी है ।"

"बाबा ! सँ मोकळा दिना मूं घर खानी कयू नो भाया ?

रोल्लो-रूपो भुण'र कमली नौद मूं जागै । या घरवाळीं ने पूछे - "घा बाईं बान है ?"

कमली सनै बँठी लुगायाँ बी नै मैन मूं चुप करावै घर हीने सीक बनावै के डाकू मूरजभान सिंह वारात नै लूटरैयो है ।

कमली बोली — "मूरजभान सिंह"

दूत्रो उपल्लो दिरायो — हाँ हाँ.... हाँ.... चुप्प रै । इनरै भाय डाकू मूरजभान सिंह घापरी टोळी मार्गै होली सनै भाय पूग्यो । भाय बँठी सगळी लुगायाँ डर - फर हुय रैयो है - पण कमली बोनी डरै ।

जद डाकू मूरजभान सिंह री बोली विणनै गुणीजी नद बी हवळे गो'क पू घटो ग्योत्यो घर बा रै भावयो । भवके कमली सम-भगी के घै तो "बाबा" है । बाबा म्हारै घरे आधी रात रा आवता । मनै समावता । जावता जद चाँदी री मिक्को देय'र जावता ।

बाबा पूछता - "कमली जाबू ?" म्है उथळायती - बाबा । वेगा-वेगा आवसो ।

कमली नै ओ विश्वास बघग्यो के बाबा म्हारी वारात नै लूट बोनी सकै ।

डाकूघाँ री टोली वारात्याँ सनै पईसो-टक्को सोने-चाँदी री गैणो-गौठो घर बपडा लत्ता लू टण लागरैया हा ।

"मिलमाँ बेटो । दू धारै व्या'व सिरमे माँके भाथे कोनी पूग सकयो - मने अचभो हवै ।"

"खैर सन्ना ।" भवै तो हू घाँ मू मिल ली ।

"हाँ बेटो ।" इनरो बँय'र डाकू मूरजभान सिंह घाप रै सगळियो ने नजीक दुलावै । वारात्याँ नै भेळी बर'र खुद वारै

सामे हाथ जोड'र माफी मांगता खड़ा हूय जावे । डाकू सूरजभान
 कमली रे सुसरै नै बुलाय'र बी री भोत्रावण देवे अर कंवे मने सान
 गुनाह ई माफ करासो । म्हारी फूल सिरखी बेटी री वरात मने ई
 लूटण रो पाप लागियो । ओ जलम-जलम रो पाप ब द ताई छूट सी ।

डाकू सूरजभान आप रे खने राखयोडा सोने-चाँदी रा गंगा-
 गांठा कमली ने पैरावे । वारात नै आदर-सत्कार सागै गाडिया में
 विठावे अर सगळा ने अेक-अेक चाँदी रो सिक्को देय'र बहीर करे ।
 जद वारात बहीर हुवे तो बी रे सागै-सागै कई कोसा ताई खाती
 करता-करता बा नै जगल भाँय सूँ आगै पूगावे ।

फेरू आप रे डेरां खानी डाकू सूरजभान सिंह भवे । बी दिन
 वो सोचे के डाको डानगो राखसा री काम हुवे । वो घाडो मारणो
 जावक ई छोड़ छिटकावे । अर आपरी गढ़ी मे आय'र जीवण रा
 लारला दिन सुख सूँ गुड़कावे ।

जिणविध राखै राम

राम को बेला । गणनाटो । प्रयाग धुप । हाथ नै हाथ कानी
 देख सहै चारु मेर निजरे फेलावा । ऊँचा-ऊँचा, होमा-होमा योग ।
 घोरा रे अमवाहे पमवाहे कट्टई खुई रा गू गन्दा कट्टई गिणियो धर
 कट्टई खोप । थोडो मोर देर पादि धामे रे उतगदे गू धव धव
 धवाज बनो धाधी बाजणी गर हूयो ।

मोळि-मोळि झूपा धर - लाम्बो मोटी झूगदयो रागगणी
 नै देयर बागणी गर हूयो । हमो लीगरयो हो जागे बिगी कपो-
 धन माय भूल गू जगलो हाथी धाय बटग्यो हुवे धर जीव-जिमावर
 पाल संखेर दर - पार हूयाया हुवे । धाधी धर संसाइ रे बीध धैक
 जाणी - पिछाणो धावाज भावे ।

धा धावाज धापूडो रे टमवगे री ही धापूडो कोलायन रे
 नजीक पिलाप गाव रो रेवण बाळो । धे दो धैन्या ही । दूजो रो
 भाव गोमनो । गोमनो भोळी - भाळी धर निरमल सभाव धाळी
 ही । एण धापूडो थोड़ी चट धर धपर-धपर करण धाळी ।

पिलाप रे बघे रे न जीक धाळे गाव माय ह्ये री धर १०७
 धापूडो रा मां-धाप किरसाण, धर नाम -

धापूही सगळी गणगोत्र ज्यूं लागली । दही रो बाप हरसो
 ई पिट बोळी न देग-देगर कयव गिना ज्यूं गिततो । धापूही
 बाळधर्म जद-न दे ई बोधी जिनग मांगनी; हरसो बीी लापर देवनी ।
 हरसो रं धापूही मूळं साध्यांही ह्यो गण गोमती भी बीरी लाडनी
 ही । ताट-बोट में बोधी कर्मी नई रेवनी । धापूही रं घेक भाषी
 हो जिकी रो नीव मुगनी । घो वही मुगनी मूं जलम्यो । जिकी
 घरी दही रो जगम ह्यो धापूही रं बाप रं तीनू-चारूं सेतीं में
 मगोवध यात्रगी, गवार, मोठ घर तिन ह्यो । धीणी भी घापवो ।
 धापूही री मां वही कामेतण । बीरे घर न हरचःद बाळाम ह्यग्या ।
 मुगनियो बाके में ई मुगनावाडो ई हो । धापूही री मा रं अन्न-घन्न
 बोधी पार नई । गगळा अगूट भंडार भरया हां । तीनी टावरा-मू
 वर्षाक मादता रं भोर बोई ह्य सई । गाडी-बळद ऊट घर गायो-
 भैम्या गगळा ई गोरा रंवे । चोत दिना पाई जद धापूही ने आ
 मात्म घरी के पिलाप रं नजीक कोलायत गाव में मेल्यो लागे ।
 मोक्ला-मिनरा घर तीरथ जातरी दूर-दूर मूं भावै । साधु सन्यासी
 सरघा घर भगति भावमूं बटै भावै घर-नलाव में सिनात करे ।

घेक दिन धापूही घापरी मा मू बोली -जे माऊ म्हने कोला-
 यत रो मेळो दितादे ।

मां बोली—म्हारी सहेल्यां घर वीग मां-बाप सगळाई मेळो
 मगरियो जावे । म्हने गोमती घर मुगने ने भी मेळो दिखाव ।

मा - बेटो, म्हें तो अठे घापर ईं कदैईं मेळो मगरियो कोनी
 देख्यो । ओ घर भळो घर हें भली धारें बाप रं अठे ऊभी आयी
 ही घर आडी हुयर ईं घर मू निवळीज सी । नां बोधी मोठो घर
 ना कोणी डवळो ।

धापूडी लाड-कोड माय पळयोडी । इशे कारण थोडी जिदग भी हुयगी । विण-जिद धारलियो । आपवाळी वात माथी मीधी ऊंटे धः ज्यूं घडगी । रोवण लागी । हाथ-पय पटकया । पण मा माये बोधी वातरो घसर बोनी । वा तो घोमवाळा रो माटो बणगी हुवं ।

इतरो देर मांय बीरो बाप घोंस्यो । धापूडी ने रोवनी देख'र माथी ऊपर हाथ फँर'र बोव्यो - बपू वेटी धाफू' । घनी कुण मारी ? म्हारी चिटकीळी ने कुण छेटी ।

बाप रे लाड - कोड पळयोडी धाफू - डूणी घुमकया फाडणी मरु बरदी । बीरो गळे भरीजस्यो, पण बाप ने भेले रे चारे बई बोनी बँय सवी ।

विण धापूडी रँ मा ने पूछयो, "घरे मुणैनी, घा धाफू बिदा घुमकया फाडरयी है । ई ने कुण मारी-भोटी । घा बार्ई मागणा चार्ब है ? बोवतो सरी ।

वा बोली—घा छोरी घणी नादीशी है । हयँ गुनलणी ने जमाने रो हवा लागरयी है ।

धाफू रो बाप बोव्यो—घरे गिदमी । म्हारी बात भी गुण । गुणै बिनाई हट-बट होय लै करँ । छोरी लायण रवाणी है । बार्ई चार्ब है ? म्हने मामम तो पडे ?

बी उपलो दियो—धाफू रो गहेन्सां घर बीरा-मां-बाप लणै बोलायत रँ मेळे घहीर हुया है । हये रो भी मन खानरयो है । म्हने बँबे बे मेळो दिताय दे । घर्ब दितायो हयँ बोड-म्हादनी म्हाड लडोयी होल बाण ने मेळो । बासण जोरही धाणै माथे मू हानण

सागरयी हैं । इये रै हुकम हिलाय कियो हालसी ।

धाफू रा बाप बोल्या—“बाड जेड वा” इत्ती सीक बात अर इतो सीवावणो । म्हारी फूला सी कंठळी छोरी ने जै बाप मेळो नई दिखासी तो कुण दिखासी ।

धाफूडी रो बाप धाफूडी नै लाडसूं रमावतो-रमावतो गोमती अर सुगने नै बुलावो भैज्यो । गोमती अर सुगनो दोनूं आयग्या ।

बोल्या, “बापू, किया बुलाया हं म्हाने ? ओ हो धाफूडी रा लाड-कोड हुय रया है । धाफू थारी घणी लाडती है । बापड़ी मिसरी बोल ज्यू बोले । कदेई रोवे कूण कोनी । मिन्नी ज्यूं चुप रैवं । अर जै कदेई रोवे तो जाणै घर मायै बोओ बोयल कुकरयी हुवं इसी धाने लागे ।

धाफूडी रे बाप उधळायो—नई बेटा, आ धाफूडी जिती वाली लागै उताई थे सगळा । म्हाने लाङ्गरी कोर न कुण खारो अर कुण मिठो ।

गोमती बोळी—बापू, ई धाफूडी री आख्या मे मोनी किया बिखर रैया हें ? जाणै बोओ पटराणी जी रुठग्या हुवं । यतावो ई री मिन्नी किया दळकगी ।

बापू केयो—आपारै गांव सूं थोड़ी दूरी मायै बोलायत री मेळो लागै । बोट सा लोग मेळो । गांव-गाव अर मेर-सेर रा जातरी आवे । दुकान्या लागै इयै मेळो मे आपां रै गांव रो लोग लुगार्या भी जासी । धाफूडी मेळो देखणरो जिद करे । काई थे भी सगळा भी चालसी ?

वा उधळो दियो-हां म्हे सगळें चालसा । माऊ नै सागै लेनेसा ।

दुई घोरा भापै मुरममने, गीत गानां धर मृमगां. उयो मगळो परवार बँलगादी भापे मेळो देगण करीज हूँ. धाफूडी धर बीग मन्वाप बी दिन मृ मेळो'र मगळ्या, नीज निवार मगळ्या गुमी-गुमी मगावना ।

धाफूडी चादेरी ध्यानगो वपे उतू वपणो मरू हूयो । दोरी रें घोडी गोरो गायोश-गियोडी डोल भापे निजर भावण लाग्यो हो ।

रावडी रा ह्याव भाडण री ह्यारी । मगणण पूगळ गांव मार दुकयो । धाफू रें दाप-धूम-धाम मृ याव कर्या । घोरा हाथ रग्या । मोरळो धन-रीगो बी रे मगळ धाळ. ने दियो दिरायो । भाव-भगन धर मिजमागी इती चोगी बरी जाी दिगी गावरै धाई टाकर बरी हूमी ।

धाफू रो वाप हररो बी नै सामरे भेन'र अळो हूयो जद मूं बी रें चैरे भापे घुदामी द्यावरयो ही । बी मोनण लाग्यो धरै गोमनी रो नवर भागी । पद्यै गुगने नै फेरा दिराया ।

पाछो भेनन मूं सेत बोवणा-त्रोतणा धर धागीरी म्हाळी माय जुटायो । जद वदै खानी बँटे तो धाफूरी घोळू धर गं मती रो चैरो भाग्या भागे चक्कर वाटतो रैवे ।

कुण जाणे धाफूडी सोरो मुली होसां या नई । पूगळ मू समचार भावै जावे जिकै नै पूछतो रैवनां ।

इया मोकळा दिन बीतग्या । धाफूडी रें सासरै वाळा घेकर दो वार ई बीने भेजी हूमी फेरू आपरै घेमे मेलगाय दीवी ।

सगळा रें घ्याव करणे रो सरजाम करता-करता हरखो धकर

ढांचो हुयगयो । पण आखातीज माथें गोमती अर सुगन रा व्याव
मांडर हरखो घणो हरखायो बी सोच्यो वन वनरा काठ भेळा
हुयोडो हे पतोनी वियां संसार सागर सूं वेडो पार लंवासी ।

उदास-उदास चैरो हुयोडो हरखें ने वभी बरस बीतग्या हा ।
पण अबकें बीमार पड्यो तो पाछो ठीक हुयोई कोनी । हरखो
सुरग सिधारग्यो ।

ई वेळा धाफूडी हाजर कोनी ही । बी बापू रे मरणे रा
समंचार सुणया तो फूट-फूटकर रोवण लागी अर चेता चूक होयगी ।
होस मे आयी जद सासरें वाळा बीने बी रें पीरें कोनी भेजो ।

हरखें रे मरणे सूं धाफूडी रो मा ने भी धक्को लाग्यो । बी
माचो भाल्यो पछे उठी कोनी । सगळो सुरग सो गाव बांरो वास्तें
भैसाण मारें उठीने सुगन रा हलि माडा हुयग्या । पाछले दो बरसां
सूं अकारां काली छैया धीणें नें आपरें सागें लपेटे मे से लीनो ।
गायां-भैस्यां अर ऊंट कई कोनी रैया । कई तो चारे अर पाणी विण
घरग्या अर कईयों ने बेचर आपरे पेट ने पाळणो काम करयो ।

बिणगी धाफूडी रे टाबर-टीगर हुवण लाग्या । पण अकाळ
विण नें फोडा घालरयो हो ।

सुगने रे कंवणे सूं धाफूडी टाबर-टीगरा सागें कई बरसां-पाछे
गांव आयी । अबे गांवरो कोजा हवाल देखर वा अबभं भें पडगी ।

कठे तो फूटरो वस्योडो गांव जठें राम-रमतो हो अर कठे काळ
सूं कुटीज्योडो गांव । दिन-रात रो आंतरो ।

धाफूडी घणो सोरी रेयोडी ही । दोरा दिन जाबक ई देख्या
कोनी हा । पण अबकें वाळें विजें सूं बी रें फडके रो बीमारी लागली ।

जिन्की गल जोर भूँ अंधड़ बाजणो सह ह्यो, घापड़ी रो नाम भी भूँको बघपनागयो हो। घापड़ी भाचै माथै पड़ी टसकरयी ही बीरी घ.भ्या म.य भूँ भामूँ ढळक रया है।

अघागे रात रा बीरे टमकणै नै मुण'र पडोमण बूही दादो घायी। बी देख्यो - "भा बाई बान है ? कुण टमकै है ? अमे अघार देखे है तो भा है घापड़ी। होव भी हेतो मारयो, अरे घापड़ी बाई ह्य यो, बेटी अरै डाल नै। पण घापड़ी मुण मकै है, पण उचळो बीनी दिनीजै।"

होवगी घापड़ी रै मरै बैठ जावै अर धीमे धीमे बीने-अर बीरे माथै ऊपर हाथ फेरे अर भैवे. बा भगवान बाई हो अर बाई होपायो ? मरै जिण बिध रामे राम तिण बिध रैदंरै।' घापड़ी रो पडवो होवनी रै माह कोह गु टीक हुवण मग रयो हो। पण अो अरह अर मवार फेरु अवान रा मवण बजारयो है।

बड़ी मां

परिवार बड़ो हुवा चाबे छोटो । दाठीक लुगाया बी नै मंभाळ सकै । केवत हँ केँ टावरिया जे घर बसै तो बाबो बुढडो क्यू लावै । अबार री छोर्या छड्या नै जो मऊर कोनी आवै । चटक-भटक घर फैशन परस्नी सूँ ई लुगाया नै पुरसत मिळै कोनी । घेरु कमाऊ घर सैस खाऊ । जे सगळा कमावै तो ई ऊपर ले पातो आवे कोनी । दो दसाना माथै रा माथै ।

मोटे परिवार री घणियाणी बडी मा न्यारी निरवाळी मभाव वाली । परिवार म छोटो मोटा तीम मंग्वर । घर म बीनण्या री कमी कोनी पण टावरा री मावळ रिछसाळ करै बडी मा । सगळा टावर बी-रै हेडै । ट वरा ने पडसे-टके री जरूरत कोनी हुवै जितो हिवडै री । बोली मोठी मिमली मिरखी । पोना-पोत्या अर बीनण्या बडी मा रै हेडै । उठणो-रैठणो, खावणो-पीवणो, चीज-वमत री ध्यान जितो बडी मा राखती उतलो कनेई नई हो । बा सगळा री पिरकत नै जाणती । बाबो तो दाबो ई हो । छेवट कमावणै रै पाछै दूजो काम-काज कई कोनी करतो । घर जाणै अर अर पर घणियाणी जाणै । चिन्ता-फिकर सूँ कोसां दूर ।

देवर-बिराण्या, टावर-टीगरां री सगळो जिम्मो जाणै बडी मा

माथे हूवनी ।

बड़ी मां जैठी । पानी भंवरियो बी रै मनै बँठो हो । यो प्राप
रो मां मू रियागो हूयोडो हो । मां री चुगत्यां बड़ी मां नै करै ।

भारियो बँवे-“बड़ी मा ! धां वार्द म्हारै माथे बटकिया पडै ।
धाम्या निवाडै । बदेई दूध प वी नी तो बदेई चाय ई पावै तो धोवडो
पडापोडो राखै ।”

बड़ी मा उषळो देवे-“नई बेटा ! धारी वार्द काम-नाज करनी
रैवे नी, जद धनै काम हाया ई करणो चईजे ।” फेरु रीगा
बोनी बँठै ।

“हूँ बेगो उहूँ, हूच गाड , चाय रो पाणी चून्हे माथे चढावँ
तो ई गुम्मे रैवे ।”

“नई बेटा ! जद मू धारो काम करे जद वा रीमो बसू बळै ।”

“बड़ी-मा ! म्हारी ममभू मू वार है, मनै गुम्मे रो कागण
पनो ई बोनी लागे ।

“खैर बेटा ! धवार धूँ धै विस्कुट खायलै धर मू डो गाफ
वर'र केग मंधार'र इस्कूल जा परो, धारी वार्द नै हू ममभाय
देसूँ ।”

भंवरियो राजी हूयायो । वै विस्कुट खाया धर पट्टा चाय'र
इस्कूल टुर वहीर हूयो ।

बड़ी मा भंवरिये री वार्द खानी गयो । बा मुटकी धर भंवरिये
री वार्द ने पूछयो-“बसूँ लिछयो ! भंवरियो भाव रे लागोडो
मिळयो है वार्द ? धूँ बो रे माथे बसूँ गुम्मे हूवे ?

“बो मनै उपवावे धरणी, बड़ी मा ।”

“काई उफतायै ?”

बो काम काज कोनी करै, रमतो-बेलतो रैवे । पढए रा नांव ई कोनी लैवे । छोटे-छोटे टावरं सागै गळी मांय भटकतो रैवे ।”

“टावर तो टावर सागै ई खेलसी, माइंतां सागै थोड़ो ई खेलै ?”

बस बड़ी मा ! थारो सै'मूं टावर लाडलो हुय'र फीगर जासी ।”

“देख लिछमी ! भंवरियो अंवार सीधो-साधो इस्कूल गयो । जद हू थानै कंबू । टावर मायै अकुश तो राखणो, पण हेत-व्यो'बार माय कमी नी लावणी । टावर हेज मूं पळै । रिसां बळनै मूं नई ।”

“इस्कूल मूं पाछो आवै जद लाड कोड करै । चू'टियै रो चूरमो बणाय'र राख भेले । बी नै प्रेम मूं परोसे । बो थारो सगळो काम-काज कर लै'सी ।”

“ठीक बड़ी मा । थै कौलो जूं कहला ।”

इस्कूल री छुट्टी हुयंगी । भंवरियो बड़ी मा खानी दौड़ता-दौड़ता आयो । बस्तो राख भेल्यो । बड़ी मा मुळकी । बी कयो-“देख भंवरिया ! आज मूं थारी बाई थारा लाड-कोड करसी, थूं ई” । बाई रो काम-काज फटाफट कर देवै । पछै रमण नै जाये । इस्कूल री खोटल ना करै लाडी !

भंवरियो बड़ी मां री बातें सुण'र, बाई खानी जावे । बाई मुलकै । बी रा लाड करै । बी नै चू'टियै रो चूरमो जीमावै । मीठी बोलै । जद भंवरियो राजी । बो नित हमेस बाई रो काम हळको करै अर इस्कूल री खोटल कोनी करै ।

बड़ी माँ रं नीन देवर घर नीन ई दिराण्यां। दो देवरिया
 षोगो बमावे घर नीजोडो माठो माडो। कमाऊ देवरा री दिराण्या
 बपहे-मने, ग्यावगु पीवगु घर पैरगु घोडणु माय मरु। बा री
 मरुरो ई न्यारो।

तीजोडे देवर री वऊ घोमगो-दूमगु रैवे। वी रं मगली बाना
 री बमी रैवे। वी री चं'रो पीनगो पडती जावै। वी री डीन भेजडी
 ताई दीमगु लागै। दूजी जेठण्यां रं शरीर माय जागै माख्या
 निमळे। एण बा बार्ई करै ? धीद रं मू ई गळ्या पडै जद जानी
 बया करे माटो-माटो बमावे जिकै री धिराणी री भा ईं दुरगत
 हवै। बडी मां री ध्यान तीजोडी दिराणी मीलूडी खानी गयो।
 मीलूडी रं डीन नै भेजडी ताई गूमनी देख'र बडी मा रं मन न बई
 धाकी बीनी रैयी।

बडी मा मीलूडी रं बमरे गानी गयो। मीलूडी नै हेलो
 मार्यो।

मीलूडी बडी मा री भवाज मूण'र वारे धायी।

मीलूडी ने देखर बडी मा कयो-"मीलूडी ! धने काई सोच
 है ? पीनरी पडगी है, मोरुळियं ज्यू मूंडो मूखग्यो है-बतावतो
 सरी।"

"नई बडी मा ! काई दुख बोती। थारो देवर पी मजूरी करै
 सो की सोरप आवे।

"इये री धने काई सोच ?"

"सोच तो हया ईं सरे"—बडी माँ। म्हारी जेठण्यां
 सोरी खाने-पीवे, पूटरा कपडा-लत्ता पँरे, मौज मनावै घर हूं थारै

“बाई उगाई ?”

यो काम काज कोनी करे, रमको-गेमको रवे । पत्रगु री नांव हं कोनी मरे । छोटे-छोटे टावरगं मागे गळी माय भटवको रवे ।”

“टावर तो टावर मागे हं गेमको, माईतां मागे घोद्यो हं मेसं ?”

यग यही मा ! धारी मैंगू टावर लाडलो हुय'र फीगर जागी ।”

“देग निरुमी ! भंवरियो धवार तीधो-माधो इस्कूल गयो । जद हं घाने बंधू । टावर मायें धनुन तो रागको, पण हेत-ध्यो'बार माय कर्मी नी लायणी । टावर हेज गूं पडे । रिमा बळने गूं नई ।”

“इस्कूल गूं पाछो घायें जद लाड बोड करे । चूटिये रो चुरमो बाणाय'र रास मेस । बी नै प्रेम गूं परोमे । यो धारो सगळो काम-काज कर लै'ती ।”

“ठीक बडी मा । पै कियोला गूं करुंसा ।”

इस्कूल री छुट्टी हुयंगी । भंवरियो बडी मा खानी दौड़ता-दौड़ता घयो । बस्तो रास मेल्यो । बडी मा मुळकी । बी कियो-“देख भवरिया ! भाज गूं धारी बाई धारा लाड-कोड करसी, घूं ई” । बाई रो काम-कार फंटाफट कर देव । पछे रमण नं जाये । इस्कूल री खोटल ना करे लाडी !

भंवरियो बडी मा री बात सुण'र बाई खानी जावे । बाई मुलके । बी रा लाड करे । बी नै चूटिये रो चुरमो जीमावै । मीडी बोले । जद भंवरियो राजी । बो'नित हमेस बाई री काम हळको करे भर इस्कूल री खोटल कोनी करे ।

बड़ी माँ रँ तीन देवर भर तीन ईँ दिराण्यां । दो देवरिया
 घोखो कमावँ भर तीजोडो माठो माडो । कमाऊ देवरा री दिराण्यां
 कपडे—लते, खावण पीवण भर पैरण धोडण माय मस्त । बां री
 नखरो ईँ न्यारो ।

तीजोडे देवर री वऊ धोमणी—दूमण रँवे । बी रँ मगळी बानां
 री कमी रँवे । बी री चँरो पीनरो पडतो जावँ । बी री डोल खेजडी
 ताई दीमण लागँ । दूजी जेठाण्या रँ शरीर मायँ जागँ माहया
 निमळै । पण बा काई करे ? बीद रँ मूँई राळ्या पडँ जद जानी
 क्या करे माडो—माठो कमावँ जिके री धिराणी री धा ईँ दुरगत
 हुवँ । बही मा री ध्यान तीजोडी दिराणी सीलूडी खानी गयो ।
 सीलूडी रँ डोल नँ खेजडी ताई मूँयनी देखँर बही मा रँ मन न बई
 बाकी बीनी रँयो ।

बही मा सीलूडो रँ कमरे खानी गयो । सीलूडी नँ हेनो
 माग्यो ।

सीलूडी बही मा री धवाज मूण'र बारै धायी ।

सीलूडी ने देखर बही मा बँयो—“सीलूडी ! धने बाईँ सोष
 है ? पीलरी पडगी है, मोकळियँ ग्पू मूँ डो गूखग्यो है—बनावतो
 सरी ।”

“नई बही माँ ! बईँ दुग्य बीनी । धारो देवर बी मङ्गरो करे
 सो बी सोरप धावे ।

“दुयँ री धने बाईँ सोष ?”

“सोष तो ह्या ईँ सरे”—बही माँ—“..... । धारो जेठाण्या
 सोरी-खारँ—नीवे, पृटरा कपडा-भरता पँरे, भीत्र भनावँ भर हँ धारँ

“बाई उगताये ?”

बो बाम बाज कोनी करे, रमनो-नेननो रवे । पदए रो नांव हं बोनी मैने । छोटे-दोटे टावरों मागे गळी मांय भटवतो रवे ।”

“टावर तो टावर मागे हं गेलनी, माईता सागे थोडो हं गेने ?”

यस बड़ी मा ! धारी मै'मूं टावर लाडलो हुय'र फीगर जामी ।”

“देम लिछमी ! भंवरियो घवार सीधो-साधो इस्कूल गयो । जद हू पाने कंबूं । टावर माये भकुश तो राखणो, पण हेत-व्यो'वार माय कमी नी लावणी । टावर हेज सूं पळें । रिमां बळनें सू नई ।”

“इस्कूल सूं पाछो भावे जद लाड कोड करे । चूटिये रो चूरमो वणाय'र राख मेले । बी नै प्रेम सूं परोसे । बो धारो सगळो काम-काज कर लै'सी ।”

“ठीक बडी मां । ये कैवोला जूं करू'ता ।”

इस्कूल री छुट्टी हुयणी । भंवरियो बड़ी मा खानी दौडता-दौडता आयो । वस्तो राख मेल्यो । बड़ी मा मुळकी । बी कैयो-“देख भवरिया ! आज सूं धारी बाई धारा लाड-कोड करसी, थूं ई” । बाई रो काम-काज फटाफट कर देवे । पछे रमण नै जाये । इस्कूल री खोटल ना करे लाडी !

भंवरियो बड़ी मां री बात सुण'र बाई खानी जावे । बाई मुलके । बी रा लाड करे । बी नै चूटिये रो चूरमो जीमावे । मीठी बोलै । जद भंवरियो राजी । बो नित हमेस बाई री काम हळको करे घर इस्कूल री खोटल कोनी करे ।

बड़ी माँ रँ तीन देवर घर तीन ई दिराण्यां। दो देवरिया
 घोंगो बमावँ घर तीजोडो माडो माडो। कमाऊ देवरा री दिराण्या
 बपडे—नने, गायण पीवण घर पैरण घोडण भाय मस्त। बा री
 नखरो ई न्यारो।

तीजोडे देवर री बऊ घोमणी—दूमण रँवे। बी रँ मगळी बाना
 री बमी रँवे। बी री बँगे पीनरी पटनो जावँ। बी री डीन खेजडी
 ताई टीगण लागँ। दूजी जेठण्या रँ शरीर भायँ जागँ माख्या
 निमळें। पण वा बाई करँ ? बीद रँ मू डें राळ्या पडँ चद जानी
 क्या करे माडो—माडो बमावँ शिकँ री धिराणी री आ ईं दुरगत
 हूवँ। बडी मा री ध्यान तीजोडी दिराणी सीलूडी खानी गयो।
 सीलूडी रँ डील नै खेजडी ताई भूखनी देखँर बडी मा रँ मन न कई
 धाकी बीनी रँयो।

बडी मा सीलूडी रँ बमरे खानी गयी। सीलूडी नै हेनो
 मार्यो।

सीलूडी बडी मा री भवाज मूण'र वारँ भायी।

सीलूडी ने देखर बडी मा बँयो—“सीलूडी ! यनँ काई सोच
 है ? पीनरी पडगी है, मोकळिये ग्यु मूंडो मूखण्यो है—बतावतो
 सरी।”

“नई बडी मा ! कई दु ख बीनी। थारो देवर बी मजूरी करँ
 तो बी सोरप भावे।

“हयँ री यनँ काई सोच ?”

“सोच तो हुया ईं सरे”—बडी माँ.....। म्हारी जेठण्यां
 सोरी खावँ—मीवे, फूटरा बपडा—नत्ता पैरे, मौज मनावँ घर हँ शरँ

सा नै दोरप भोगूँ—पछै काई मूख मिळै-टावर-टीगर नै दूध-विस्कुट तो दूर रैया, सूखीं रोटी घलण री सांसो पड़ण सगरियो है-आहिय'र अहना मू आमूडा टळकावै ।

बडी मा बी नै थ्यावस बंधावती कैवे—'देख सीलूडी सगळा दिन सीसा कोनी हुवै, अवारै रै पाछै च्यानणो हुवै इंज । थनै चि ना मू' डीन नई गालणो चाईजे । म्हारै होवतै थवा थनै बोझी चिन्ता-फिकर नई हुय सकै ।'

सीलूडी बडी मा री सनेव देखता मन न राजी हुवै पण आह्या मू' चौनारा बंधावै ।

बडी मा मू' बी री दुख कोनी देखीजे । वा सीलूडी रै माथे ऊपर हाथ फेरे । वा नै धीरज बंधावै । इनै माय सीलूडी रा छोटा अर छोटा वारै मू' रमता-खेलता आवै । बडी मा ने देख'र सगळा टावर लटू व जावै । बडी मा आपरी घोती रै पलने मू' बई न कइ खावण री जिनस छोरा-छोरी नै देवै । जावनी वेळा पच्चास रुपिया सीलूडी ने देवै अर कैवे—'मू' इयै री दूध पी लेवे । रुपिया खुट जावै जद मनै होले सीक इसारो कर देवे ।'

'ठीक बडी मा । म्हारी तो जेठाणी समझो अर मां समझो थै इंज हो । म्हे की ने कौवू' अर कुण सुणै ? बडी मा आपरै कमरै खानी पाछी जावे ।

मिळया पडी सीलूडी री बीद आयो । सीलूडी बी नै बडी मां री हेत-ज्यो'वार जनायो । बडी मा दूध खातर पच्चास रुपिया दिराया । लाड-मोड दरसायो । अ' वान सीलूडी रै घणी मुण्णी । मन न हरमायो । सोव्यो कै आ बडी भोजायी नई आ तो मां री ई

दूजी सम्प है ।

मीलुडी री धणी घोडी देर आराम करे अर फेर दडी मां खानी जावे । वडी मा रै चै'रे माधे मुञ्ज वधे । वा छोटीई देवर ने खने बिठावे । खुद रै बमरे माय मूं दो लाइ अर घोडा मी'क भुजिया वी रै नामे राख मेने । भोजायी रै हाथ मूं दियोई लाइ-भुजिया ने दो सनेव मूं ख वै । ठई पाणी नी नो.टो लाय'र गवै । वो पानी पीवे । भोजायी केव-देखो देवर जी । हू आज मीलुडी खानी गयी हो । वा मूख'र खेजडी हुवती जारैया । हू - धाने वी नी टेव-चावरी रावणी चाईजे ।

“हाँ भोजायी । ये ठीक कैवो, पण म्हारे मूं बगै जिनी मनूरी हू बम् अर वा घर न लाय राखू -पेर देव' बटेई चांगो नौररी मिळ जावे तो भाग री बात ।

“भाग तो उदै हूसी, पण पुरमारथ बरणी मिनस री करज हूई—देवर जी ।

“धां नी बैवणो मी टेवका सावो है” अर म्हारी मैनन में बसर बोनी-भोजायी, पण भाग आई पापर पउयोरो है—ओ बैव'र देवर गभीर हूय जावे ।”

वडी मा बाग ने मुळक'र घागे दधावे अर देवर ने नी नन री पळी मीटो पळन री घारीम दिरावे । जद देवर हयात्त बरतो दुटो खहीर हूवे वी बरत वडी मा आपरै बमरे माय मूं घेव घोनी दोटो देवर नामर अर घेव बधिया मूं दडी दिराणां गी.सू.री खानर दिराव ।

देवर वडो भोजायी रै हेनु मूं मन न बिनरो राभी हूई-या बीरी घन ई जाणु । वो मोवै वं भा बडी भोजायी हं नई है, देवट

माँ रो मरुप ट द्यर माँय लगीरि ।

सीलूड़ी वारनँ भिजचार्योही चुनड़ी भर धणी रँ कपड़ा देखती
पाण बी रो हिरदे कंबळ नि जाँर । वा बडी माँ रो चाकरी इयाँ
करँ जाणुँ बी रो जलम देचळि माँ हुँर ।

सीलूड़ी रो धणी घर रँ माँचलियँ माँ मूर्तो-भूर्तो कइं घडे
भर कइं भागँ । कदेईं अणमणो भर कदेईं चैरे माँयँ मुळक वयँ ।
केरु कमर कसीर कमायँ ग रो निरगुँ ले लेवे । सीलूड़ी रा भाग
सँते । धणी नित हमेम मजूरी करँ भर सीलूड़ी नँ हपिया देवे ।
वा हपियाँ नँ भेळा करे । मीके-टोके बडी माँ नँ ईं कइं न कइं
सीलूड़ी रो धणी सायँर देयँ । बडी माँ वॉन राजी हुवे ।

मुवाड पणिघार सीरु छेकडला कमाऊ देवर ईं बडी माँ रो
धणो आदर करँ । देवराण्याँ छोटी-सोटी वाम-काज बडी माँ नँ
पूछया विण बीनी करँ ।

बीमारी-सोमारी माँ बडी माँ ईं आडी आवँ । अक दफँ बडी
नँ देवर-रो छोरो निमूनीया दुतार माँय जकडीजग्यो । बी नँ रात-
रात भर नीद कोनी आवँ । दिराणी अणमणो हुय जावे । वा बडी
माँ नँ गोद माय बिडावे । पखँ मूँ हवा करँ । दवा-दाहू मिसळायँर
पावँ । छोरी बडी माँ रो गोदी माँय नीद ले लेवे । बडी माँ देवराणी
नँ आश्व मे बट्ट लेवण रो कँवे । भर खुद आपी रात जागती रँवे
इयाँ दो-तीन रात्याँ बीतगी । पण बडी माँ छोरे ने छोडे नी । छेवट
बी रो खुखार ठीक होयग्यो भर विण दूध-बिस्कुट लेवणो सरु कर्यो
जदेईं बडी माँ आप रँ कमरे खानी गयो ।

कमरे माँय बडता पाण ईं वाबँ पूछ्यो-टावर रँ कियाँ है ?

“घने ठीक है”

“धूँ बट्टे ई भेयगी ।”

“हाँ — मा !

“बपू !”

“बडोडे देवर देवर जी रो छोगे निमूनिया बुवार मे हो ।
रि जावना ई म्हारी मोर्दा माय भायगी । म्हें दवा-दारु दिरायी ।
रो मोद न मोदग्यो । “घब ठीक है जद हूँ भायो ।

बाबो बोल्हो—“देगलो ! टावरिया गळ्ळा ई म्हारें खने रेंवे ।
कून जावे । भुं-गुर्ग । पर रो काम धधो करे । पछे वा रो
वट्या नै कादं चाइजे ?

बाबो पूछे—“छोटोडे देवर जी रा कांई हाल है ? काई कमावे
जावे या वी रा टावर-टीगर दोरप भोगे ?

बडी मा उयनो दिरावै—“छोटोडा देवर जी झालें दिन मजूरी
रै । मै'नत मूँ रोजाना पईमा कमावै । दिराणो अर टावर-टीगरा
साड-कोड करे । घबै बै भाग परोसे कोनी जीवे । वा नै भाप रै
जबल माथे बिस्वाम ।

बाबो बँवे—“खोगो, जीव मोरो । मै'नत माय फायदो ।” इतरै
माय छोटोडे देवर बडी मा खने भावै । वो बडी मा ने पाच सौ
पिया देवै । बडी मा वी रै रुपिया नै भाप रै; तिजोरी माय रावे ।

छोटोडे देवर मोवनियो बडे भाषी ने देवै अर बाँ नजीक
माय'र बैठ जावै । बडोडे भाषी, वीरा हाल-जाल पूछे । मोवनियो
मापरी कमायो रो हाल-चाल बतावे अर फँवे है भाषी जो । म्हारी
गह्या बडी मा खोल दीवो । मने ग्यान दिरायो । म्ह वा रो कैवणो

मान'र मजूरी मरु कर दी वी । अत्र सी काई ठीक है ।

बडो भाभी कँवे—“मोहन ! मैंत अर मजूरी न ठाकुर जी री वामो हूँ । चू च देवे जिको ठाकुर जी चुगो देवे ई ।”

इस'र री छुट्टी हुवे जद सगळा टावरिया धरै आवे । आप-आपरा वस्त्रा राख'र सीधा बडी मा रै कमरे खानी आय जावे । बडी मां मुळकै । टावरा ने दिगपण मारु बडी मा अल्मारी खोजे । कँने ई टॉकी, कँने ई भुजिया अर कँनेई केळा बांटे । सगळा टावर घोघारियो माड'र वैठ जावे ।

बाबो मन ई मन हरखीजे । वा री कंबळ-कंबळ खिलै । ई मांय देवर-देराण्या ई बडीने आय जावे । सगळा देवर बडोड भाभी खने वैठे अर देराण्या बडी मा खने ।

बडी मा बाब्या रा गुलछर्रा लगावे । कदेहं-कदेहं नीति अर भ्यान री बात्या मुणावे । सगळो परिवार बडी मा री भीठी बोली लाड कोड अर चौध सभाव सूं घुत्योडो-मित्योडो रवे । बडी मा सगळा रै दुख सुख री मुगनवाला अर नीति सगत सल्ला देवण वाली हुवे ।

थोड़ी दे'र मांय दूजोडी दिराणी लिछमी री बँटो भवरियो आवै । वो कँवे—“बडी मा । अर लिछमी म्हारो लाड करण लागी ।

बडी मा अर लिछमी दोनू मुळकै ।

गुरु परखादी

प्रोफेसर रामशरण जी लोक धीरे सभाव रा हा । तीन विमं
 रा गय ना मस्तुत, हिन्दे धर सभे जी रा धुं इर पडित । कलिज
 मे सगळो मू वर्धक ध्यान राखण घाळा । ते न मू पतळा घांचे-
 मिरग्या । रंग गोरो गट्ट । पोसाक धोळी खादी री धोती अर धोती
 हे कुरतो । पग मे गोखपुरी पगखी । धरग्या मागे तममां पतळी
 डाई, गी । दूर मू खावना उम्या लागता जाणुं ह्या रं हाचं माथे
 धोळी चमडी ओढायोडी हुवे । मू डे माथे मुळक वधयोडी रेंवती ।
 साईगा प्रोफेसर घणा कौमनी कपडा पेंरता । पग वारी मादगी
 रें मांमै भगळा पाणी भरता ।

कलिज न खावना जद आप आळी पुराणी सायकिल जिफी
 सगळें रणे भाय धरंरटाचु वरता बा री वर्तन करायती रेंवती ।
 छोरा-छोरी वाने घणो खादर सत्कार देवना-दिरावता ।

बडी कॉलिज मे छोरा-छोरी उछाद्यलया करता । वदेई
 प्रिंसिपल सामे मडता तो वदेई पुस्तकालयाध्यक्ष मू भवबेडो देवता ।
 वदेई आपस परी भाय राड मचावता तो वदेई बारें मू बनेडो खडो
 कर लेंवता । वदेई नुवा अध्यापका मू छेष्ट कुधरणी करता तो वदेई

नाथ री चरवा लेय'र हुडदंग मचावना ।

पण जद बदेई प्रोफेसर रामशरण जी आवतां तो सगळो
छोरा-छोरीं माथो भुवाय र खडा हुय जावतां । सगळो वखेडो कैय
ई नई सलट तो जद प्रो० सा'ब दोनू' पार्टीयो ने वृत्ताय नै
जीपो करावना । फँरू कॉलेज में सांयती हुय जावती ।

प्रो० सा'ब टावरा मू' घणो सँव राखता । खुद बदेई
लास बोनी छोडता । वारी विलास माय पढणनै छोरा तरसता ।
रो ग्यान समदर री गै'राई री तरै हुवतो । हरेक विसं माथे
रो पूरो इधवारो ।

वारी खबी आ ही कै वै छोरा नै पढावता अर वा नै मोक्ळी
ध्या पढण सारू पुस्तकालय मू' दिरावता । खुद आज रै
फेसरा री तरै ना तो चुल-बुला हा । अर ना बां नै द्यूशन-
सण रो लोभ । कोरो लोभ ई वात रो हो कै वारा पढायोडा
रा-छोरी खूव ग्यानी हुव अर चोखा-चोखा नम्बर लावे ।

खुद रै घरै प्रो० सा'ब घणखरो वखत पोध्या पढण अर बी
नोटस वणावण सारू बीतावता । पढावण रो वा नै सोख ई हो ।
सा'ब रै घरमाय लुगायी घणी पढी लिखी बोनी ही, पण खुद
टावरा नै पढावण सारू मँनत करती । घर गिरस्ती रो काम-
ज ई मोक्ळो हुवै, पण पढाई-लित्रायो रो महत्व वा भाधी
रयां जाणती ।

प्रो० सा'ब रै अक छोरी ही । दोनू ई पढण माय हुसियार ।
सा'ब रात री ब्रेळा में बाने पढावता रँवता । दोनू ई छोरा-
री फस्ट डिबीजण मू' पास हुवता ।

बौनेज रै चैला मंडली रा वीत भा छोरा जगै-जगै अधिवारी
 बग या । वारी गरेधा प्रो० मा'ब गारु घणी रेवरी । प्रो सा'ब
 धारै बौनेज भाय घणे गनेव मू बनलावता वीं रो दुग दरद
 पृथता । जि वा घमजे र समाज मूं भवता वारी फीस माफ करावता
 घर पुस्तकालय मूं धारै पोथ्या दिरावता । मार्गै-मार्गै पढाणी-निखायो
 रै मुजब निर्ग दाम्नी करता रैवता । केई-केई छोरा रो भोलावण
 पूजे प्रोफेतरा नै ई दिरावण गारु प्रयाम करता ।

सभाव रा उदार घर हिरदै मू कवळी हुवण रै बाग्ग दो-
 तीन छोरा वा रै मूठे लाग्या । घेक छोरो रमाका त तो बोल ई
 चट घर चलबाज । दम-बीस छोरा वी रै मार्गै नित-हमेम मूंड
 बग्यायोडा गा रैवता । रमावान्त रै कंवणे मू बाने पुस्तकालय मूं
 पोथ्या प्रो० रामशरण जी दिरावता । वो कदेई-कदेई तो कंई रै
 घाम्ने प्रो० मा'ब इण छोटी-मोटी बारया माधे ध्यान कोनी देवता ।
 इसी ई सभाव री ही प्रो० मा'ब री घरवाली कमला । नाव जिमोई
 मूर घर गुण । हिरदै मू उदार घर भोळी भाळी घर अनुभव मू
 गुणी उड़ीडी । प्रो० मा'ब रै सभाव नै वा घाछी तरिया जाणनी
 घर वा रै मुजब ई चालती ।

दियाळी-होळी जद कदेई कनिज रै छोरा रो मूठ घर कानी
 आवती तो कमला वा नै मिठाई खवाय विणु पाछी कोनी जावण
 देवनी । घाछे सभाव री छोरा प्रो० मा'ब घर वा री लुगायी री
 भोकळी बटाई करता । वा रो आदर घर सरधा मू नाव रैवता ।

रमावान्त कमला रै ही मूठे लाग्यो । मईने में दम-बीस
 ईके तो वारे घठे आवती ईज ।

प्रो० सा'व नै तरनै विश्वविद्यालय सारू भाषण-माला रो नूना मिलतो, जद रमाकान्त वानै ठेसण पूगादतो अर घर रा दो-चार काम-काज ई सज्जटाय देवतो ।

प्रोफेसर सा'व री घरवातो अेक दिन रमाकान्त ने पूछयो-
रमाकान्त धू बुगसी निलास मे पडे हे ? वो बोल्यो:-माताजी, हू
सोळवी मे एडू ।

“धा रै काई विसै लियोडो हे ?

“म्हारै हिन्दी लियोडी हे ।”

धू अगे काई “पडैला ?”

म्हे पे. एच. डी करणी चावू ”

“करै अन्टर मे करैला ?”

“जटै प्रो० सा'व वता मी ।”

प्रो० सा'व पुद बीनी करा सके ?

कपू नई, वा री म्हारै माथे भैरवानो हे ।

धू चाधो तो म्हे धारी भोळायण दे दू ।

“माताजी, नेवी घर पूछ-पूछ'र ।”

तो ठीक, अयार धूं घरे जाय'र आराम करमे ।

“जावू' माताजी, आप री आभ्या । म्हारै जोग बीघी काम-
काज हूई-भोळायिा धवम ।

धा बीय'र रमाकान्त घर गु वारै जावै । कनिज रे मत्रीक
धी रो घर । भायजो री मडली वीनै उधारे । अेर भायजो
बोल्यो-आभयो रमाकान्त घर मगजो बी ने धेर लियो । मगजो
आदम परी मे हथाया करे । कदेई पडणरी वावरी घर कदेई गिनमा
री पिन्ना री ।

बी मांय मूं धेक जगै बँयो-रमाकान्त । म्हुनै हिन्दी रै पांचे
 र रो पोध्या बोनी मिळी ? यू प्रो. मा'ब ने म्हागे मिफागि
 र देवे तो पोध्यां मिळ जावै । बो पडूनर देवे-रू नई, प्रो. माब
 आवण दे । जरूर दिरामूं । छोरा बान्ने वै धाधी गन रा थ्यार
 ।

भा बँय'र पाछी दूजो-गल्प-गणप मगावणी म्हा करदे । केई
 माब रै गुग्गा भायै, केई वारै ध्यान मारै केई वारी उदाग्ना
 पाछी बन्वाण करै । केई कैवे कै इन्धा देवता कम ई मिळै जिवा
 री नै घणै हेन मूं पठावे । खुद रो जेव मू वा रो फे म भरे ।
 ध्या दिरावै धर जद छोरा घा मिळग नै जावै नो पाद-नागो
 न्या बिण पाछा बोनी जायण दे ।

रमाकान्त कैवे-भई गुग्गी मगळा नै घावै टाबरा टाई
 मभै । छोरा रो लाड-बोड करै । प्रेम धर मनक मू बीन धर
 तळावै ।

ह्या ह्याया करता पर्णा बगन दीनगी । मगळा छोरा घा-
 प रै धरै टुर घहीन ह्या ।

प्रोफेसर रामकृष्ण जी केई दिना पाई वारै मू घाया । मगळा
 नेम कृष्ण पूछी । फेरु बँजिज नै बगन वटै पूछ्या । एड बानो
 र सिवावणो प्रो. मा'ब रो रोज रो फरज । घणवण छोरा बा नै
 ई पी एच. डी. कर'र निगार या । ऐबट रमाकान्त रो नम्बर ई
 री जोशयन रै बँवणे मू घाय्यो । बी रै मोटबी बगना रै रजि-
 न्त ह्ययो । तीन साल माय बिण घापर्णा डिदगी म्हा दिवता
 तीबी । रमाकान्त डिदी मेबणे रै पाई गुग्गी धर वा रो जोश-

यन श्री आजीम देवण मरु घायो घर फेरुं घाय रें गांव रब नें
हृयग्यो ।

घोडा दिना पालें वो भो कठई कतिज माव नीहर सागयो ।
प्रो. सांब घा मवर गुणी जद दानें यदो घायुंद घायो ।

प्रोवेसर सांब री रिटापरमेट नजीक । घोडाई मरिना बाधी
हा । रें आगरी वेगन रा कागद एगार करबाय रेंदा हा । गोप्यो
रिटापरमेट रें पालें मांबळो मर्म पडण विशण माव बीनागू ।
पर्सो-टबरो ई टीक-डाव मिळजामी । घर रा एगो-सोरो मू घन-
गुणयो- घर वा रें नोहरु वा ई सागली । ऐरट वेगन रें कतिज मू
दोय बीवा री घायो पेट मगीरतो रेंगी । जोरगो रिनीई गोवणो ।
पारसा 'म' गुमी रेंगी । ना ऊधो भोवेगो घर ना मायो री दे'सो ।

घा मोरें प्रो सांब मुद रें कागत्रा नें टीक-डाव एगार मा
साग जावें ।

वें घबानक दुग्धकाणय माव जावें । गुणबाकपायस वो नें
गोप्या री निरट पचदाय देवें घर केंद-प्रो सांब घायुं तावें एगार
जावें मु हलो गोप्या बाधी निजयें । प्रो सांब निरट देवें घर मुद
रो कसरो उं'बो-जो'सो करे । वो गोप्या मोरटा एगार नें दिवारी ।
पल केंदई पालें बोरी जमा करायी । घरें प्रो सांब मोव न
पदप्या । वो रमा-बा-न नें पार करयो । वो नें घेव कागद निरटो
त्रिकें माव गोप्या रो कडो निरट मेणयो । उपटो पालें घायो बोरी ।
रिटापरमे-ट रो सादी दिज घाययो । पल गोप्या पालें बोरी निर
नको । गोप्या री पालन बोमन दल हसार कतिज रें घडें-मडें ई ।
प्रो सांब निरट-निवा एगार नें प्रकण हा । वो नें कागद पल

निम्नो । पण विणो शे उचलो नई मित्यो । छेवट डा रमाकान्त
 रो कागद प्रो० मा'व खने घायो । बिणु निम्नो-गुन्जी मोकळा
 बरम बीतग्या । छोरा पुस्तकालय माय पोथ्यो जमा कोनी करायो
 घा मुणर मनै घणो दुःख ह्यो । घबै म्है तो कई छोरा रो पतो-
 टिकाणो जाणूं ई कोनी । कियो पतो नगा मक् ? पणु घाप म्हागे
 जीवणु घणावण माणु जिबो मनैव दियो-दिरायो बी नै कदेई नई
 घुलाय मक् । दम हजार रो कीमत बोत ज्यादा ह्वै । घाप रो
 गुन्-बरमादी मू छोरा घापनै कदेई कोनी भूल मनै । ह घबर काम-
 बाज माय म्भव रैवू । ममै मिलतासाण ई घाप रो मेवा माणु
 हाजर ह्य जाणू । म्हारे जोग मेवा ह्वै निम्नो । कागद शे
 उचळो दिरामो । प्रो० मा'व ओ कागद पढ'र मन-नाय मोरै ते
 सोग छेवट गुरपग्मादी हाफेई नै लैवी ।

प्रो० मा'व रो प्रेच्छूटी घर वेगशन माय मू दम हजार म्भिया
 बाटी'जर राज रै खजाने मे घुग जावै घर छोरा रै गुर पग्मादी
 हाथ साव जावे ।

प्रोफेसर मा'व घरवाळो खने पुमै घर मगळी कथा बगळवै ।
 पण उदास ह्य जावै । घरवाळो ममभराण ह्वै । हा घब'बक
 दिगवती कवे - चिन्ता-पेकर रो घणो वात बात' रै जाणु। क
 घेक टाबर नै ऊँवी शिक्षा दिगवण शे घर मू र सरब पाःपदो ।
 पेरु होवू घाप रै काम-बाज माय जुट जाई ।

भैम साँब

इंक्वटर अंग्वर हॉटल आगे हययो । चंचला अर बीरो बीइ खैट मूँ हेठै उतरया । अ.गे आगे बीइ अर लारै-लारै ऐइया चट-काबती चंचला हॉटल रै माय । सज्योडी कुरसी टेबल माथे दोनु आयर बैटण लाग रया हा क ईने न उजळी बरदी अर माय साको पर्योडो बेरो लुळलुँर दोना रै सभै सलाम करयो ।

चंचला बोली-मिस्टर, दोध कफ काफी लायो अर एक प्लेट रसमळाई ।

बेरे उधलो दिशयो ' हूँजी अबार सामने हाजर करूँ । "आ करै चरयो जावै ।

चंचला हॉटल रै खुणै-खुणै कानी निजर दीडावै । घण्ट'रा मनघला रौ ध्यान बी रौ पोशाक माथे जावै । चंचला रौ नाव जिगाई'गुण । बधिमा रेशभी साडी परयोडी चिलकती टीकी, ब्लाऊज अर चरे माथे धाँडो-गुलाबी पाउडर, आख्याँ माथे भीणो-भीणो काजळ अर माथे न केश खडायोडा जाणै कोई इन्दर रौ अप्सरा ज्युँ लागरैयो हौ ।

हॉटल रै पंखा री हवा मूँ साड़ी रौ पल्लो हवळै-हवळै उड

रैयी हो। वी मूँ मधनी-मधरी फटूनिषा मेन्ट री खगबू सगळी
होउन माय फेन रैयी ही।

दो-नीन जोडा जिरा होउन माय तफरी नेवण मारू आयोडा
हा-बारो मेवट ध्यान चचना रै मायै आयोडो हो।

चचला री घापरै पतिदेव मूँ धान करण री नगरो इँ निरानो
हो। वान वामू वरँ अर ध्यान दूजायोनी राखे।

इत्तं मे दूजो बग्दी पेशूर योडो बेरी आवे। वो श्रीरे पतिदेव नै
पूदे मा'व, आप हुकम करो कई मेवा मे पेश करे।

माय मूँ पैनाईज चंचला ह्योर बडळकर बोधी-किनी बार
कैवणो पडमी? यू नोन मेन्म, त्रिंग टू कप काफो एण्ड कोन्ड
घाटर।

बेरो उयळायो-यस मंडम। अबार लाइ। गरदन भुकावतो
घांटर दोय गिलास ठडे पाणो रा भर त्याय राख्यो।

चचला रै पनि बंधो-पू विषा बोले वावळी, था आडर तो
दूजै नै दिरायो अर गुम्मे इये बेरे मायै करे।

चचला री अ.ख्या माय विसी गरम ही। अजी, यू डोन्ट
अन्डर स्टेन्ड द टेडेमी आफ ए वेटर यानि धाने बेरे री आदना री
बैरो बोनी।

पसवाटळी टेबिल खने बैठया दूजा लोग वा होजा मानी देखण
सागरया हा।

चचला वान नै पळटनी कैवे-साब, घाजरी मदर दिडिया
फिल्म धाने विषा लागी?

सा'व चुप हुयोडा उयळो कोनी दिरायो। परण चचला तो

चंचला ही । अंध्या मटकारती हीरा जटपौड़ी भंडूडीवाळी भांगळी
 नै फिगवनी फेरू पूछे-नाब, आज रो टिन किया नागी ? कितरा
 मकरा-मधरा गीत अर कितो फुटरो डांज, नबो भयग्यो विवर
 देखगु गी ।

“पगु भाव अबके भौ चुन ।”

चंचला वै थो-उयळो वीनी दिरावो ? कोई अदरवाईज मानग्या
 वैरे ने डांट दम नन्वर री दीवो ही ।

चंचला रा भाव धीरजवाळा हा । नै पी. डबन्नु मांय ऊंवे पद
 रा इन्जीनियर हा । घलासारा मिनसां नै परोटता हा । व्योहार
 सारू मांवळी समझ ही ।

इन्जीनियर साव वैयो मंडम । थनै वैरा सागै इसडो बरताव
 नही कर गो चाईजे । म्हें अफसर हूं पण आदमी हूं । ओ होटल रो
 वैरो है पण सेबट आदमी रो जायो है-थोड़ीसीक बोळी में मिठास
 हुवणी चाईजे ।

दोनु बातचीत कर रैया हा कै पैलडो वैरो आयो-साव दो
 कप काफी लेवो अर देरी बास्ते माफी बगसो ।

वैरे दोनुं सामे लुलर सळाम कर दूजा री मेवा मारू पूग्यो ।

चंचला नै विचार आयो कै कुंभार कुंभारो सू पीब नही
 आई जद गधैरा कान खीचे । वापडे दूजे वैरे ने फिजूल डाट पड़ी ।
 इतरे मे इन्जीनियर साव बोल्या-यस मंडम “हव काफी कप ।” अर
 मुळकण लाग्या चंचला पैलडो कप साव मामै राख्यो अर दूजो खुद
 रै हाथ माथ धाम चुस्की सरू करी ।

इन्जीनियर सांब सैर रा रैवण वाळा हा । वै बात-चीत माथे

- नोकर नाम मित्रता परी छावना घर घटे
 - पर खानी बहीर हुकना ।
 गो न ब मोहन टन हो । जिवाई गुन । बा गो
 गु य री मान रिकनी घर टेकेदार खान गुन
 - सागै लामो मरना जोद मेरदा ।

१ मित्रता माव री दो-दो बगना । मोटर घर महुटर
 - नने । बगना माय इगना टाड ब ट के जगो बडा-
 पा री घर माय खोरी भावै । गोबना ग बडा-
 र, नेना मित्रता माव छावना इ रैवे । गगना री छाव
 । घर ब घर बरी । कम ई माय मोहन गम ई हुरै पा
 पानीरै ।

मैम माव बचना घग्गी बट घर खालू । खोरी मित्रता
 गो लामै । घडोक नाराज घर घडोक राओ । बचना गो
 । य माय हो । गाव म य बाव रो घर माधारण गो हो । घर
 ही घग्गी दोग्य देमयोही ही । नेन डणो घर धी ग रै खीचा
 गाव बाळा री जिनगणी खंत जावे पण बचना पू ब जउम
 ई न बरूँ खोखा बर छावोरी ही ।

खीरै बपाव रै पाछै खीरै घग्गी री इजीनियर यणन री नोकरी
 रागी । नांकरौ नगना मूं तो बगना कोनी बग्गै, पण उवरळी
 भूतिपा बमाई मरकार रै टाठ लगाय मेळे । बमीजन घर रिश्तन
 तो मदा मुबागथ रैवे । उवरळो पानो छावना देर कोनी नागै ।

बचना ब्याव रै पाछै दगावी पाम करी घर हवळे-हवळे पढना-
 पढना घे उद्वेगन करनी । पटाई-पिवाई रै सागै-सागै फैशन माय

लूमबलूम हुयगी । होटलबाजी रो पूरो सोल । सनेमा घर नाच-गाने
 माथे मोकळो घन खरचे । भा कंबत हे कँ एक जबानी पटनो पन्ने
 राम चलवें ज्यूं बा चालें । चंचला सागें भाई बात लागू हुवें ।

चंचला रा मां-बाप गाव ने रेंवे । गांव माय तो ना बोर्डे
 निनेमा घर ना कोई होटल । चंचला रा भाई-भोजाई सीधी मन्ना
 रा । ना बोर्डे वारें ल्होडू बडाई घर ना बोर्डे घमण्ड ।

चंचला नै सैर री हवा लागणी सूं गाव माय वदेई टिके
 कोती । मा बाप मू मिलण री रळी भावें जद दो तीन घडां वाने
 घावरी मोटर कार माये मिळणु साळ जावें । बट्टे रो सावणो
 पावणो बोनें घणो चोखो बोनी लागे । बोने वाळणु माय भाव-
 टनो जितो प्रथे कोनी भावडे ।

इजीनियर साहब रें माथे चंचला रो घणो परभाव । माव'रें
 घर म य इये नखराळी रा पत्थर तरे । इजीनियर साव रें नितग
 वाजा टागधर, टेकेदार घर भफगर सूं इयेरी बोल बनसावणा बप
 लाग रेंयो ही । जद वदे इजीनियर माव'र माथे तवादने रो नकट
 घावतो तो चंचला ने मिनिस्टरा रें वगने भागे चाकर नगावनी
 देणता । चंचला बारे वगने माय नत्या घंतायनी । वारी हाजरी
 भण्ण मारु किण वाज रो पमी बोनी रागनी । मिनिस्टर रो
 हाजरी रें सामे चंचला रें भागें थडा-चडा धधिवारी भाषो निवर
 पावता । चंचला रो इये वारण नाम ऊंचो वधयोडो रेवतो ।

ता रें सगळो मुख हो पण मुद रें मन्नात बोनी ही
 चंचला ने धिगता हुवण लागी । वदेई-वदेई कोपी
 - पूछ मेवनी-चंचला त्री घारें वदे मन्नात हे ?

वा उभलो देवती-प्राण टावर तो म्हारा ई टावर है । के
मने मन्नाम भी बाई जभरन है ?

अधर री जोडायन नैन शिन्द मा नारी री महत्व सन्ना
मूं ई जोगी लागे । टावर-डीगर म् बारी रंग बधे ।

चंचला बौली-टप मे म्हारो कट लागे थोडो ई हूँ । मन्ना
हुए री बाम्ने तो आप गाव न ईवो । वा मूं ई कोई न कोई उर
हो सके तो हूँ ।

अधर री जोडायन बीगे उभलो मुण र मुळवग लागी
रिण चुटकी लेवनी बंधो आप गाव न रानी राखसो जद ई न
मारी मनमा पूण होनी ।

चंचला उबलो दियो - मा.र म्हारे मूं बदेई नागज बोनी
हूँ ।" बारा तो टाट ई टाट है ।

चंचला र मन माय जतान मूल री बान घर बर्यो । व
सोवण लागी के नारी री महत्व मन्तान बिना बोनी हूँ । चंचला
जतान मुण र बाम्ने सोवण लागी । बिण र ताइ टाट मोहना
गोई बान री बसी बोनी । पण ई मानमने घर टाट बाट री
गोना तो हुवल छाळो सन्नाम मूं ट चोर्वा लागे । वा धरणी प्रोमण
हूमणी रंधण लागी । दूजा री टावर न जद देने तो व रो मन ई
आपरी गोद भरीजण बाम्ने हुनमे मण डो न ग बो-शरी बंधे ।

दगने भाई घणा मंग घाधे । टजानियर गाव री हजरो
मने । बदेई टेके री बान हूँ तो । देई बसीजण री बान । चंचला
री मन टावर देवण गाव बचट हुवनी म् हूँ ।

धेर दिन इजीनियर मा.र री घटे पति.पन ली घाधे । पति.पन

जोतिम घर हाथ देवता से पत्नी: मोग गर्भ । धरमरा मूं विना
 से दो वी तरीयो गोदा धरमदार करयोही है, यदा हाथमा से मंड
 मन्ध घर जोतिम विद्या न पत्नी वि:वाग । धा वैदा है के भुयो मूं
 जोतिमो । पत्नी धरं दू जोनिधर म ब से पत्नीमो है भुग तो मेडे नरो रु
 दं बोनी धर धर माममरो थापवी है । पत्नी धर वात से भुग
 पत्नीमो नै म.प्योही है । धा म.पान गुण पापण से ।

पत्नीमो नै देवता पत्नी पत्नीमो धारं माध नै वैयो-माध
 धार धारं धारी जगमपनरी दिभायो धारं मन्धान हुरेवा के नरं ।

दू जोनिधर माध वात गुणयेवा हा के पत्नीमो नै मे धोयो
 मोयो मि:यो । धो बो-यो-मन धारी जगम कु हारी दिभायो । मंड
 माध से जगम कु हारा हुरे जद तो पत्नीमो धारं नरं तो हू बायो
 हाथ देवता पत्नी पत्नीमो ।

पत्नीमो नै देवता पत्नीमो हाथ पत्नीमो नै माधे मि:यो ।
 पत्नीमो नै वेदेन लममा उपायं । वेदेन हाथ मे उपायुथा क
 देवतावा दू पत्नी धार नरा मूम बोना धारं पत्नी धार बणाद विना
 केर-मध माध धा हाथ देवता मन इगा म मूम हुरे के धा ही प
 हा दिभायो हा धारं जगम से पत्नीमो बणाद के दू जोनिधर माध नै
 धर धार धारं धारं मूं मोधे उा दार-बाद माधमरा हा । पत्नी धार
 हाथ देवता मूं धर दिभायो धारं हा के धार दार मूम हा धारं
 बोनी ।

साहब सू मैल मुलावात वणावै जिऊँ मू बागै धधां चोगो चाल सकै ।

पण्डित बोन्यो — भा वाज तो थारी जनमकु डनी देव मूं भर
ब.मै गिरे-गोचर मूं पतो लग य मकू । अवार तो मनै साब मूं
धोडै.सीक घात मतलब री करणः हैं । मेममा'ब ओ पेट पापी है ।
इये रै वारण घणा ददं पं.द रचना पडे । जीव अेक भर कथा
अनेक आळी कंवत म्हारै सागै ई जुडयोडी है ।

चचल बोली—इजीनियर साब पण्डित जी रो वाम काज
जन्दी-जन्दी बरो । भा मूं अमा नै घणा वाम हुतो ।

इजीनियर साब मुळिया भर पण्डित जी मू बागी वात सुगुन
लाग्या । पण्डित कैयो साब इयै सडकर रै अेके म मनै गरीव नै वोन
वम फायदो हुवैला । आपरो-आपनी वलम मूं दया दरमावा तो मनै
धो तीन साख री मजूरी हुय जावै घर मे दागा ई बापर जावै ।

इजीनियर साब आपरै कमीमग री सोदो नय करयो भर
कैयो कै दोनो हाथ मिलाया ई धुपेला पण्डित जी ।

पण्डित जी हुंकारो भरयो भर जावग लागो । एने माय
चचला चाटी रै प्याले माय चाय त्याई । पण्डित जी भर माब रै
आगे राय मेनी । वा बोती "पण्डित जी चाय पीवो ।"

पण्डित अेकर नवरो बियो दगु मेवट मन्वार री कच्यो ।
चाय पीवग लाग्यो । चचला आगे कंवग लागी — "पण्डित जी
म्हारो जनम कु डनी ले जावो भर पेला-देव लिखर त्यावो ।

पण्डित जी अे . र चचला मामै गीर मू देख्यो । फेर मुटकर
बोन्यो अरम ला मू , जरूर ला मू आप तो शाप्रनेक निहमी हो
धन भाग म्हारा कँ मनै थारा दरमण हुवै, पण्डित जी आरतो

जोतिग घर हाथ देगण रो पगो गोग राखै । प्रसमरा मूं विगो
 रो मो वी तरीगी जोगा अतमार करयोड़ी है, बड़ा हाकमा रो मं
 तन्न घर जोतिग विद्या न घणो विद्यास । आ कंवत है कै भूषो पूरे
 जोतिगो । पण अडे इं जीनियर माःब रो घरवानी रूं भूष तोनेडे नजीक
 टं मोनी घर भर मालमरतो धापवो है । पण अक बात रो भूष
 चचला नै नाग्योड़ी हूं । बा सन्तान मुण पावण रो ।

पण्डित जी नै देखना पाण चचला आपरें साव नै कंयो-साव
 आप आने धारी जलमपतरी दिसावो आपरें सन्तान हुंवांला कंनई ।

इंजीनियर साब बात सुणरैया हा कै पण्डित जी ने बोमो
 मोको मिल्यो । वो बोल्यो-मने धारी जनम कुंडली दिसावो । मने
 साव रो जनम कुंडली हुंवे जद तो घणोइं आछो नई तो हू बारो
 हाथ देखर पतो लगा मकुं ।

चचला बेगीमीक आपरो हाथ पण्डित जी रूं मामें मैल्यो ।
 पण्डित जी कदेइं तसमो उतारै । वदेइं हाथ ने ऊंधा-सूंघा कर
 रेखावा देले पण बात गना गूम बोमो आवै, पण बात बणाय बिरा
 कंयो-मेम साब घ रो हाथ देखर मने इसो मालूम हुंवे कै ये इयं घर
 रो लिछमी हो धारी हाथ रो रेखावा बतावे के इंजीनियर साब रूं
 घर मांय धारै आवणूं मूं मोपळा ठाट-बाठ लागरया हा । पण धारै
 हाथ देखण मूं मने जिसो लागे हो कै धारे टावर मुख हातनाइं
 कोनी ।

आ मुण र चचला रें मन न खल्लवली माचगी । बा बूमण
 लागी पण्डित जी, ओ मुख बदताइं होसी निपुतणी तो कोनी रूं ?

पण्डित दुखतो रग पकडती । वो चावतो होकें अफसर रो मेम

सुगायी काप-राज करा गरु ।

दुर्जे दिन पण्डित जी सांग मूं दपार माय घारो वान पटा-
नियो ।

मिड्यारी टैम इंजीनियर साव अर चंचला काफी दीवरा माय
अम्बर होटल पूया, चंचला रो सजावट बी रो माडो इं दीसती ।
खुशयु सगळे होटल माय फैलगी । काफी रै प्याने रो आदेश बरे ने
मित्यो । बरे सुद्धर माथो भूचावनो रवाने हुरो । अडीने चंचला रै
चरे माय होटल मे बंद्या दुजा अरुनरा रो निजरा जावे । अरुनरा
रो बीव्या, जिकी होटल मे आयोडी ही, चंचला रा सगळु शे
तो बी रो रुतवो ई न्यारो लागे ।

इंजीनियर मा'ब अर चंचला काफी कप खानी कर्यो । विन
रो चुकारो कर्यो । कई बरे ने टिप्स दीवी अर रवाना हुया । होटल
मूं वार आवे तो देवे हे कि पण्डित जी खडा हा । वा'चंचला रो
रै नजीक जाय'र हाथ जोड्या फेरु माव ने ई । चंचला बूळो-
पण्डित जी, थारो काम-काज मा'ब गळटायो के नई ?

पण्डित बोन्नो-“अरे तो आपरो किरपा मू अरुनरा काम-
काज सळटैला । म्हारै म ये आपरो किरपा हुवणी चाईजे ।”

चंचला पून'र बुणी हुवणी । वा बोली - पण्डित जी, म्हारै
साह काम हुवे तो बचाया ? पण म्हारली काम घ्यात रागी जी ।”

पण्डित “मरे घ्यात हे मम मा'ब । चंचला अर मा'ब रवाना ।
सा'ब तो मइने मे पणा दिन टुर माय जावे । घर न मम मा'ब रवे ।
पण्डित रो घेवाप वार अरुनरा मागे इंज । चंचला अर पण्डित रो
दो-दो आर-च्यार घटा नाई गण सगावे ।

चचला पंडित जी रै हरेक काम सार बडा-पटा अपसरा भर
 मिनिस्टरा मूं भिलगुं न बोर्न। चुकै। पंडित जी ने चचला रै मतान
 मान चिन्ता रैवे भर चचला ने पंडितजी रै काम-काज सार मोच।
 टजीनियर माव ने ड्यै मेळ-जोन री घणी मालम बोी। कारण के
 देवट वा गोट्टू प्रोग्राम रैवे। चचला जी पंडित जी रै कारण
 आद्या-आद्या रै घरे पूगे। वो रै कर रग भर बोन-बतनावण रै
 रववे मू धगा उचे तदके वाला बीनै चावे। पंडित जी परेमा रा
 लोभी अहमर रूप रा लोभी भर चचला मतान मुख री लोभण।

चचला बगी ठणी रैवे। पंडितजी तिलक आडम्वर भर म्द्राध
 रै कथा री मिगनार राई। पंडितजी ने कदेई डागवरा रै ने जावे
 सो कदेई दूजा नेट मडकारा रै ने जावे। भर आपरी निट्टो
 गंवना रैव।

पंडित जी ल सो रूपया दगाय लेवे। या रै घर रा ठाठ
 देखा टगरो नगे वं जागे बिरोटपति - वा रै मामे पार्ग। भर।
 टजीनियर माव री गैर हाज री म चचला पंडितजी रै परे बेटा
 रैवे। चचला रै हाल ताई मतान मुख बोनी हरो।

घटने घेब दिन पंडित जी रै घरा इनरम देवत गो १२ वो
 पदयो। द्यापो पडने मू हजारो रूपिया गो देखव दवा-नः निवट्टो।
 गोनो चादी भर मोवळा बीमवी नगीना मिलिया। इनरम देवत रै
 अपगरा ने पंडित जी रै घरे बटं पोट्टू मिलिया। त्रि रै चचला
 भर पंडित जी रा पोट्टू मार्ग-मार्ग। बई पोट्टू खोवा घर केई भु डा
 भी। मावो रूपिया रै द्यापो गो गुणुंर अयदार वाला बट्टे टगदा।

वा पंडित घर चचला रा मार्ग-मार्ग पोट्टू देखा। समाचार

मनो न बलवत् काल-मनो धरं कुरु' रीं लोडूषां धरणी ।

दो दिन, मन्त्र इत्येतेषु मन्त्रे धर चक्रवा वारं मनोज्ञा हा ।

मन्त्रेण मन्त्रेण न मन्त्रेण लोडूषां लुकरा पडुता । प्रचाराम् वागे
प्रचार लोडू मन्त्रे धरैः । मन्त्रेण पडुता । धरै रीं समाचार धर फोडू
मन्त्रेण मन्त्रेण मन्त्रेण । मन्त्रेण रीं मन्त्रेण पडुते इं चरै धोडू धर ।
इत्येतेषु मन्त्रे लोडू मन्त्रेण मन्त्रेण । चक्रवा नै धरै पडित
री लोडू मन्त्रेण रीं लुकरा मन्त्रे । मन्त्रेण रीं मन्त्रे रीं हवा मन्त्रे
धर मन्त्रेण मन्त्रेण मन्त्रे रीं मन्त्रेण मन्त्रेण मन्त्रेण मन्त्रेण । इत्येतेषु
मन्त्रेण मन्त्रेण रीं मन्त्रेण मन्त्रेण मन्त्रेण मन्त्रेण मन्त्रेण मन्त्रेण ।

मालक छोड़ें कोयली

बनवत्ता धारा नगरी बाजें, मानखो बीड़ी नगरें जू चालनो नागें । ट्राम मोटरया घर दम्या री चालणो देयाग । बडा बडा घ्यापानी घर छोटा मोटा नौकरा री बँट बँट भरायी बँट मजं सू हु मके । दामण-शाणिया, मेठ साऊकार आपरी जाजम बँट चोर्वा । तरिया जमापोह राचें । कमावणो घर खावणो मगलो बँटईं हुवें । भोज घर मन्नी रो आणुद तो बारी आनरी ग्यारी दुनिया माय ई कायम रेंवें ।

जद बदेईं मरगुो घर परगुो हुवे जद बँ मगना आप रें नगरा कानी रवाना हुपर घावें । मोरना घन खरवें घर भायला-भापेना घर विरादेरी घाला सू मिल भेंट'र पाछा वहीर हुया जावे ।

वागुिया-मार्ग कँईं बामणुइं रेवें । बारो बाम चीके री हखाली बरगुी घर दोनू बखन रमोईं तयार रावणुी हुवें । मेठ-मेठाण्या घर बारा टावर-टीगर जीमणु जूठण घावे जद बाने भोजन परोमणो बारा काम हुवें ।

चीके रा दुन्बाजं मा'राज ईं हुवे । दाळ-दयिलो, साग मन्त्री, धो-तेल, आटो खांड चावल फावल, दूध-दही रो सगलो परबन्ध घागें

दिन मा'राज करता रहे । मीने-तीने घाई-पेटिया रो देडो-हूँकारो
 ई करगो पट गो पोर्षो हस्त रो बाग बोनी । बागिया-बामन
 मा'राज ने मा'प्रनेक काम मारु मगयोडा । दुई वामने बा'ने सुट्टी
 वम भिने घर मा'राज जिमो देग दिमो रंग राई ।

घरने बामना नै मयि मू दो-मटेना पैली नंद-गुरु घरने
 गगर पारया । नगर माय पूगता ई गगला भायला ने सदेमो
 बरायो । नंद गुरु रो घायलो घर गगला रो मन हरमावणो । घटा
 दोस एक म.व पाच-मात भायला रो गडनी घाय जमी ।

नन्द गुरु भरगरा घर लिकाव घाज । हूँडो मारै तो फेर
 वमी कायरी । भायला नै सामे वनवत्ता नगरी रो सागोपाग चिन-
 राम गडो कर देखे । गुणनवाना ई कम बोनी । चाय रो चुस्की नै
 सागै अरास घर पतात रो मय्य सुगता रहे । नन्द गुरु ग्हावण-
 धोषण रो तयारी करे जद सगळिया रो मडली सागैई वैठो रहे ।

नन्द गुरु वलवत्ता मू रवाना हुंया जद दोय मन-मल रा
 चौळा अर दोय बासनेट रो धोत्या मागी कामा हा । आधी दरजर
 सनलाइट म वण रो भग्या मावे भग्या लगवै । अर वात्या रा
 नुलदरि भी । वदेई धरम तनी रो वाह्या रो वदेइ त्रिभुषरी
 वजाई । वदेई सैठारी प्रससा तो वदेई सैठारिया रो उभारता
 अर दया रो बसाण करे ।

भायला रो मंडली वारी वात्या मुणै घर नन्द गुरु रो पर-
 संसा रो पुन बांजे । दो भायला माय मूना मा'राज अर भटपटिया
 मा'राज नन्द गुरु रो धोयोडी टीनोपोल ताग्योडी धोती नै रोपर
 हवा रे भपटै मू सुकावण लागै । नन्द गुरु भवमल रे चोळै रे

माही मगावन नाचडे न नगी माथे मुकावे । फेरु बनारमी दुपट्टी जिंके
रे माथे राम-राम ना नाच मडयोहा हुने बीने फटकारा नगावे ।

गाथा मृकावण रे पछ तंद गुरू पीवर मोर मूं गिनान करे
घर मागोहो खेवली रो तेन बाला माथे रगडे । खाण मेर छूमत्रूं
दुन रे मेरवे रे मागे पमरनी रेवे ।

दुनरे माथे तंद गुरू रो जोशयन आवे । वा केवे रमोई त्पार
हुरो है । ये मोहन बरोनी । "तंद गुरू पूट्टे"—घवा रमोई काई
दगायो है ? जोशयन बेवे काठी दाळ-भान घन पापड पत्रियां ।
न-द गुरू बो-यो घरे बह भागण । कडे मिठार्दे तो मगावनी । वा
दोरो-ये हुरम देवो तो घवाण मगाव दु । काई फरमाटज है थ रो ?

तंद गुरू बेवे घापी रे तो घाज घोभिया मा'राज रो दो किलो
रदो मगाव ले । घर मुण मागे पाच छ मीठा पान नगवाने ।

घा गुराण घावाळो बमरे मूं कट कडावनी मा रगियारो
रती मायो । मो घे रगिया घर घाणे किर्गा भायने मू मगावयो तो ।

घान मुणगा पाण ई भीटिया मा'राज लठ'र गडा हुरा घर
मोणे घर पान लावण ने वारे वहीर हुरा । मुना मा'राज भटपटिया
मा'राज घर घाण पटिन वटे घेट्या तंद गुरू रो वाव्या मुणे ।

घा बेवन माथो है बे कपली पले तो रोदे न चवने । वनरे
विणगा घाव रो विणो रदो घर पाच छ मीठा पान नेघर भीटिया
मा'राज घाव आवे ।

न र गुरू कपला भावना ने मागे जे मग माक दिटार्वे । थोडी
देर तो कपला मगरा केने पणु घेरु मूं जोशयन माक जम जवे ।

न र गुरू रो जोशयन घटापट भाणो परोन'र मागे रावे,

दान-ध्यान कर देगी वं सगळ्या ने घांत घाटो मार्ग । केरु नन्द गुरु
 रं मार्ग रघुनी रा मन्त्रा उदग्या मरु हूवें । भेक भायलो वोन्यो-वाह
 रं नन्द गुरु वया वदिया है घारी जांदायत । सुगायो क्या है बीर
 हाथ मूं दभरत दग्यायोहो भोजन लागरयो है ।

नन्द गुरु धैर्यो-धरे भटपटिया मा'राज, घा सुग यो नई
 निदमी है निदमी । धैर्ये रे भाग मूं ई हूं कमावूं घर साव ।

मूला मा'राज बोल्या-भई नन्द गुरु, धयकें मूं बीज वरम मूं
 मी'र आयो । घानै तो मान मे धेक चवकर तो भठरी लगावगो
 घाद्रेजे । भायला भावेला मु मेळ मुलाखाने हुय जावें । भई मन
 मितिया रा मेळा हूवें । म्हानूं तो कसकतो देखीज्यो ई बीनी ।

नन्द गुरु कंचो-खाई कर मूला मा'राज, जीव धेक कंचा घनेक
 वाली कंचन सांची लागे ।

बात आ है कं मन मालक छुट्टी कोनी दिरावें । म्हारें माघ
 सगळ्या काम काज मूं प्योडा है । मालक तो कारोवार मूं ई परमन
 बीनी राखे प्रर मन सगळों घर रो काम-काज मूं प्योडो रेंवें । मुई
 थोरा मूं लेय'र चूले-चाकी ताई री भोनावण मन दिरायोडी है ।
 सैठार्ग्या री म्हारें विए दो घडी कोनी सरें । मातिक रा टावर-
 टोगर सगला भणई गुणा ई करे घर मालमती, धन दायलो घर
 वपडो-लतनी मगलें ई म्हारें घलावा बीनी खरीदीजे अबे बत
 विया वठे मूं निकलर म्हारें गैर घावूं ।

इत मे फट-पटिया मा'राज बोल्या-भई जियां गुड़ बिना चौघ
 कोनी पूजीजे, विया ई नन्द गुरु बिना क्रिया मातिक ने आवडे ?

नन्द गुरु वोन्यो - साची बात है फट-पटियां मा'राज कल-

बना मे तो मरणनैई फुरमन बोनी फेरु मानिक रो म्हारे मावै
जम्पोडो बिम्बास । अवे विस्वाम तोड'र वाने भोमण-डूमण छोड'र
बिया घडे प्राय मजूं । भीटिया मा'राज कैयो - नन्द गुरु सांच
ने सांच ई कैईजे । मानिक रो बुण मानिक ? फेरु सगला मू मोटो
धारै मावै बिम्बास । बूठे रो बाग तो बटाऊ ई कैवे । रात है बडे
घाम है । विस्वाम तोड्यो घर तूटियो ।

सगला भायला बात्या करता बरता भोजन कर'र उठे ।
नन्द गुरु घाल्ल माय हाय धोवे । फेरु नुवे अगोछे मू मू डो पूछ'र
सगला नै पान रा बीडा हाथ में दिरावे । बारी जोडायत थाली
धलायदी कर'र जगै साफ करै ।

नन्द गुरु भायला नै लियोडा पमबाइलै दान-खाने माय
जाय'र बैठ जावै । दान-खाने माय जाजम बिछायोडी हो । पत्तो
घान रैयो हो । गोळ तबिया लगायोडा हा । भीटिया मा'राज
घर मुला मा'राज थोडी सी'क देर पाछे नीद रा फवाग लेवणा
सरु बर देवै । पण फट-फटिया मा'राज नन्द गुरु सागै बात्या रा
बालमा बणोडा है ।

फटफटिया मा'राज पूछ्यो-नन्द गुरु, कलकला माय देखग
सायक बुण-बुण सी जगावा है ?

नन्द गुरु उपलायो-भई फटफटिया मा'राज कलको नै'र
नकोणो है । जटे बरोडा रा ड्योबार हूवै, बटे राम रमे । बटे देखन
सारु घरी जगावा है । बिस्टोरिया हान, ज्याज बोडी घर तारा
मडल पणोई पायो ।

फटफटिया मा'राज-घो ताग मडल कई खीत्र है ? कलकला

मांय काई तारां रो मंडल अकाम मांय न्यारो निरबालो उगै ?

नन्दगुरू बोल्यो-मा'राज ये तो जावक ई भोळा भाला हो । अकाम तो सगळारो वास्ते सरीखो हुवै, पण तारा मंडल घाटो वण्योडो हें । बटै बडे हाल माय घुसते इया लागै, जाणै इये नगरो माय चावै जद सिभया हुय जावै । हवळै-हवळै सूरज छिपणा लागै । फेहं आभै मांय तारो दीमणां सरू हुय जावै चन्द्रमा उगै । चन्द्र लोका मय स्पूननिक पूरै । तारा मंडल रा मैनेजर सगळी वाता घाहिस्ता-अ हिस्ता समभवे । जद सगळो बखान हुवै पाछै हाँन माय संचनण हुय जावै । देखगिया हाँन सू'वारै आवै जद वां नै मालूम पडै के हालजाई तो दिन डळियो ई कोनी ।

फटफटिया मा'राज केवे वाह रै नन्दगुरू, जवरो गुलछरो छोड्यो । इया कदेई रात हुवै ? म्है कोई गाक सूं धोडे ई घाया हा जिका इयै फरी नै सुण'र राजी हुवा ।

नन्द गुरू बोल्यो मा'राज ये कदेई कलकता आवोनी जद हू थाने सगळी नुवी जगावा दिख्ता सूं ।

फटफटिया मा'राज केयो-अवके सगळी भायला रै सांगे वडे आवोला । आपारी मडली खूब जमानी ।

भोटिया मा'राज अर मून्ना मा'राज नीद सूं ओभकरया । ये बँटा हुया । घडी देखी तो च्यार बजगी हो ।

के दोनू' बोल्या नन्द गुरू, अवे सै'र खानी घूमण नै चालो ।

नन्द गुरू हुंकारो भरयो अर घोड़ी देर माय ब्रासलेट री धोनी अर मल-मल री चोळो पँरयो । फेहं माथे ऊदर गोळ टोपी अर नि-
लगा माथे तिलक लगाय'र रामनामी दुपट्टो धारण करयो । चमकता

धोलां हुनो गे जोई, वेटी मोय मूँ वार निकाली । पगं मांयं जूनी
 घर मूँ वारं अया जद नुवों नशोर छालो घर तागं री सवारो ।
 भागो किम्यो ? मंते कुवैले रंग घर मुडदेभाडे घोडनिवै वालो
 नटं । मानगो घोटी, रा-रंगीनी तांगो । बोचबान माफ भुधरो ।
 तागं रै घटी नगायोडो । घोटी एडो लागती पाणी हवा मूँ वारया
 करै । घटी गे टगुकारो लगो-नेग वाजतो रैवे । दूर मूँ दीमे जा गै घा
 मडलो कोमोः पारो निग्वाली हूँ । वैधत है कं मररा नाहूँ प्वावगा
 पण पीवा वयूँ ?

नन्द गुरू घर वारा भायेला द्वागै-वारै नन्द गुरू घापरै मिलण
 वाळा रै अटै पूगे । भगता मूँ रामा-भामा करै । वा री नेम-
 भुमळ पूटै । छोरी रै द्याव माळ वाने चनावै ।

नन्द गुरू वंके-मई, छोरी री हाथ पीया करणा है आप मगळा
 भाईना घर प्रेम-प्रोहकत वाळा गे भायो-वाद होमी जगं पनै
 मिळगो ।

भगता छोटे उयलो दिगविना वै छोरो री भागि भेळा हूँ
 जद ई भगती काम मानरो हूँ । इयै माई नन्दगुरू विल्ला-किचर
 री वात बोनी । परमात्मा घूँव देवै जिक्कै नै चुणोई देवै ।

नन्दगुरू भगता मूँ मिल भैट'र घापरै पुराणा नगळिया मूँ
 वारं घावाटा मै मिलण माहै वहीर हूँ । अवाटो भगेटयां घर
 भगाबाजो गे । अमेडो नन्दगुरू नै देविता पाण ई भूपरै री तगिया
 भेळा हूय जायै ।

धैव भगेटी बोडे-वाह ते नन्दगुरू ! अरुवै तो पणा वरगा मूँ
 घायो । पागे घोळु तो घायती रैवे । दोरो भाट्पोहो घर गोरो

जीमापोटो हमेमा याद रँवे । धं भायना म्हानं वोत मालजीमा-
योडा है । धू जुग-जुग ताई जीवतो रँ । दूग गो-वीगणो कमावतो
रँवे । जद म्हारोई जीवडो तोरो रँवे ।

नन्दगुरू कैवे-म्हारै माई भायनारी किरपा है । वा रँ भाग
सूँ ई वलना कमायी करीजे ।

दूजो भगोडी पडूतर देव-कलकनी रो काळी-नाई धारै सामै
धायगी । कैव है-काळो कलकने वाने जीरो ववन कदे नई जावे
त.ली ।

नन्दगुरू मा.रँ काली-नाई री वोन यडी किरपा है ।

नन्दगुरू भीटिया मा'राज ने बुलायो अर फट सूँ कडकतो साँ
रुपिया रो नोट देवँ कैयर आज तो भाग इरँ अखाडे मायँ छपती ।
भीटिया मा'राज यँ वनार सूँ दोय किलो मंत्रा साँ ग्राम बादाम
अर तीन किलो रबड़ी लेयर आवो । भायना सागै छापने सूँ सेर
पून वरँ । भीटिया मा'राज हुकम पावता ई टुर वहीर हुवँ ।

अखाडे माय नन्द गुरू रा आवला-चावला हुवँ, फर्रा मायँ
फर्रा सागणः सह हुय जावँ ।

भायला मा.य सूँ अक जणो पूरै नन्द गुरू अबहँ तो कलकता
सूँ वोत वरमा वाद आयी ? धानं तो साग-रोय साज माय नै'र री
वक्कर लगावणो चाईजे । जलम देवाल अर जलम भोज सूँ तो
सगळा नै प्रेम हुवँ । मात-भोम साह आवणो ई बोखो लागँ ।

नन्द गुरू उथळो दिरावै-काई करूँ, मालिह छुट्टी कोरी देवँ ।
घडी पल छोडणा ई वीनी चावँ । वीरा कारोवार खूब कैथोडा है ।
पर री जिम्मी सगळो म्हारै मायँ । म्हारै सूँ मानक नै वोक त.ली-

पानों। मन्त्रों है टापर-टोनर और नुगेपि नै जद देम जावणु रो
 बंद नद बं घांन-दूमण हूय जावं। मूडो लटकाय'र उदास-मा
 हूय जावं। एवं दनाघो विद्या बाने छोड़'र आधु' ?

सगळो घणार्ड बाळा नन्द गुरू रो घाम्या माय लूम-पलूम हूये
 जावं। छोटी मोह देर माय भोटिक, मा'राज आवें। भांग घुटयोई
 हूवं। वा माय बदाई छर मरग रये पं. नारी रो घट्या (नोटा)
 भय-भय'र भगवो पीवं।

भाग छान-पीय'र गै पमधोह नै बाटिये नाळ मे निपटण
 भाग जावे। घटा धोय घटा मे नगो जोर भावं। पाळा असाडे
 पुर्य घर रंधरी रा गधोरा नेय'र जमावणा गळ करे। सगळा नै
 प र्ग द भाव जावं।

घणार्ड बाळा ने छोरी नै व्याव भाग नूती देय'र नन्द गुरू
 सगळिया भागे भागे गघार हूय'र घर पूर्ये।

व्याव रा दिन नजदीक। छोरी रो व्याव ई मानरो। व्याव
 नै दिन सगाभयमधी छर मिलणु-भेटणु बाळा रो अ छो गत्कार।
 पूवें दिन भागीटो लूटो जोमण ग्यान रो। सगळा असाडे रा नसे-
 वाज बठे आबीडा। बाम-राज फटाफट हूय रैया है। केई जीम
 रैया है घर केई जीमाय रैया है। सगळे मर माय नन्द गुरू खुमवू
 फेलणु नाग रैया है, नन्द गुरू रा क्या वैवणा नन्द गुरू तो नन्द
 गुरू ई है। आवें म'र माय श्रेक फडदी है, ह्वा रो जोडो तो वेमाना
 घटयोई बोनी।

नन्दगुरू ब्रासेलेट रो धोनी छर मनमल रो चोलो राम-नामी
 दुपट्टो लगायोटा अटीने बटीने वाह-वाही शूटरैया है। सगळा गळी

गुवाड़ वाला बं, नै पई सँ वालों समझै ।

छोरी रा हाथ-पीछा हुयग्या जद नन्द गुरु कलकत्ते रो मती कर्मा । भायला रँ सामँ नन्द गुरु कलकत्ते जावण रो विचार बतावै पण भायला बाने वेगो नई जावण देवै ।

भीटिया मा'राज कैवे—नन्द गुरु, अवार तो यूँ व्याव मूँ निरवाऱो हुयो है । केई दिन तो यूँ म्हारै सागँ मोज मनावो । व मावणो अर खानवणो तो उमर भर लग्योडो ई रेवै । जीदणो जित्त तो सीवणो देखे ई हँ ।

नन्द गुरु बोऱ्यो—काई करु मा'राज, म.ल.न रो कागद बुलावण सारु आयग्यो । बँ म्हनै छोडणा ई कोनी चावै । म्हारै दिण घड़ी पळ बानै पहाड लागै ।

भीटिये उथळो दिरायो — नन्द गुरु, संगळिया रो संगत बठै कोनी भिळ सतै । दस-पनरँ दिन तो म्हारै सागँ ई रेवो । बात आपा भाघू मा'राज रँ अखाडे चातसा बठै रो मन्ती अतायदी हूवै ।

नन्द गुरु भायला रँ कैवणँ नै योनी टाळ सकै । कलकत्ता जावणो दम पनरह दिन ठै'र होसी ।

दूजै दिन केरु नन्द गुरु खानी मू गज्जन गोठ हूवै । दाळ रो सीरो ह्यारी अर दही बड़ा रो पूरो परगथ हुप जावै । मगळ्ळा भायलां ने केरु नू 'तो । अखाडे जावण मारु तागो मगथायो सागी पोशाक अर सागो मन्ती ।

नई दिना पाछे नन्द गुरु कलकत्ता खानै हूवै । भायला ने बठै आबण रो नूको देवे । अब बँ भायला ई मन न विचारयो बा नन्द गुरु मूँ कलकत्ते मितण रा पक्का माचा कर्या ।

पाँच-दस मईना पाछे भायला बलकत्ते पूगे । नन्द गुरू रो पनो पूछना बां रै छठे पूगे । नन्द गुरू रै बारै म छेक वाली घागे बाणियै नै पूछै-भई मेठ, नन्द गुरू रैबै है नी । बिण उबलो दिरायो नन्द गुरू तो पाचवी मंजिल माथै रेवै । छबै भीटिया मा'राज, फट-फटिया मा'राज घर भासा गुरू उपरली मंजिल माथै जावै ।

उपर जाय'र छेक नौकर नै पूछै-छरे छठे नन्द गुरू बठै रैबै । दो नौकर बँवे नन्द गुरू तो चौके माय बैठा है । धे बठी ने जावो, भायला चौके माय जावे तो दानै भारी छबमो हूवै । नन्द गुरू मगोछो पैरयोठा थोटा उगाहे डील चुन्नै रै कूक्या म ररैया है घर पुरे मू वारी आग्या लाल चुट हूयोहो लागै । नन्द गुरू रो काम बूझो पकशी घर रमोई बणावणी । केरु मगळै बाणियो रै गरिबार नो जौमावणी घर चौका-बरतण बरगो ।

नन्द गुरू.....छरे नन्द गुरू भायला हेरां माएयो । नन्द गुरू भायला ने देखै तो जागै बिग माथै सो घटा पानी टूनायो हूवै । झककचायो । राजरवाणो न्यागो हूययो । छेव भायला रै इ नन्द गुरू छठे बाईं बरां हो ?

नन्द गुरू भेप घिटावलो बोणयो भायला घाज मेठावनी बा'र पुमगु हाऊ मयोडी है । म्हनै रमोई रा बँयग्या हा । उद घा बाय बरगो पटयो । ये लोग बंद आया ? बा भैया - घाज बरार इरे धरी घाय रैया हा ।

नन्द गुरू पूछयो — ये कहे उपर्या हो ?

उबलो मिज्बो — सेबा समिति म व ।

नन्दगुरू बँयो-ये जानो बडे । इए बरार पूरे भायला । ठडे मू

2. वह तुमको अच्छी तरह जानता है न ?
He knows you very well, *doesn't he* ?
3. वे अच्छी तरह खेले थे न ?
They played well, *didn't they* ?
4. तुम बनारस हो आये हो न ? तुम बनारस गये हो न ?
You have been to Banaras, *haven't you* ?
5. हरि तुम्हारा मित्र है न ?
Hari is your friend, *isn't he* ?
6. तुम हरि के मित्र हो न ?
You are Hari's friend, *aren't you* ?
7. तुम मैदान जाओगे न ?
You will go to the Maidan, *won't you* ?

अन्तर समझो-

(i) *Do you know Ram ?*

(ii) *You know Ram, don't you ?*

पहले वाक्य में साधारण ढंग से प्रश्न पूछा गया, प्रश्नकर्ता को माफ नही उत्तर 'हां' में आयेगा या 'ना' में। दूसरे वाक्य में यह प्रकट होता कि प्रश्नकर्ता 'हां' में उत्तर पाने की आशा करता है।

B. 1. तुम राम को नहीं जानते हो न ?

You don't know Ram, do you ?

2. राम तुमको नहीं जानता है न ?

Ram doesn't know you, does he ?

3. वे आज अच्छी तरह नहीं खेले थे ?

They didn't play

उत्तर समझो—

(a) You know Ram, *don't* you ?

(b) You *don't* know Ram, *do* you ?

वाक्य (a) में प्रश्नवाचक 'हां' में उत्तर पाने की आशा करना है और वाक्य (b) में 'ना' में उत्तर पाने की आशा करना है। छत्र देखें—
 वाक्य Affirmative में हो तो उनके साथ Negative प्रश्नवाचक जोड़ा गया है। और Negative वाक्य के साथ Affirmative प्रश्नवाचक जोड़ा गया है। ये आंठे हुए Tag Questions कहलाते हैं।

Do, Does तथा Did के अन्य प्रयोग—

(a) बात को जोर देकर कहने के लिये—

(1) You *do* know it यह तुम जानते ही हो (जल्द जानते हो)

(2) He *did* come वह आ ही गया था (यह आया तो था)।

(3) You *did* say that. तुमने कहा था (कहा तो था)।

(4) *Do* come in please, अवश्य अन्दर आइये।

(5) *Do* be quiet जरा शांत हो जाओ।

(b) क्रिया के बदले में— do, did का प्रयोग)

(1) Who took that hat ?

I did, मैं लिया। (यहां I did = I took)

(2) Do you like it ? क्या यह तुम्हें पसन्द है ?

Yes, I do (या, No I don't) हां मुझे पसन्द है।

(नहीं) पसन्द नहीं है। Walk as I *do* (यहां do = walk)

(3) Does Ram know you ? क्या राम तुम्हें जानता है ?

Yes, he does. (या No, he doesn't)

(4) I like it very much मुझे यह बहुत पसन्द है।

So *do* I. और मुझे भी।

(5) I don't read novels. मैं उपन्यास नहीं पढ़ता ।
Nor do I. और न मैं ही । (मैं भी उपन्यास नहीं पढ़ता)

(c) Do के कुछ मुहावरेदार प्रयोग—

(1) That will do. इससे काम चन जायेगा, इतना काफी है।

(2) This room will do me quite well

इस कमरे से मेरा मजे में काम चल जायेगा ।

(3) Do your best. भरतक प्रयत्न करो ।

(4) He is doing well. उसका हाल-चाल अच्छा है ।

(5) How do you do ? कैसी तबीयत है ?

EXERCISE 21

नीचे लिखे वाक्यों का *Negative* तथा *Interrogative* बनाओ—

He lives in Bombay. He is teaching me Hindi. Mohan and Ram ran fast. He tried hard. He was trying hard. It rains. It is raining. It rained yesterday. It was raining yesterday. He has done his work well. He had a book. He will try. He must go. He did his home task in the morning. He did well in the examination.

Translate into English—

मैं झूठ नहीं बोलता हूँ । तुम झूठ नहीं बोल रहे हो । मैं झूठ नहीं बोला । क्या तुमने कल किताबें खरीदी ? मैंने कुर्सी को नहीं तोड़ा । उमने पत्र नहीं लिखा । घोड़ा द्राम कारं नहीं खीच सकता । हम तारे नहीं गिन सकते * । क्या तुम तारे गिन सकते हो ? यदि तुम बीमार हो तो तुम्हें लेनी चाहिये । लेखक कलम काम में सेता है, वह तलवार काम । मछली पानी के बिना जिन्दा नहीं रह सकती । यदि तुम । तुम्हें पानी पीना चाहिए । क्या तुम मंच में सेले थे ? यात्र

कैद करनेवा नहीं किया है (I have not had breakfast today)
 उसने Homework नहीं किया । यन्त्र, घण्टी नरक सोया था न ?
 तुम मुझे घण्टी नरक जानते हो न ? राम मुझसे पड़ोसी है न ? तुम
 इस बात को बुरा समझते हो न ? वह कठिन परिश्रम करता है न ? तुम
 बुरा खूब नहीं खाते ? मुझसे पास चले ? तुमने यह बात जरूर
 कही थी (You did say that) । वह जरूर बीमार लगता है
 (He does look ill) । जैसे मैं चलता हूँ वैसे चलो । (Walk
 as I do) । तुम्हें यह पसन्द नहीं आता न मुझे भी । इस कलम में
 बात बत जायेगा ।

कठिन शब्द—To use (युक्त) —काम में लेना । A sword
 (शेखर) तलवार । Neighbour=पड़ोसी । खींचना—to pull भूट
 खींचना-1) tell a lie

LESSON 18

QUESTIONS WITH

(Who, Whom, What etc)

छात्र इन वाक्यों का बार-बार पढ़कर याद कर ले—

Who saw you there ? कितने तुमको यहाँ देखा ?

(Who कर्त्ताकारण में)

Who gave you this pen ? कितने तुमको यह कलम दी ?

Who is shouting ? कौन चिल्ला रहा है ?

Who was at the party ? पार्टी में कौन-कौन थे ?

Which of you shouted ? तुममें से कौन चिल्लाया ?

What happened at the meeting ? मभा में क्या हुआ ?

Note— यदि प्रश्नवाचक शब्द (Interrogative words)
 कर्त्ता (Subject) हो तो क्रिया के हेर-फेर नहीं होना, जैसे ऊपर
 वाक्यों में who, which of you, what—ये कर्त्ताकारण में हैं

ज्याय 'हं' या 'ना' में आ सकता हो तो What का प्रयोग नहीं होगा।
 क्या वह जाता है ? Does he go ?

End Position of the Preposition

1. To whom did you give that book ?

या, Whom did you give that book to ?

तुमने वह पुस्तक किसे दी ?

2. From where do you come ? या, Where do you come from ?

नोट—ऊपर के कुछ वाक्यों में Preposition वाक्य के अन्त में रखा गया है—ये वाक्य अधिक चालू और प्रचलित माने जाते हैं।

Where does the rain come from ? It comes from the clouds.

May I come ? Shall I come ?

दोनों में भेद

दोनों ही प्रश्नवाचक हैं यदि मैं आप से कहूँ May I come ?

(क्या मैं आ सकता हूँ ?) तो इसका तात्पर्य होगा—मैं आना चाहता हूँ और इसके लिये आपकी इजाजत चाहता हूँ। यदि मैं कहूँ—Shall I come ? (क्या मैं आऊँ ?) तो इसका तात्पर्य यह होगा—यदि आप चाहते हो कि मैं आऊँ तो मैं आ सकता हूँ—इसमें मेरी निज की इच्छा का कोई प्रश्न नहीं। उपर्युक्त प्रश्नवाचक वाक्यों Shall और May में यही अन्तर है।

मुझे जाना पड़ेगा—(I must go. या I shall have to go.)

नीचे निम्न वाक्यों को याद करो—

1. Who (कौन) (कर्त्ताकारक में)

Who is on the roof ?

उन पर कौन है ? या कौन-कौन हैं ?

Who gave you this pen ?

यह कलम तुम्हें किसने दी ?

Who has got a pen ?

कलम किसके पास है ? किस-किस के पास है ?

Who is crying ?

कौन चिल्ला रहा है ?

Who was absent yesterday ?

कौन कलम-पुस्तक था ?

Who are these men ?

ये आदमी कौन हैं ?

2. Whose (किसका) (सम्बन्ध में)

Whose pen is this ?

यह किसकी कलम है ?

Whose books are lying there ?

किसकी किताबें वहाँ पड़ी हैं ?

3. Whom (किसको, किसे) (कर्मकारक में)

Whom do you want ? आप किसे चाहते हैं ?

To whom did you write that letter ?

वह पत्र आपने किसे लिखा ?

With whom did you go there ?

तुम किसके साथ वहाँ गये ?

By whom were you beaten ? तुम किसके द्वारा पीटे गये ?

4. What (क्या)

What will you eat ? तुम क्या खाओगे ?

What game do you play ? तुम कौन सा खेल खेलते हो ?

What time is it ? क्या समय हुआ ? (कितने बजे हैं ?)

(76)
LESSON 19

Conjugation of Verbs

(Present, Past and Past Participle Forms)

पिछले पाठों में तुम क्रिया के Past Tense का प्रयोग सीख चुके हो, अब Past Participle का प्रयोग समझो—

Present Tense: *I write a letter to my friend*
(write)

Past Tense: *I wrote a letter yesterday.* (wrote)

Past Participle: *I have written a letter* (written)

मैंने पत्र लिख दिया है, मैं पत्र लिख चुका हूँ, मैंने पत्र लिखा है।

इस अध्याय में हम Present, Past एवं participle का वर्गीकरण स्वरशास्त्र (Phonetics) के आधार पर करेंगे जिसमें छात्रों की लिस्ट याद करने में सुविधा हो। पुस्तक में साधारणतया alphabetical order में यह लिस्ट दे दी जाती है जिसका व्यवहार शब्दकोष की भाँति भले ही हो सके, परन्तु अध्ययन के दृष्टिकोण से यह पद्धति उपयोगी नहीं मानी जा सकती।

सर्वप्रथम हम वैसे verbs लेंगे जिनका Past Participle 'n' 'न' की ध्वनि जोड़ने से बनता है—जैसे bite-bit-bitten, write-wrote-written, ऐसी क्रियाओं को हम चार भागों में विभक्त करेंगे।

a b b—Past और Past Participle की मूल स्वर ध्वनि समान और Present की भिन्न।

Present और Past Participle की मूल स्वर-ध्वनि (root vowel) समान और Past की भिन्न।

जानो का मूल स्वर एक-सा।

c—दोनों के मूल स्वर भिन्न।

Example—rise (राइज) rose (रोज) risen (रिजन्)

'rise' में 'i' की ध्वनि 'भाइ' की तरह, 'risen' में 'i' की ध्वनि 'इ' की तरह, बीच वाले शब्द 'रो' का उच्चारण, तीनों की स्वर ध्वनि समान । घन. यह क्रिया a b c के अन्तर्गत जायेगी ।

Present (a)	Past (b)	Past Participle (c)
Break ब्रेक तोड़ना	broke तोड़ा	broken तोड़ा हुआ
Wake जागना, जगाना	woke बोका	woken बोका, जागा हुआ
Choose चुन चुनना	chose चोज चुना	chosen चोजेन चुना हुआ
Speak बोलना	spoke बोला	spoken बोला
Freeze टाइ में जमाना	froze फ्रोज	frozen जमा हुआ
Steal चुराना	stole चुराया	stolen चुराया हुआ
Bite दान में काटना	bit बाटा	bitten बाटा हुआ
Hide छिपाना	hid	hidden छिपा हुआ
Tread ट्रेड, पैर में कुचलना	trod ट्राड	trodden ट्राडन
Forget फॉरगेट भूलना	forgot फॉरगॉट	forgotten फॉरगॉटन
Fall फाल गिरना	fell फेल गिरा	fallen फालन, गिरा हुआ
Give गिव देना	gave गेव दिया	given गिवन दिया हुआ
Eat ईट खाना	ate एट खाया	eaten ईटन
Bid बिड आज्ञा देना	bade बेड्	bidden बिडन
See सी देखना	saw साँ देखा	seen देखा हुआ
Draw ड्रा खींचना	drew ड्रू खींचा	drawn खींचा हुआ
Grow गो उगना, उगाना	grew ग्रू	grown गोन
Throw थ्रो फेंकना	threw थ्रू फेंका	thrown थ्रोन
Know नो जानना	knew न्यू जाना	known नोन
Blow ब्लो हवा चलाना	blew ब्लू	blown ब्लोन

जवाब 'हा' या 'ना' में आ सकता हो तो What का प्रयोग नहीं होता।
क्या वह जाता है ? Does he go ?

End Position of the Preposition

1. To whom did you give that book ?

या, Whom did you give that book to ?

तुमने यह पुस्तक किमको दी ?

2. From where do you come ? या, Where

do you come from ?

नोट—ऊपर के कुछ वाक्यों में Preposition वाक्य के अन्त में
रखा गया है—ये वाक्य अधिक चालू और प्रचलित माने जाते हैं।

Where does the rain come *from* ? It comes
from the clouds.

May I come ? Shall I come ?

दोनों में भेद

दोनों ही प्रश्नवाचक हैं यदि मैं आप से कहूँ May I come ?
(क्या मैं आ सकता हूँ ?) तो इसका तात्पर्य होगा—मैं आना चाहता हूँ
और इमने बिना आपकी इजाजत चाहता हूँ। यदि मैं कहूँ—Shall I
come ? (क्या मैं आऊँ ?) तो इसका तात्पर्य यह होगा—यदि आप
चाहते हो कि मैं आऊँ तो मैं आ सकता हूँ—इसमें मेरी निज ही इच्छा
का कोई प्रश्न नहीं। उपर्युक्त प्रश्नवाचक वाक्यों Shall और May में
यही अन्तर है।

मुझे जाना पड़ेगा—(I must go. या I shall go.)

नीचे निम्न वाक्यों को याद करो—

1. Who (कीन) (कर्ताकारक में)

ऊन पर कौन है ? या कौन-कौन हैं ?

Who gave you this pen ?

यह बलम तुम्हे किसने दी ?

Who has got a pen ?

किसके पास है ? किस-किस के पास है ?

Who is crying ?

कौन बिल्ला रहा है ?

Who was absent yesterday ?

किस कौन अनुपस्थित था ?

Who are these men ?

ये आदमी कौन हैं ?

2. Whose (किसका) (सम्बन्ध में)

Whose pen is this ?

यह किसकी बलम है ?

Whose books are lying there ?

किसकी किताबें वहाँ पड़ी हैं ?

3. Whom (किसको, किसे) (बर्तनकारक में)

Whom do you want ? आप किसे चाहते हैं ?

To whom did you write that letter ?

वह पत्र आपने किसे लिखा ?

With whom did you go there ?

तुम किसके साथ वहाँ गये ?

By whom were you beaten ? तुम किसके द्वारा पीटे गये ?

4. What (क्या)

What will you eat ? तुम क्या खाओगे ?

What game do you play ? तुम कौन सा खेल खेलते ?

What time is it ? क्या समय हुआ ? (दिनांक पूछने के लिए)

जवाब 'हां' या 'ना' में आ सकता हो तो What का प्रयोग नहीं होता।
क्या वह जाता है ? Does he go ?

End Position of the Preposition

1. To whom did you give that book ?

या, Whom did you give that book to ?

तुमने यह पुस्तक किसे दी ?

2. From where do you come ? या, Where
do you come from ?

नोट—ऊपर के कुछ वाक्यों में Preposition वाक्य के अन्त में
रखा गया है—ये वाक्य अधिक चालू और प्रचलित माने जाते हैं।

Where does the rain come from ? It comes
from the clouds.

May I come ? Shall I come ?

दोनों में भेद

दोनों ही प्रश्नवाचक हैं यदि मैं आप से कहूं May I
(क्या मैं आ सकता हूँ ?) तो इसका तात्पर्य होगा—मैं आ
और इसके लिये आपकी इजाजत चाहता हूँ। यदि मैं
come ? (क्या मैं आऊँ ?) तो इ
चाहते हो कि मैं आऊँ तो मैं आप
का कोई प्रश्न नहीं। उपर्युक्त
यही अन्तर है।

मुझे जाना पड़ेगा—

नीचे निम्न

1. Who

How is your mother ? तुम्हारी माँ की तबीयत कमी है ?

How old are you ? तुम्हारी क्या उम्र है ?

How many pens have you ? तुम्हारे पास कितनी कलमें है ?

How many boys are there in your class ?

तुम्हारी कक्षा में कितने लड़के हैं ?

How much milk do you drink ? तुम कितना दूध पीते हो ?

How kind you are ! अरर कितने दयालु है (you are very kind)

How lucky I am ! = I am very lucky.

EXERCISE 22

Translate into English--

१. तुम स्कूल कब जाया करते हो ? २. तुमको अग्रेजी कौन पढ़ाना ?
३. चपरासी घटी बजाया करना है । ४. क्या तुम कल स्कूल गये थे ?
- तुम कब कब स्कूल गये थे ? ५. तुम क्या चाहते हो ? ७. दरवाजा
- तुमने खोला ? ८. तुमने क्या खरीदा ? ९. तुम कब उठते हो ? १०.
- तुमको कितने देखा ? ११. तुमने किसको देखा ? १२. तुमने मेरी पुस्तक
- हा रखी है ? १३. यह कितनी पुस्तक है ? १४. कौन-सी सन्दूक में तुमने
- रखे रखे है ? १५. कितने बजे हैं ? १६. वह कितनी निर्दयी है ?
- How cruel he is !* १७. कौन-कौन बैठे हुए हैं ? (Who is sitting)
१८. कक्षा में क्या-क्या है ? What is in the class room ? (उत्तर) कक्षा में चार मेजें और दो कुर्निया हैं। (There are four tables and two chairs in the class room)
१९. बड़ा कौन है ? २०. उसने किसको धक्का दिया ?

What colour is your turban ? तुम्हारी पगड़ी का रंग क्या है ?

What o'clock is it ? कितने बजे हैं ?

What day is it ? आज कौन-सा दिन है ? (It is Sunday to day)

With what do you write ? तुम किससे लिखते हो ?

I write with my pen.

What have you in your hand ? तुम्हारे हाथ में क्या है ?

5. Which (कौन-सा)

Which is your pen ? तुम्हारी कौन-सी कलम है ?

Which pen will you give ? तुम कौन-सी कलम दोगे ?

In which room do you live ? तुम किस कमरे में रहते हो ?

6. When (कब)

When do you go to school ?

तुम कब स्कूल जाते हो ? (आसानी से)

When did you come ? कब आये ?

When will the train start ? गाड़ी कब निकलेगी ?

7. Where (कहाँ)

Where do you live ? तुम कहाँ रहते हो ?

Where is your brother ? तुम्हारा भाई कहाँ है ?

Where are you going ? तुम कहाँ जा रहे हो ?

8. Why (क्यों)

Why were you absent yesterday ? तुम कब मर्यादा क्यों रहे ?

Why do you drink tea ? तुम क्या पाने पीते हो ?

Why is he crying ? वह क्यों रो रहा है ?

9. How (कैसे)

How is your mother ? तुम्हारी माँ की तबीयत कैसी है ?

How old are you ? तुम्हारी उम्र कितनी है ?

How many pens have you ? तुम्हारे पास कितनी कलम हैं ?

How many boys are there in your class ?

तुम्हारी कक्षा में कितने लड़के हैं ?

How much milk do you drink ? तुम कितना दूध पीते हैं ?

How kind you are ! ध्यान केंद्रित रखो ! You are very kind.

How lucky I am ! = I am very lucky.

EXERCISE 22

Translate into English--

१. तुम स्कूल बंद जाया करत हो ? २. तुम्हारा घर कैसा बड़ा है ?
३. चण्डीगढ़ी घटी बजाया करता है । ४. क्या तुम बहुत अच्छे छात्र हो ?
५. तुम कब कब स्कूल गये थे ? ६. तुम कब चले जाते हो ?
७. कितने मोटा ? ८. तुमने क्या खरीदा ? ९. तुम कब जाओगे ?
१०. तुम्हारे किंगने देना ? ११. तुमने किंगको देना ? १२. तुमने माँ/पिता को क्या कहा है ?
१३. यह किसकी पुस्तक है ? १४. कौन-सा क्लास रूम है ?
१५. कितने बच्चे हैं ? १६. वह 'य' का अर्थ क्या है ?
- (How cruel he is !) १७. कौन-कौन बंटे हुए हैं ? (Who is sitting)
१८. कक्षा में क्या-क्या है ? What is in the class room ? (उत्तर) कक्षा में चार मंजें और दो कुर्ची हैं । (There are four tables and two chairs in the class room.)
१९. क्या बोन है ? २०. उसने किंगको क्या कहा ?

LESSON 19

Conjugation of Verbs

(Present, Past and Past Participle Forms)

पिछले पाठो में तुम क्रिया के Past Tense का प्रयोग सीख चुके हो, अब Past Participle का प्रयोग समझो—

Present Tense: *I write* a letter to my friend
(write)

Past Tense: *I wrote* a letter yesterday. (wrote)

Past Participle: *I have written* a letter (written)

मैंने पत्र लिख दिया है, मैं पत्र लिख चुका हूँ, मैंने पत्र लिखा है।

इस अध्याय में हम Present, Past एवं participle का वर्गीकरण स्वरशास्त्र (Phonetics) के आधार पर करेंगे जिससे छात्रों को लिस्ट याद करने में सुविधा हो। पुस्तक में माधारणतया alphabetical order में यह लिस्ट दे दी जाती है जिनका व्यवहार शब्दरोप की भाँति भले ही हो सके, परन्तु अध्ययन के दृष्टिकोण से यह पद्धति उपयोगी नहीं मानी जा सकती।

सर्वप्रथम हम वैसे verbs लेंगे जिनका Past Participle 'n' '(न)' की ध्वनि जोड़ने से बनता है—जैसे bite-bit-bitten, write-wrote-written, ऐसी क्रियाओं को हम चार भागों में विभक्त करेंगे।

a b b—Past और Past Participle की मूल स्वर ध्वनि समान और Present की भिन्न।

a b a—Present और Past Participle की मूल स्वर-ध्वनि (root vowel) समान और Past की भिन्न।

a a a—तीनों का मूल स्वर एक-सा।

a b c—तीनों के मूल स्वर भिन्न।

Example—rise (राइज) rose (रोज) risen (रिजन्)
 'rise' में 'i' की ध्वनि 'राइ' की तरह, 'risen' में 'i' की ध्वनि 'इ'
 की तरह, बीच वाले शब्द 'रो' का उच्चारण, तीनों की स्वर ध्वनि अस्-
 मान। अतः यह प्रिया a b c के अन्तर्गत जायेगी।

Present (a)	Past (b)	Past Participle (c)
Break ब्रेक तोड़ना	broke तोड़ा	broken तोड़ा हुआ
Wake जागना, जगाना	woke बोक	woken बोकन, जागा हुआ
Choose चुनना	chose चोज चुना	chosen बीजेन चुना हुआ
Speak बोलना	spoke बोला	spoken बोला
Freeze फ्रीज में जमाना	froze फ्रीज	frozen जमा हुआ
Steal चुराना	stole चुराया	stolen चुराया हुआ
Bite दान से काटना	bit काटा	bitten काटा हुआ
Hide छिपाना	hid	hidden छिपा हुआ
Tread ट्रेड, पैर में कुचलना	trod ट्राड	trodden ट्राडन
Forget फॉरगेट भूलना	forgot फॉरगॉट	forgotten फॉरगॉटन
Fall फाल गिरना	fell फेल गिरा	fallen फालन, गिरा हुआ
Give गिव देना	gave गेव दिया	given गिवन दिया हुआ
Eat ईट खाना	ate एट खाया	eaten ईटन
Bid बिड आजा देना	bade बेड	bidden बिडन
See सी देखना	saw सॉ देखा	seen देखा हुआ
Draw ड्रा खींचना	drew ड्रू खींचा	drawn खींचा हुआ
Grow ग्रो उगना, उगाना	grew ग्रू	grown ग्रोन
Throw थ्रो फेंकना	threw थ्रू फेंका	thrown थ्रोन
Know नो जानना	knew न्यू जाना	known नोर
Blow ब्लो हवा चलना	blew ब्लू	blown ब्लोन

<i>Present</i> (a)	<i>Past</i> (b)	<i>Part Participle</i> (b)
Spin गिर बुलना	spun गरा	spun गिरना
Clung चिपकना	clung चरग	clung चलग
Flung फिग पेरना	flung फरग	flung
Swung सिग भुलना	swung सरग	swung
Won विन जीतना	won वा जीत	won वा
Hang लटकना	hung रग	hung
Hang पलने देना	hanged गिर	hanged
Shine जलना चमकना	shone घो	shone
Come बन घनना	came वेग	come कम
Become बिकस गीत	became बिकस	become
Run रन, रीटना	Ran रन	Run रन
Begin बिगिन, शुरु करना	begun बिगी	begun बिगिन
Drink टिक पीना	drank टिक	drunk टिक
Sink सिंक, डूबना	sank सिक	sunk सक
Swim सिम, नैरना	swam स्वैम्	swum स्वम्
Stink स्तिक बदबू देना	stank स्टिक	stunk स्टिक
Shrink सिंकुटना	shrank श्रंक	shrank श्रङ्क
Ring बजना, बजाना	rang रंग	rung रग
Spring उछलना	sprang	sprung
बुद्ध विरायें ऐसी हैं जिनका <i>Past</i> एवं <i>Participle</i> एक से हैं —		
Bring ब्रिंग लाना	brought	brought ब्रॉट्
Catch कैच पकडना	caught काँट पकडा	caught
Teach पढाना सिखाना	taught टॉट पडाया	taught
Think मोचना	thought थॉट् सोचा	thought

<i>Present</i> (a)	<i>Past</i> (b)	<i>Past Participle</i> (c)
Buy बाइ, खरीदना	bought बाँट् खरीदा	bought
Fight फाइट, लड़ना	fought फाँट लड़ा	fought
Seek सीक, ढूँढ़ना	sought साँट	sought
Beseech बिसीच, प्रार्थना करना	besought बिमाँट्	besought
Spend स्पेंड, खर्च करना	विताना	spent स्पेंट
Send सेंड, भेजना	sent सेंट भेजा	sent
Make मेक बनाना	made	made
Lend उधार देना	lent लेंट	lent
Build बिल्ड बनाना	built बिल्ड्	built
Bend भुकना, झुकाना	bent बेंट	bent
Have रखना, लेना	had	had
Get पाना	got	got
Meet मीट, मिलना	met मेट, मिला	met
Sit सिट, बैठना	sat साँट	sat
Shoot बन्दूक चलाना	shot	shot
तीर चलाना		
Read रीड, पढ़ना	read रैड्	read रेंड्
Lead लीड, मार्ग दिखाना	led लेड	lad
Speed जल्दी	sped स्पेड	sped
Lean लीन झुकना	leant	leant
Sell सेल, बेचना	sold	sold
Tell टेल, कहना, सुनाना	told टोल्ड	told
Hear हीयर, सुनना	heard हर्ड मुना	heard
Say कहना	said सेड कहा	said
Hold पकड़ना, धामना	held हेल्ड	held

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Past Participles</i>
(a)	(b)	(b)
Stand सदा होना	stood स्टूड	stood
Find फाउंड, पाना	found फाउण्ड	found
Grind ग्राइण्ड-पीसना	ground ग्राउण्ड	ground
Wind वाइण्ड, लपेटना	wound वाउण्ड	wound
Bind बाइण्ड, बाधना	bound बाउण्ड	bound
Feed फीड, खिलाना	fed खिलाया	fed
Bleed ब्लीड, खून निकालना	bled ब्लेड	bled
Breed ब्रीड पैदा करना	bred ब्रेड	bred
Creep क्रीप, रेंगना	crept क्रेप्ट	crept
Light जलाना	lit, lighted	lit, lighted
Spit स्पिट, धुकना	spat स्पेट	spat
Deal डील	dealt डेल्ड	dealt
Feel फीलुमत्र करना	felt फेल्ड	felt
Kneel नील घुटना टेकना	knelt	knelt
Mean	meant मेन्ट	meant
Leave लीव, छोड़ना	left	left
Lose लूज, खोना	lost लॉस्ट	lost
Leap लीप, उछलना	leapt लेप्ट	leapt
Keep कीप, रखना	kept केप्ट	kept
Sleep स्लीप, सोना	slept स्लेप्ट	slept
Sweep स्वीप, भाड़ू देना	swept स्वेप्ट	swept
Weep वीप, रोना	wept वेप्ट	wept
Burn जलाना, जलाना	burnt	burnt
Learn सीखना	learnt, learned, learnt	learned
Spoil साराज, नष्ट करना	spoilt, spoiled	spoilt, spoiled

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Past Participle</i>
(a)	(b)	(c)
Smell स्मेल, सूँघना	smelt स्मैल्ट	smelt
Dwell ड्वेल, रहना	dwelt ड्वैल्ट	dwelt

कई ऐसे भी *Verbs* हैं जिनका *Past* तथा *Past Participle* 'd' के जोड़ने से बनता है—

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Past Participle</i>
Climb क्लाइम्ब, चढ़ना	climbed चढ़ा	climbed
Beg बैग, भीख माँगना	begged बैगडे	begged
Kill जान से मारना	killed किल्लेड	killed
Tease टीज, चिढ़ाना, तंग करना	teased टीज्ड	teased
Hang हैग, फासी देना	hanged हैगड	hanged
Fell गिराना	felled गिराया	felled
Sow सो, बोना	sowed बीज बोया	sowed
Try कोशिश करना	tried कोशिश की	tried
Move मूव, हिलाना	moved मूवड	moved
Prove प्रूव, सिद्ध करना	proved प्रूवड	proved
Show शो, दिखाना	showed दिखाया	showed

नोट—ऊपर की क्रियाओं, 'd' का उच्चारण 'ड' की तरह ही होता है,—begged बैगडे, killed किल्लेड आदि । परन्तु नीचे की क्रियाओं में 'd' का उच्चारण 'ट' की तरह होता है । talked टॉल्ट, dropped ड्रॉप्ट, snuffed स्नफ्ट आदि ।

चाहना	Liked लाइव्ट	liked
	kicked किक्ट	kicked
	looked लुक्ट	looked
	jumped जम्प्ट	jumped

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Present Perfect</i>
Ask पूछना	asked आस्वट्	asked
Wish विषय चाहना	wished विश्ट्	wished
Fix फिक्स् स्थिर रहना	fixed फिक्स्ट	fixed
Drop ड्रॉप डालना	dropp:d ड्रॉप्ट्	dropped
Cross पार करना	crossed क्रॉस्ट्	crossed
Lock लॉक, ताला लगाना	locked लॉक्ड्	locked
Talk टॉक बातचीत करना	talked टॉक्ड्	talked
Place प्लेस, रखना	placed प्लेस्ट्	placed
Reach पहुँचना	reached रीच्ड्	reached
Preach प्रीच, उपदेश देना	preached प्रीच्ड्	preached
Hop हॉप, उछलना	hopped हॉप्ड्	hopped
Whip व्हिप, चाबुक मारना	whipped व्हिप्ड्	whipped
Miss मिस, खोना, चूकना	missed मिस्ट्	missed
Vanish वॅनिश, गायब होना	vanished वॅनिश्ट्	vanished
Stop स्टॉप, रुकना रोचना	stopped स्टॉप्ड्	stopped
Snatch स्नैच, भगटना, छीनना	snatched स्नैच्ट्	snatched
Pass पास, गुजरना पास होना	passed पास्ट्	passed

नोट—जिन क्रियाओं के अन्त में f, k, p, ck, या ch, s sh, या x हो और उनके अन्त में 'd' या 'ed' का उच्चारण 't' की भाँति अर्थात् 'ट' होता है देखो नीचे उदाहरण—

Count काउण्ट गिनना	counted काउण्टिड	counted
Tempt टेम्प्ट ललचना	tempted टेम्प्टिड	tempted
Scold स्कॉल्ड, फबकारना	scolded स्कॉल्डिड	scolded
Want वाण्ट, चाहना	wanted वाण्टिड	wanted
Shout शाउट, बिन्नाना	shouted शाउटिड	shouted
Wait वेट, इन्तजार करना	waited वेटिड्	waited

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Past Participle</i>
Waste वेस्ट, नष्ट करना	wasted वेस्टिड्	wasted
Tasted टेस्ट, चखना	tasted टेस्टिड्	tasted
Melt मेल्ट, पिघलना	melted मेल्टिड्	melted

Note—(1) अंग्रेजी में जितनी नई क्रियाएँ बनी हैं—चाहे वे दूमरी भाषाओं के शब्दों से बनी हों अथवा गड़ी गई (coined) हों—उन सबका Past Tense 'ed' जोड़कर बनाया जाता है जैसे motored, telephoned, filmed, radioed, cycled, torpedoed, looted (लूट लिया), boycotted आदि। I motored him to the station. I motored my friend home. मैं अपने मित्र को मोटर द्वारा घर ले गया।

(2) कुछ Verbs ऐसे हैं जिनका Present, Past तथा Past Participle रूप ही एक रहता है।

Cut कट, काटना	cut कट	cut कट
Spread स्प्रैड, फैलाना	spread	spread
Put पुट, रखना	put	put
Burst बर्स्ट, फटना	burst	burst
Hit हिट, चोट मारना	hit	hit

अन्य उदाहरण—shut, let, set upset, cast, hurt, bet (बाजी लगाना, शर्त लगाना) hurt आदि।

EXERCISE 23

निम्नलिखित क्रियाओं का Past Tense और Past Participle लिखो—

- cut, teach, break, go, come, buy, write,
win, know, catch, sing, steal, fear, find
be (be—was—been).

LESSON 20

Present Perfect Tense

<i>Present</i>	<i>Past</i>	<i>Present Perfect</i>
Go	went	have gone
Buy	bought	have bought
Begin	began	have begun
Lose लूज्	lost	have lost
Write	wrote	have written

'Have' या 'Has' के साथ क्रिया का Past Participle रूप रख देने से Present Perfect Tense बनता है, जैसे—

'Write' क्रिया का Past Participle है 'Written' प्रयोग होगा—I have written. मैं लिख चुका हूँ, मैंने लिख दिया है। He has written वह लिख चुका है, उसने लिख दिया है।

1. They *have gone* to the field.

वे मैदान चले गये हैं।

2 I *have bought* a new book.

मैंने एक नई किताब खरीदी है। मैं एक नई किताब खरीद चुका हूँ।

3 He *has begun* the work.

उसने काम शुरू कर दिया है। वह काम शुरू कर चुका है।

4 Ram *has lost* his hat.

राम ने घपना टोप खो दिया है।

(a) सभी-सभी समाप्त होने वाले कार्य (action just finished) को बताने के लिए Present Perfect Tense काल में आता है।

Have you taken your food ? क्या तुम खाना खा

हो ? Yes, I have taken my food हां मैं खाना खा चुका हूँ।
मैंने खाना खा लिया है। भोजन समाप्त करके तुम अपना हाथ धो रहे



हो, खाने का काम तुमने अभी
समाप्त किया है वर्तमान समय में
कार्य का पूरा होना बताने के लिए
Present Perfect Tense का
व्यवहार होता है जैसे—*I have*
broken the glass. मैंने ग्लास

तोड़ दी है।

(b) वक्ता के जीवन काल में एक या अधिक बार घटित हुई बात को कहने के लिए भी इस Tense का प्रयोग होता है। *I have played tennis. We have lived in Agra,*

Note—एक बात ध्यान रखना Present Perfect Tense वर्तमान काल से सम्बन्धित है इसलिए भूतकाल सूचक समय का व्यवहार इसके साथ मत करना। *I have seen it last year.* (गलत है) *I saw it last year.* (सही है) *I have received your letter yesterday.* (गलत है) *I received your letter yesterday.* (सही है) *The train has arrived a minute ago.* (गलत है) *The train arrived a minute ago* (सही) (मिनिट)।

ध्यान—घांपने बताया इस Tense के साथ भूतकाल सूचक शब्द (yesterday, last night, a minute ago, 1955, some years ago, once आदि) काम में नहीं आते हैं। तो फिर कौन सा ऐसा समय सूचक शब्द है जिनका प्रयोग हम इन Tense के साथ कर सकते हैं।

शिक्षक—हम इन Tense के साथ 'today', 'this after-

noon', 'this week', 'this month', 'this year' आदि का प्रयोग कर सकते हैं जैसे—*He has played well to-day*. ध्यान रहे *to-day* भूतकाल सूचक शब्द नहीं है। इसी तरह *He has played this year* सही है। 'this year' में 'year' का कुछ हिस्सा बीत गया और कुछ बीतना और बाकी है, अतः 'this year' पूरा भूतकाल सूचक क्रिया विशेषण नहीं है। ध्यान रहे इन समय-सूचक क्रिया-विशेषणों के साथ Simple Past का भी प्रयोग हो सकता है, क्योंकि वृद्ध अथवा मेरे भूतकाल से भी सम्बन्धित हैं। जैसे—

He played well to-day (या *this week, this afternoon* आदि)।

Pre-ent Perfect Tense के साथ इन समय-सूचक क्रिया-विशेषणों का प्रयोग किया जाता है—**JUST, NOW, ALREADY, YET, NOT YET** आदि।

I have just come into this room. मैं अभी इस कमरे में आया हूँ। *He has now done his work* वह अपना काम कर चुका है।

The doctor has just got down from his car. डा० अपनी कार में अभी उतरा है। *I have already told you this thing.* यह बात मैं तुम्हें पहले ही कह चुका हूँ। *already-आगेसेही, पहले से ही। He has*



already done his work. वह अभी अपना काम कर चुका है, वह पहले ही यह काम कर चुका है।

(C, आश्रित वाक्य में future time दर्शाने के लिए) धी-आ

soon as I *have finished* my dinner, I will go out for a walk.

Have you done your work *yet* ?

तुमने अपना काम अभी तक पूरा किया है या नहीं ?

He has *not yet* finished his work.

उसने अभी तक अपना काम पूरा नहीं किया है ।

I have never failed *yet* (as yet.)

मैं अभी तक कभी फेल नहीं हुआ हूँ ।

Have you *ever* seen the Taj ?

क्या तुमने ताजमहल देखा है ?

I have *never* seen it.

मैंने उसे कभी नहीं देखा है ।

Note—ध्यान रहे I have *just* seen it. (सही), I have *just now* seen it (गलत है) I *saw* it just now, (सही) है । अंग्रेजी के आधुनिक व्यवहार के अनुसार *just now* का प्रयोग प्रायः भूतकाल के लिए किया जाता है । What did you say *just now* आपने अभी क्या कहा ?

EXERCISE 24

Translate into English :-

उसने एक शेर मारा है । क्या उसने एक खेर मारा है ? उसने खेर नहीं मारा है । उसने अभी अपना काम पूरा नहीं किया है । मैं वह पुस्तक पहले ही खोटा चुका हूँ । उसने अभी तक अपना काम पूरा नहीं किया है । क्या उसने अभी तक अपना काम पूरा नहीं किया ? क्या तुमने कभी रामायण (the Ramayan) पढ़ी है ? स्लेट किसने तोड़ी है ? क्या राम ने इस स्लेट को तोड़ा है ? उसने अब (now) एक नई कार खरीदी है । क्या तुम अभी-अभी (just) खाना खाई । मैंने उसे एक बार भी नहीं देखा

LESSON 21

Present Perfect Tense

With *Since* and *For*

इस अध्याय में Present Perfect के साथ 'since' और 'for' प्रयोग समझा जायगा ।

'To be' प्रिया का Past Participle रूप 'been', 'has' बनता है । मान लो मैं तुम्हारे यहाँ १० बजे आया और इस १२ बजे है और अभी तुम्हारे यहाँ ही हूँ । मैं कितने समय से यहाँ मैं दो घण्टे से यहाँ हूँ—इस वाक्य की अर्थोक्ति होगी I have been here for two hours—मैं कब से यहाँ हूँ—मैं दस बजे से यहाँ हूँ—इस वाक्य की अर्थोक्ति होगी—I have been here since 10 o'clock.

आगे लिखे वाक्यों की ध्यान से पढ़ो—

India became independent in 1947.

soon as I *have finished* my
for a walk.

Have you done your work

तुमने अपना काम अभी तक पूरा कि
He has *not yet finished* !

उसने अभी तक अपना काम पूरा न
I have never failed *yet* !

मैं अभी तक कभी फेल नहीं हुआ

Have you *ever seen* this

क्या तुमने ताजमहल देखा है ?

I have *never seen* it.

मैंने उसे कभी नहीं देखा है ।

Note—ध्यान रहे I

just now seen it (मल)

अंग्रेजी के आधुनिक व्यवहार

भूतकाल के लिए किया जाता

आपने अभी क्या कहा ?

Translate into English

उसने एक शेर को

नहीं मारा है । उसने अभी

पहले ही लीटा चुका है

क्या उसने

I have been to the zoo. मैं चिटिया घर जो आया हूँ ।

Has Ram been to the zoo ?

क्या राम चिटिया घर जो आया है ?

Have you ever been to Agra ?

क्या तुम कभी आगरा गये हो ?

(i) *I have lived in Bombay* (Finished use)

(ii) *I have lived in Bombay for three years*

(Unfinished use)

पहले वाक्य का अर्थ है—मैं बम्बई में रह चुका हूँ—(मैं उस समय बम्बई में नहीं रहता हूँ) दूसरे वाक्य का अर्थ है—मुझे बम्बई में रहने तीन वर्ष हो गये हैं। (तीन वर्ष पहले मैं न बम्बई में रहना शुरू कर दिया और मैं उस समय भी बम्बई में रहता हूँ।) उस वाक्य का अर्थ यह भी हो सकता है—मैं तीन वर्ष तक बम्बई में रह चुका हूँ। (यह स्पष्ट नहीं कि व्यक्ति यह बात कतन समय बम्बई में रहता हो) जैसा—*At present I don't live in Bombay But I have lived there for three years.* ऊपर पहले वाक्य में Present Perfect का 'finished use' हुआ है और दूसरे में *unfinished use* हुआ है। Present Perfect के साथ 'since' या 'for' लगाने में इनका unfinished use होता है—बाय की अनमूर्ति प्रकृत करता है—यह साधारण नियम है। *I have used this cat for ten years.* (दो वर्ष)

(i) इस कार को काम में लेने मुझे दस वर्ष हो गये हैं।

(घब भी ले रहा हूँ।)

(ii) मैंने दस वर्ष तक इस कार को काम में लिया है।

(यह आवश्यक नहीं घब भी काम में लेता हूँ।)

1. *I have lived here since 1950.*

भारत सन् १९४७ में स्वतन्त्र हुआ ।

It is now 1985 and India is still independent

अभी १९८५ चल रहा है और भारत अभी भी स्वतन्त्र है ।

So India has been independent for thirtyeight years.

अतः भारत ३८ साल से स्वतन्त्र है ।

Since when has India been Independent ?

भारत कब से स्वतन्त्र है ?

India has been independent since 1947.

भारत १९४७ स्वतन्त्र है ।

I have been in this school for four years.

मैं चार साल से इस स्कूल में हूँ ।

How long have you been here ?

तुम यहाँ कितनी देर से हो ?

I have been here for two hours.

मैं यहाँ दो घण्टे से हूँ ।

Since when have you been here ?

तुम यहाँ कब से हो ?

I have been here since 7 o'clock

मैं यहाँ सात बजे से आया हूँ ।

He has been ill since yesterday

वह कल से बीमार है ।

This school has been here for ten years.

यह स्कूल दस साल से यहाँ है ।

He has been to Bombay three times.

वह तीन बार बम्बई हो आया है । (भाव—वह आज तक तीन बार गया और वापस आया) ।

I have been to the zoo मैं बिड़िया घर हो आया हूँ ।

Has Ram been to the zoo ?

क्या राम बिड़िया घर हो आया है ?

Have you ever been to Agra ?

क्या तुम कभी आगरा गए हो ?

(i) *I have lived in Bombay* (Finished use)

(ii) *I have lived in Bombay* for three years

(Unfinished use)

पहले वाक्य का अर्थ है मैं बम्बई में रह चुका हूँ—(मैं इस समय बम्बई में नहीं रहता हूँ) दूसरे वाक्य का अर्थ है—मुझे बम्बई में रहने तीन वर्ष हो गए हैं । (तीन वर्ष पहले मैंने बम्बई में रहना शुरू कर दिया और मैं इस समय भी बम्बई में रहता हूँ) इस वाक्य का अर्थ यह भी हो सकता है—मैं तीन वर्ष तक बम्बई में रह चुका हूँ । (यह आवश्यक नहीं कि व्यक्ति यह बात कहने समय बम्बई में रहता हो, जैसे—*At present I don't live in Bombay But I have lived there for three years.*) ऊपर पहले वाक्य में *Present Perfect* का *finished use* हुआ है और दूसरे में *unfinished use* हुआ है । *Present Perfect* के साथ 'since' या 'for' लग जाने से इसका *unfinished use* होता है—कार्य की असमाप्ति प्रकट करता है—यह साधारण नियम है । *I have used this car for ten years.* (दो अर्थ)

(i) इस कार को काम में लेते मुझे दस वर्ष हो गए हैं ।

(अब भी ले रहा हूँ ।)

(ii) मैंने दस वर्ष तक इस कार को काम में लिया है ।

(यह आवश्यक नहीं अब भी काम में लेता हूँ ।)

1. *I have lived here since 1950.*

मैं यहाँ सन् १९५० से रहता हूँ ।

He has had fever for three days.

उसे तीन दिन से बुखार आ रहा है ।

2. **Ram has helped me since I came here.**

जब से मैं यहाँ आया हूँ तब से राम मेरी सहायता करता रहा है ।

3. **I have not seen Ram since Monday last.**

मैंने पिछले सोमवार से राम को नहीं देखा है ।

Note—उपर के वाक्यों में यह स्पष्ट है कि **Present Perfect**

Tense का प्रयोग कभी-कभी उन कार्यों के लिए भी होता है जो भूतकाल में प्रारम्भ होकर वर्तमान काल तक चालू रहे । ऐसी अवस्था में समय-सूचक शब्द के साथ *since* या *for* का प्रयोग करना जरूरी है । **I have known him for a long time.** मैं उसे बहुत समय से जानता हूँ । **I have lived here for five years** तथा **I have been living here for five years** (**Perfect Continuous**) में क्या अन्तर है ? इनका स्पष्टीकरण नीचे दिया जाता है :-

नोट:—(i) I have lived here for three years.

(ii) I have been living here for three years.

इस दोनों वाक्यों में अन्तर क्या है ? (i) मुझे यहाँ रहते तीन वर्ष हो गये हैं—मेरा रहने का काम भूतकाल में प्रारम्भ हुआ—इस समय भी जारी है अर्थात् मैं इस समय भी यहाँ रहना हूँ किन्तु भविष्य में मेरा रहने का कार्य चालू रहेगा—यह निश्चित नहीं है । (ii) मैं तीन वर्ष से यहाँ रहना आ रहा हूँ—मेरा रहने का कार्य तीन साल पहले प्रारम्भ हुआ, इस समय तक जारी है और भविष्य में जारी रहने की संभावना है ।

Simple Past और **Present Perfect** में अन्तर समझो—

I lived here for two years. (बुद्धि वर्ष पहले) मैं दो वर्ष

यहाँ रहा (अब नहीं रहता हूँ) । (एक ही कार्य)

I have lived here for two years दो (घं) (i)
मुझे यहाँ रहने दो वर्ष बीत गये हैं । (मैं इन समय भी यहाँ रहता हूँ । (ii) मैं यहाँ दो वर्ष तक रह चुका हूँ । (अब नहीं रहता हूँ । (अब नहीं रहता हूँ ।)

I was at your house for two hours.

मैं दो घण्टे तक तुम्हारे घर पर रहा ।

He has always been a good friend to me
(i.e., he is still alive).

He has been a good friend to me

(i.e., he is no more alive.)

EXERCISE 25

Translate into English —

LESSON 22

CAUSATIVE VERB

Have (or Get) it done

1. I do this work myself. इस काम को मैं स्वयं करना हूँ।
2. I have it done by someone else या (I get it done by someone else.) मैं इस काम को दूसरे से करवाता हूँ।
He will do the work यह इस काम को करेगा।
He will get the work done. यह इस काम को करवायेगा।
3. He is building a house. वह एक महान बना रहा है।
He is having a house built. वह एक महान बनवा रहा है।
4. I despatched the goods, मैंने माल रवाना किया।
I got the goods despatched रवाना करा किया।
5. He cleaned his room. उसने कमरे को साफ किया।
He got his room cleaned. साफ करवाया।
6. Do this work. इस काम को करो (तुम स्वयं)।
Get it done या Have it done इसको करवा लो (किसी दूसरे से)।
Can't you get it done? क्या तुम इस काम को नहीं करवा सकते?

I shall get my hair cut. मैं बाल कटाऊंगा (कटवाऊंगा)।

Note—ऊपर प्रेरणार्थक क्रिया (Causative verb) के कुछ नमूने दिये हैं। इन क्रियाओं में 'get' या 'have' के बाद object (कर्म) आता है और object के बाद Past Participle का प्रयोग होता है।
I got my shoes repaired या I had my shoes repaired मैंने अपने जूतों की मरम्मत करवाई। You

must get (or have) your hair cut. तुम्हें बाल कटवा लेने चाहिये। Get your coat washed. छाने कोट को धुलवा लो।

EXERCISE 26

मैं कल तक (by to-morrow) यह कर लूंगा। मैं कल तुम्हें सजाऊंगा (will have you punished)। मैं अपने लडके का अपने विद्यालय में भर्ती कराना चाहता हूँ। मैं मान तुलवा लो। मैं अपनी मोटर गाड़ी की बीमा करा ली हूँ (I have got my car insured)। तुम बाल कहाँ कटवाने हो? मैं तुम्हें स्कूल में निकाल दूँगा। तुम्हें कमरे का सफेदी करवानी कर लेनी चाहिये (must have the room white-washed)। हमने पटा को बटवा दिया। वह एक मकान बनवा रहा है। उसमें एक मकान बनवाया। तुम्हें पता पता ठीक करा लेना चाहिये। तुमने यह पता किससे लिखाया? (By whom did you get)। उनमें नहीं बगलों को ठीक करा दिया। मैं उस पुस्तक को खिंचवा सकता हूँ। मैं उस दीवार को गिरवा सकता हूँ (pull down)। मैं माची से अपने जूतों को मरम्मत करवा रहा हूँ। I have my shoes mended by a cobbler। जिसका नाम है। उसने मेरे जूते सफेद करवाये। मैं नौकर से पत्र का डक में छोड़वाया। तुम्हें यह कुर्सी कब बनवादी? (When did you have that chair made)?

बटिन शब्द अभी बराबर get my son admitted to school, weight, नाम न luggage, स्कूल में लिख कर expect from school, काट डालना cut down, टौर बनना repair, बर्बाद कर waste paper, पत्र डक में (छोड़ना) to post a letter। Get the luggage (तुम्हें) weighed कर।

LESSON 23

2. *Read this book.* इस किताब को पढ़ो ।
 3. *Sit down.* बैठ जाओ । *Help me* मेरी मदद करो ।
 4. *Speak slowly* धीरे-धीरे बोलो *Love me.* मुझे प्यार करो ।
 5. *Shut the door* दरवाजा बंद करो ।
 6. *Be honest.* ईमानदार बनो *Be a good boy.*
 7. *Be kind to your little brothers and sisters*
 8. *Always stand up when your teacher comes in the room.*
 9. *Always speak the truth* (द्रुष) सभ्य
 10. *Keep your hands clean.* हाथ साफ रखो ।
- B 1. *Please give me your book.* कृपया अपनी पुस्तक मुझे दें ।
2. *Kindly help me* कृपया मेरी सहायता करें ।
 3. *Please let me go now* कृपया अब मुझे जाने दो ।
 4. *Excuse me, Sir* महानम जी, मुझे क्षमा कीजिए ।
- C 1. *Do not tell a lie.* झूठ मत बोलो ।
2. *Do not spit on the wall* दीवार पर मत थूको ।
 3. *Never tell a lie.* कभी झूठ मत बोलो ।
 4. *Do not sleep in the sun.* धूप में मत सोओ ।
 5. *Do not call others names.* दूसरों को गाली मत दो ।
- Do not abuse others*
- D 1. *Let him go there.* उसे वहाँ जाने दो ।
- Allow him to go there.* उसे वहाँ जाने दो ।
2. *Let them read* उसे पढ़ने दो ।
 3. *Let me sleep* मुझे सोने दो ।
 4. *Please let me go* कृपया मुझे जाने दीजिए ।

E 1 *Don't let him run* उसे मन दौड़ने दो ।

2. *Let him not run.* उसे नहीं दौड़ना चाहिए ।

3. *Let us not wait for him* हमें उसके लिए इन्तजार नहीं करना चाहिए = *We should not wait for him.*

Note—ऊपर के वाक्यों में आज्ञा, शिक्षा तथा प्रार्थना पाई जाती है ।
 कृया-क्रिया (verb) को वाक्य के प्रारम्भ में रखते हैं । यहाँ वाक्य का
 र्त्वि (subject) 'you' ही जाता है Negative 'don't' को क्रिया
 में पहले रखते हैं ।

EXERCISE 27

Translate into English—

उसे सुनने दो । मेरी बात सुनो (Listen to me) । डाक्टर को
 बुलाओ (Send for the doctor) । किताब खोलो । काना-फुगी
 मत करो (Do not whisper) झूठ कभी भी मत बोलो । सदा सच
 बोलो । उसे मन जाने दो । कृपा मुझे क्षमा करें । इसे भूल जाओ इसे
 मत भूलो । मुझे दो दिन की छुट्टी दीजिए । सड़क के नियमों का पालन
 करो (Obey traffic rules) घरना समय नष्ट मत करो । मुझे
 पानी दो । बालचीन मत करो । बहुत सावधान रहो (be very
 careful) । बाई की तरफ देखो । बाई पर तिलो । बाई की डक्टर
 में साफ (Clean) करो । नक्शे को समेट लो (Roll up the
 map) । धरना बचन निभाओ (Keep your word) गरीबों को
 मदद दो (Help the poor) भूखों को खिलाओ (Feed the
 hungry) । नंगों को वस्त्र पहनाओ (Clothe the naked) ।
 किसी की गाली मत दो (Do not abuse anybody) बड़ों का
 आदर करो (Respect your elders) । Respect उच्चारण—
 'रिस्पेक्ट' । धरने भोजन पर मसिबों को मत बैठने दो (Don't let
 flies sit on your food) । उसे बालचीन मत करने दो ।

- There is a cat *under* the table.
- 2 There is some rice *on* the plate
प्लेट पर कुछ चावल है ।
3. There is milk *in* the cup प्याले में दूध है ।
- 4 The boy's hand is *over* the cup
लड़के का हाथ प्याले के ऊपर है ।
- 5 The pup is *between* the books.
प्यारा पुरखवा के बीच में है ।
- 6 The pup is *behind* the cat. पिन्ना बिल्ली के पीछे है ।
Gita is running *after* a balloon. (पीछे)
7. The pup is *playing with* a ball.
पिन्ना गेंद से खेल रहा है ।



- The balloon is going *towards* the ceiling.
(तीनिय = छत, towards = तरफ) ।
8. A lady is coming *into* the room.

Let

1. Let us play football **हमें फुटबॉल खेलें ।**
= Let's play football (संगत)
2. Let us go for a walk. **चलो घूमने चलें ।**
3. Let us do our duty **हम अपने कर्तव्य का पालन करें ।**
4. Let him come in **उसे आकर आने दो । (घाता)**

LESSON 24

PREPOSITION

प्राचीं पृष्ठ के चित्र को देखो और ध्यान से निम्न चित्र में बिल्ली और मेज का क्या सम्बन्ध है ? उत्तर—बिल्ली मेज के नीचे है (The cat is *under* the table) । यदि वह बिल्ली मेज के ऊपर या तब तो हमका मेज के साथ क्या सम्बन्ध हो जायेगा ? तब हम बोलेंगे—बिल्ली मेज पर है (The cat is *on* the table) इस बिल्ली का कमरे में क्या सम्बन्ध है । उत्तर—बिल्ली कमरे में है । (The cat is *in* the room) । यदि वह कमरे से बाहर हो तब ? वह कमरे से बाहर है । (It is *outside* room) The cat is on the table. इस वाक्य में 'on' हटा दिया जाय तो यह एक निरर्थक वाक्य बन जायेगा, 'cat' का 'table' से कोई सम्बन्ध ही नहीं रह जायेगा, बिल्ली मेज पर है या नीचे है । या पास में है—कुछ पता नहीं लगेगा । देखो, छोटे-छोटे शब्द on, in, at, of, with, under आदि कितने काम के हैं । ये शब्द Preposition कहलाते हैं । ये Noun या Pronoun से पहले रखे जाते हैं । Preposition का उचित प्रयोग तुम अधिक अभ्यास से ही सीखोगे । प्राचीं पृष्ठ पर चित्र को देखो और नीचे के वाक्यों में प्राचीं Preposition के प्रयोग को समझो ।

नोट—Preposition उच्चारण-प्रेषजिज्ञान ।

1. A cat is *under* the table. बिल्ली मेज के नीचे है ।

There is a cat *under* the table.

2 There is some rice *on* the plate

प्लेट पर कुछ चावल है ।

3. There is milk *in* the cup व्याले में दूध है ।

4 The boy's hand is *over* the cup

लड़के का हाथ व्याले के ऊपर है ।

5. The pup is *between* the books.

प्यारा प्युम्पकी के बीच में है ।

6 The pup is *behind* the cat. पिल्ला बिल्ली के पीछे है ।

Gita is running *after* a balloon. (पीछे)

7. The pup is playing *with* a ball.

पिल्ला गेंद से खेल रहा है ।



The balloon is going *towards* the ceiling.

(सीलिंग = छत, towards = तरफ) ।

8. A lady is coming *into* the room.

The old man with red hair is Qazi Imam Bux.

पान वाला बाला बुढ़ा आदमी काजी इमाम बख्श है ।

The water in the jug is cold. गुराही का पानी ठंडा है ।

Money in the pocket grows less. जेब में रखा हुआ पैसा घट जाता है ।

Pocket — उच्चारण 'पॉकेट' ।

Money in the bank ever increases.

बैंक में रखा रुपया सदैव बढ़ता जाता है ।

The girl with flowers in her hair is Vasanti

पुष्प विभूषित बेशो वाली लड़की वासन्ती है ।

The girl with big dark eyes and black hair is

Chhaya Chakravatti

The boy at the window is calling you.

The boy in the corner blew the whistle.

कोने वाले लड़के ने गीटी बजाई ।

He has a box with a lid

उसके पास एक ढक्कनदार मग्नूक है ।

EXERCISE 29

१. इन वाक्यों में दिखे हुए विषय को देखो और नीचे जिनमें वाक्यों का पूरा करो:—

Where is the cat ? The cat is— the table.

Where is the cup ? The cup is— the table

Where is the boy ? The boy is— the table.

Where is the pup ? The pup is— the cat

What is Gita doing ? She is —

Where is the balloon going ? It — coming

Where is the picture ? -----

What is Champa doing ? She-----picture

Where is the boy's hand ? The boy's hand is ----
the cup.

Where is the little boy's right hand ?

The little boy's right hand is---

What is the lady doing ? The lady---the room.

२. नीचे लिखे वाक्यों को सावधानी से पढ़ो :-

(a) The boys who are sitting in the line are doing nothing.

जो लड़के अन्तिम पक्ति में बैठे हैं, कुछ नहीं कर रहे हैं ।

(b) The boys in the last line are doing nothing.

अन्तिम पक्ति वाले लड़के कुछ नहीं कर रहे हैं ।

ऊपर के दोनों वाक्यों का भाव एक ही है—'पहला वाक्य लम्बा है और दूसरा छोटा है ।

पुनः नीचे के वाक्यों को छोटे वाक्यों में बदलो:-

1. The boy who is sitting in the corner blew the whistle.

2. I have a box which has a green lid.

3. The book which is lying on the table belongs to me.

4. The man who has a dirty face works in this coal mine. (कोयले की खान)

5. The fishes that are in the net are all dead.

6. The man who has a broken leg is a beggar.
(with a broken leg)

7. The man who is standing at the door of the bus is the conductor standing at the door.
 8. This is a letter which has come from my friend.
 (This is a letter from my friend.)

Translate into English

सुराही का काला टाइट है। (Which book is red?)
 गाँव की लड़की स्कूल में पढ़ती है। (The girl from my village attends this school.)
 काले कोट पहने हुए लड़का है। (The boy with the black coat) सर पास में पीठ पर बैठा है। मुझे पीठ में बाला बोट चाहिए। (I'd like to buy a boat against us.)
 रिश्ते के पास वाली बड़की कमरा है। मकान के लड़का छात्रों में है। हमारे मने वाली टीम माइनसवाला है।
 (the team against us)। रिश्ते वाले घोर दबा छाती वाले लड़की ने दरवाजे खोले। (with hollow cheeks and sunken chest.)

LESSON 25

A Talk over the Telephone

Mehta—Is it pk. 1760?

Mrs. Sen—M's Sen speaking

Mehta—Hullo, I want to speak to Dr. Dey

Mrs. Sen—What number are you calling?

Mehta—I want pk. 1760.

Mrs. Sen—You have got the wrong number. This is 1706.

Mehta—Oh! I'm sorry

(Dial to the operator again)

Operator—What number please ?

Mehta—You gave me the wrong number.

I want pk. 1760.

Operator—Hold on, please.

Mehta—Hullo, Is that Dr. Dey ?

Dr. Dey—Yes, what can I do for you ?

Mehta—C. L. Mehta speaking. My wife is down with fever, will you please come over and examine her ?

Dr. Dey - What's the matter with her ?

Mehta—High temperature—vomiting tendency—sore throat, can't speak properly—bad headache—feeling restless.

Dr. Dey—I see. Don't worry, I shall be there within half an hour.

Mehta—Thank you, Doctor.

LESSON 26

Writing Short paragraphs ()

प्रारम्भ में छात्रों को किसी एक विषय पर दस-बारह वाक्य लिखने का अभ्यास करना चाहिए। प्रश्न-उत्तर द्वारा रचना (Composition) लिखने का कार्य अधिक लाभदायक है। प्रश्न-उत्तर के बाद किसी एक छात्र से क्रमबद्ध वर्णन बोनाया जाय—इसके बाद कक्षा को वर्णन लिखने देश दिया जाय। वर्णन में आये हुए कठिन शब्दों की Spelling लिख देनी चाहिए, जिससे छात्रों को सहायता मिले। उदाहरण दो विषयों का वर्णन इसी ढंग में नीचे दिया जाता है—

P. I clean it when it does not write well ?

T. Who gave you this pen ?

P. Father gave it to me.

T. What is the price of this pen ?

P. Its price is rupees five only. It is made in India. It is very cheap.

T. How do you like your pen ?

P. I like it very much. My pen is my great friend. It helps me in the examination hall and at all times. It is always with me. It writes well and with a good speed. I take care of my pen. I think it will serve me well for years.

My Fountain pen

My father gave me a fountain pen. It now belongs to me. It is short and round in shape and black in colour. It is made of plastic (प्लेस्टिक). The cap of the pen has a clip attached to it. The cap protects the nib. My pen is not a self-filler. It has no rubber tube. I fill it with a dropper. I use Sulekha ink. I always write with my pen. I keep it in my pocket. Its name is Plato. Price is rupees five only. I like it very much. My pen is my great friend. It helps me in the Examination Hall and at all times. It writes well and with a good speed. I take care of my pen. I think it will serve me a number of years.

My School

I attend D A V. school. It has a good building. It has a big hall and a number of rooms. The rooms are large and airy. Meetings are held in the hall. We play in the school compound in the recess period. There are six hundred boys in our school. Our school has a play ground outside the school. There we play foot-ball and hockey. The school begins at ten. It is over at four. Our school has a good library. In the library we have books on every subject and also newspapers. The library issues us books. We can take only one book at a time. All the teachers of the school are good, kind and able. We all respect them. I like my school very much.

My Best Friend

My best friend is Narayan. He is an intelligent boy. He knows his duty. He is always cheerful. He never tells a lie. He works hard and never wastes his time. He never talks when the teacher is teaching. He does his home-work regularly. He never abuses anyone. He takes care of his health. He takes exercise regularly. He goes for a walk every morning. He is the best boy of our school. All the teachers love him best because he is honest, noble and hard-working.

The Cow

The cow is a useful domestic animal. It has

two horns and a long tail. It feeds on grass. It is gentle and meek. It gives us milk. Its milk is very sweet. Milk is good food for children. It is also very useful for the sick. It is a 'light food' (हलका भोजन). We get butter and ghee from the milk. Cows are found in all the countries. They go out to graze in the field and return home in the evening. The cow-herd looks after it in the jungle. We milk the cows in the morning and the evening. We should be kind to this animal.

My Favourite Pet

I have a dog. It is my favourite pet. It gives pleasure to children. It guards my house at night. It is my best friend and companion. It barks when it sees a stranger. It wags its tail when it sees me. I take it with me when I go for my morning walk. It jumps and runs in the open field. Dogs are very gentle and faithful. In some countries they pull carts. They keep a watch over the flock of sheep (निगरानी रखते हैं). They guide the blind persons. They carry news from one place to another. I take care of my dog and feed it properly.

The Postman

The postman is a servant of the post-office. We see him going from house to house. He delivers letters, parcels and money orders. He has a leather bag full of letters and packets. He goes to

3 An application for Transfer Certificate —
The Headmaster,
Madul Secondary School,
Bikaner ;

As my father has shifted his business to Jaipur, I shall have to continue my studies at this place. I, therefore, request you to issue me T. C. so that I may get myself admitted to some school at Jaipur

Thanking you,

6th August, '87

I remain
Yours obediently,
Arvind Kumar
Class VIII

(ii) INVITATION

1. Write a letter to your friend inviting him to your birthday party —

Dear Gopal,

I shall be delighted if you give pleasure of your company at a dinner on Friday, May 4 at 8 p. m. A few of your friends have been invited as tomorrow is my birthday.

Yours sincerely,
Narayan

2. Write a letter to your friend inviting him to attend your sister's wedding :—

25, Sadul Colony,
Bikaner
18th June, 1987

My dear Hari,

It gives me pleasure to let you know that my elder sister's marriage comes off on 29th of this month. I therefore, request you to attend this function. A number of guests are coming. I will need your help on this occasion. Please come without fail.

Yours sincerely,
Atma Ram

3. Write a letter to your friend writing him to join you in a picnic party.

Address
Date.....

My Dear Ashok,

Your examination is now over. You are free to move about. We have decided to enjoy picnic at the Sheobari Park. I think it is the best place for a picnic. We shall have a jolly time. We shall play Kabaddi and other games. We shall prepare food with our own hands. I assure you that you will enjoy the picnic very much. You will have time to relax your body and mind.

Hoping to hear from you soon,

I remain,
Yours sincerely,
Shankar

(iii) PERSONAL LETTERS

1. You want to buy some books. Write a letter to your father to send you some money

25 Sadul Colony

Bikaner

7 5 '87

My dear Father,

You will be glad to know that I have been promoted to class VIII. So I shall have to buy some new books. They will cost me about fifty rupees. Kindly send me the amount by M. O. at an early date.

I am quite well. How do you do? With best regards,

I am

Yours affectionately,

Rajesh

2. Write a letter to your friend to tell how you spent your last summer vacation.

Address _____

Date _____

My Dear Satish,

Thanks for your kind letter which I received this morning. You asked me how I spent my last summer vacation. I had to go to Delhi, the Capital of India. We put up

4. A letter to Father about your preparation for the Annual Examination

Address _____

Date

My dear Father,

I thank you very much for your letter which I received this morning. You want to know how I am going on with my studies. I have revised all my course. I am no more weak in English and Mathematics. I am fully prepared for the Annual Examination. I am very regular in my studies. I never miss any class. I shall do well in the coming examination.

I hope you are all well. My love to Munna and my best regards to mother.

Hoping to hear from you soon

I remain,
Your loving son
Hari Ram

LESSON 29

Essay-Writing

1. My School

I attend Jain Secondary School. It has a good building. It has a big hall and a number of rooms. The rooms are large and airy. Meetings are held in the hall. We play in it.

school compound in the recess period. There are six hundred boys in our school. Our school has its own play-ground. There we play foot-ball and hockey. The school begins at ten. It is over at four. Our school has a good library. In the library we have books on every subject. All the teachers of the school are good, kind and able. We all respect them. I like my school very much.

2. My best Friend

My best friend is Narayan. He is an intelligent boy. He knows his duty. He is always cheerful. He never tells a lie. He is regular in his studies. He is also a good player. He takes care of his health. He takes exercise regularly. He goes for a walk every morning. He is the best boy of our school. All the teachers love him best, because he is honest, noble and hard workers.

3. My English Teacher

I am in class VIII. Our school is known as B. K. Vidyalaya. Sri P. R. Purohit is our class teacher. He wears a simple dress. He is a perfect gentleman. He never loses his temper. He teaches us English. His method of teaching is very good. He makes everything clear to us. He corrects our books very carefully. He pays special attention to the weak and backward students.

He never gets angry with them. He inspires them. He seldom beats anyone of us. We love and respect him with all our heart and soul.

4. Our Class-room

Our class room is large and airy. It is about 25 feet long, 23 feet broad and 17 feet high. It has three windows and two doors. There are desks and seats for forty boys of our class. In the class-room we have a chair, a table and a chair is for the teacher to sit on. A table is placed before the chair. The teacher puts his books, registers and other things on it. He teacher writes on it difficult words or answers to certain questions. Our class-room is well lighted. We have two fans and electric light in our class room. Maps, pictures and charts are put up on the wall. We don't make our class room dirty. We try to keep it neat and clean. After the school is over the class-room is locked.

5. My Daily Life

I get up at 5.30 in the morning. I go out for my morning walk. I run and enjoy the fresh air. I return home at about 6.30. I have a bath. I finish my home-task. I have my meals. I go to school at 10 a.m. I attend the daily prayer in the school-hall. After the prayer is over, I go to my class. At 1.30 we have our afternoon

I have my tiffin. I play with my friends in the school-compound. At four, the school is over I return home and take some light refreshment I play for some time. I have my supper at 8 p. m I sit down to prepare my lesson for the next day At nine I go to bed. On Sundays and other holidays, I do not follow this routine. On these days I spend some time in watching the T. V.

6. The Cow

The cow is a useful domestic (घरेलू) animal. It has two horns and a long tail. It feeds on grass. It is gentle and meek. It gives us milk. Its milk is very sweet. Milk is a good food for children. It is also very useful for the sick. It is a light food (हल्का भोजन). We get butter and ghee from the milk. Cows are found in all the countries. They go out to graze in the field and return home in the evening. The Cow-herd looks after them in the jungle. We milk the cows in the morning and in the evening. We should be kind to this animal. In India the cow is called Gau-Mata.

LESSON 30

Story Writing

1. A Thirsty crow

He was very thirsty on a summer after-
noon. He flew in search of water. He was happy

to see a jar and so he flew to it. But when he came to it, he found the water very low. He tried to reach it, but failed. He saw some pebbles lying close by (समस्त). He dropped them in one by one. Water rose up. The crow could now reach it. He quenched his thirst. He felt happy. He flew back to his nest.

[Word notes - Thirsty थ-रिज्-तृ-मा । Afternoon बिद्यया पहर । In search of (सर्च) तलाश मे । Happy खुश । Jar बरत । Low नीच । Peach पट्टचना । Failed-फलान रहा । Pebbles बरत । Lying - टग पड़े हुए । Drop टपटना । Dropped - टग-तगना टपका । In अन्दर, भीतर । One by one एक-एक कर । Rose up उतर उठ आया । Quenched his thirst बवंच्छ्ट्-रिज्-थ-स्ट-अपना-प्यास-बुझ-ई ।]

A hungry fox went out in search of food. At last he came to a garden. There was a vine in the garden. The vine was full of grapes. The mouth of the fox watered to see the grapes. But the grapes were so high that he could not reach them. He jumped again and again, but failed. He felt tired. He left the garden saying, 'the grapes are sour. I don't want to eat them.'

[Word-notes - In Search (सर्च) of खोज मे । He-fox के लिए he का प्रयोग हावा है-she-का नहीं । Vine वाईन्-अमूर की बेल । Grape ग्रेप्-अमूर । Mouth

watered मुंह में पानी भर आया । Tired टायर्ड—पका हुआ ।
Sour साबुर—खट्टा ।]

3. A Hare and A Tortoise

Once there was a hare. He met a tortoise and made a fun of him. He said to them, "your legs are vere short. You cannot run like me." The tortoise replied, "My legs may be short, but I can beat you in a race." he hare laughed when he heard this. A day was fixed for the race. When the race began, the hare left the tortoise far behind. On the way the hare thought, "why should I run so fast? I will surely beat the tortoise in the race. Let me take rest under a tree." The hare fell asleep. But the tortoise walked on. When the hare got up, he ran very fast. But he found that the slow tortoise had reached the goal

Moral : Slow and study wins the race.

[Word notes : Hare सरगोश । Tortoise टॉरटोइस ।
Made a fun of—खिल्ली उछाई । Beat in a race
बीट में हरा देना । Left छोड़ दिया । Far behind बहुत
पीछे । On the way रास्ते में—यहाँ in का प्रयोग नहीं होगा ।
Let me take rest मुझे आराम कर लेना चाहिए, मैं आराम कर
तू । Slow सुस्त, मन्द गति वाला ।

4 A Vain Stag : (वेन स्टैग—घमण्डी बारह भिगा, हरिन)

Once a stag came to a stream to drink
r. While drinking water, he saw his own

will repay your kindness." The lion laughed and let it go. Once the lion was caught in a net. He tried to free himself, but failed. The lion roared loudly. The mouse heard his roar and came to him. With its sharp teeth the mouse bit the rope. In a short time the lion was set free.

[Word notes : Shady छायादार । Woke up जगा । Seized—सीज्ड—पकड़ लिया । Spare स्पेयर—बचाना । This day आज के दिन । Repay बदला चुकाना । Kindness मेहरबानी । Laugh लाफ—हँसना । Let it go छोड़ दिया, जाने दिया । Was caught पकड़ा गया । Net जाल व फंदा । To free—स्वतन्त्र करना । Roar रोर—दहाड़ना, गरजना । Roared गरजा । Heard his roar उसकी गरज (दहाड़) को सुना । Bit काट दिया । Was set free मुक्त कर दिया गया ।

6. The Two Friends And The Bear

Once two men were passing through a forest. The forest was full of wild beasts. They agreed to help each other in danger. Suddenly a bear appeared. One of the men at once climbed up a tree. The other man was left alone. He lay down as if he were dead. The bear sniffed at his face. It thought the man was dead and went away. Then the man in the tree came down. He said to the other man, "What did you say to me?" The man answered,

Never trust a friend who runs away in time of danger."

[Word notes Forest जंगल । Wild जंगली । Beast
 Agreed समझिना, सहमत होना । Danger खतरा ।
 Suddenly अचानक । Appeared प्रकट होना । Lay down नीचा
 Climb चढ़ना । Alone अकेला । The man
 As if he were dead मना वह मृतक था । The man
 on the tree—वेह पर का घादमी । Bear उन्मत्त-वेधर 'बीघर'
 नहीं-मानू । Bear बघर-महन करना (verb), दाबो का एक ही
 पहनावा— (Wear वेध पहनना) । Never trust कभी
 विश्वास मत करो ।

7 The Greedy Dog

Once a dog got a piece of meat from a
 butcher's shop. He held it in his mouth. He set
 off for his home. On the way he came up to
 a bridge over a river. He looked down into the
 clear water. He saw his own reflection there.
 He took it for another dog. He was a greedy
 dog. He wanted to get the piece of meat from
 the other dog. So he opened his mouth to
 take it. Alas! his own piece of meat fell
 down into the water. He tried to get it back
 but all in vain (व्यर्थ)

[Word notes : Piece of meat मांस का टुकड़ा ।
 Butcher बूचर-कसाई । Held— धामा । पकड़ा । Set off—
 चल पड़ा, रवाना हुआ । On the way रास्ते में । Bridge

पुन । Reflection—image प्रतिबिम्ब । He took it for another dog उसने इसे दूसरा कुत्ता समझा । Greedy लालची, लोभी । Alas अफसोस, शोक की बात है । All in vain (बेन) सब प्रयास व्यर्थ गया ।

8 The Fox and The Crow

A hungry fox once saw a crow sitting on the branch of a tree. The crow was holding a large piece of meat in its beak. The fox sat down beneath the tree and began to praise the crow. He said, "What a lovely bird you are! How shining your feathers are! How beautiful your beak is! How bright your eyes are! But the pity is you can not sing. If you could sing, you would have been the finest bird in the world," the vain crow opened its beak to show that it could sing very well. The meat dropped from its beak. The fox said, "Thanks very much." He ate the piece of meat and ran off.

LESSON 31

WORD STUDY

(i) Some opposites

Right दाय	Wrong गलत	Good उत्तम	Bird पक्षी
Big बड़ा	Small साना	Come आना	Go जाना
Open खुला	Close बंद	Hot गर्म	Cold ठंडा

[ई घर जा रहा है—यह उत्तर है । उसका प्रश्न बन सकता है—
 तुम कहा जा रहे हो ? तुम कहा जा रहे हो—इसकी प्रश्न बनगी
 Where are you going ? प्र. Q. (प्रश्न) बनना Where
 are you going ?]

2. Q. How ?

Ans. He is ten years old

[वह दस वर्ष का है—यह उत्तर है । इसका प्रश्न बनेगा—वह कितने
 वर्ष का है ? उसकी उम्र क्या है ? यही Q के साथ How प्रश्न
 प्रश्न रूप में दिया गया है । हमें ऐसा प्रश्न बनाना है जो How प्र
 प्रश्न होगा । प्रश्न प्रश्न बनेगा—How old is he ?]

3. Q. Whose ?

Ans. I am reading Ram's book

[मैं राम की किताब पढ़ रहा हूँ—यह उत्तर है । प्रश्न बनना—तुम
 किसकी किताब पढ़ रहे हो ? Whose book are you
 reading ?]

Q. Who ?

Ans. A beggar is standing at the door.

प्रश्न प्रश्न बनेगा—Who is standing at the door ?

Q. Who ?

Ans. The father and the son are crossing the
 bridge प्रश्न बनना Who are crossing the bridge

Q. When ?

Ans. My mother gets up at 5.

प्रश्न बनेगा—When does your mother get up ?

Q. ~ ?

Ans. Yes, it is my pen

8. Q ?

Ans. No, he did not break the table.

प्रश्न बनेगा—Did he break the table ?

9. Q When ?

Ans. I went to see him yesterday.

प्रश्न बनेगा—When did you go to see him ? तुम उससे मिलने कब गये ?

10. Q. How long ?

Ans. She has lived in this city for ten years.

प्रश्न बनेगा—How long has she lived in this city ?

11. Q. How many ?

Ans. There are three mango trees in my garden.

इसका प्रश्न बनेगा—How many trees are there in your garden ?

12. Q. What ?

Ans. I asked my sister to sing.

प्रश्न बनेगा—What did you ask your sister ? तुमने अपनी बहन से क्या पूछा ?

13. Q. Who ?

Ans. I helped the old woman.

प्रश्न बनेगा—Who helped the old woman ?

14. Q

Ans. I have never been to Agra. मैं आगरा कभी नहीं गया हूँ । प्रश्न बनेगा—क्या तुम अभी आगरा गये हो ? Have you ever been to Agra ?

15. Q. When ?

Ans. The doctor came just after the patient had died रोगी मर जाने के ठीक बाद डॉक्टर आया । प्रश्न बनेगा—When did the doctor come ?

16. Q. ?

Ans. Yes, I love you प्रश्न बनेगा—Do you love me ?

17. Q. ?

Ans. I have got a lot of sugar (शुगर) प्रश्न बनेगा—How much sugar have you got ?

18. Q. Whom ?

Ans. I helped the old woman प्रश्न— Whom did you help ? तुमने किसको मदद दी ?

19. Q. play cricket ?

Ans. No, I don't.

प्रश्न बनेगा—Do you play cricket ?

20. Q. Ram : What ?

Shyam : I have lost my pen.

प्रश्न—What have you lost ?

21. Ram : you ?

Shyam : I am a doctor.

प्रश्न—What are you ? तुम क्या करते हो ?

22. Q. What is her sari ?

Ans. It is red

प्रश्न—What colour is her sari ?

23. Q. the answer ?
Ans. I know the answer प्रश्न—Do you
the answer ?
- 24 Q. Who ?
Ans. I know the answer. यह प्रश्न बनेगा—
knows the answer ? कौन उत्तर जानता है ?

